जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शनिवार 27 सितम्बर, 2025

विचार बिन्दु

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं। -कौटिल्य अर्थशास्त्र

संघ शताब्दी वर्ष :

देश के हर गांव - गुवाड़ और चौपाल पर पंच परिवर्तन का शंखनाद करेगा संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयदशमी 2025 के पावन पर्व पर अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इस अवसर पर 2 अक्टूबर से संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों का शुभारम्भ होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन 1925 में की थी। आज देश भर में 51570 स्थानों पर प्रतिदिन कुल 83129 शाखाएं संचालित की जाती हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 हजार से अधिक हैं। साप्ताहिक मिलन में पिछले वर्ष की तुलना में 4430 की वृद्धि के साथ 32147 हो गए है। देश में शाखाओं और मिलन की कुल संख्या 1,15,276 है। वहीं राजस्थान में वर्ष 2023 -24 में 6102 स्थानों पर 9556 शाखाएं, 3903 मिलन थे। जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 6839 स्थानों पर 10757 शाखाएं और 5311 मिलन हो गए हैं।

शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवक पंच परिवर्तन को लेकर जनजागरण करेंगे। इनमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समसरता, स्व आधारित व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन तथा नागरिक कर्तव्य, इन बिंदुओं का समावेश रहेगा। शताब्दी वर्ष के दौरान व्यापक गृह संपर्क अभियान, हिन्दू सम्मेलन, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी और सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा। शताब्दी वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा गृह सम्पर्क अभियान शुरू करेगा। 20 नवम्बर से 21 दिसम्बर के बीच संघ कार्यकर्ता देश के छह लाख गांवों के 20 करोड़ परिवारों में सम्पर्क करेंगे। इस अभियान में लगभग 20 लाख कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। शताब्दी वर्ष का पहला कार्यक्रम विजयादशमी का होगा। मण्डल व बस्ती स्तर पर आयोजित विजयादशमी उत्सव के कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल होंगे।

यह विश्व का सबसे विशाल संगठन है। समाज के हर क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से विभिन्न संगठन चल रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। संघ के विरोधियों ने तीन बार 1948 1975 व 1992 में इस पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन तीनों बार संघ पहले से भी अधिक मजबूत होकर उभरा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अनेक निर्णयों में माना है कि संघ एक सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन है।

देश में 25 जून 1975 को जबरिया आपातकाल लागू कर लाखों विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया गया था। 21 महीनों का यह काला दौर संविधान के विध्वंस, नागरिक अधिकारों के उल्लंघन, प्रेस पर पाबंदी और विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियां का रहा। इस दौरान विपक्षी पार्टियां नेतृत्व विहीन होने से आपातकाल का जबरदस्त विरोध नहीं कर पा रही थी। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अनवरत विरोध मार्च की कमान संभाली। इन पंक्तियों के लेखक ने उस दौरान संघ कार्यकर्ताओं का जज्बा देखा जिन्होंने अपने घर परिवार की परवाह न कर आपातकाल के विरोध में सत्याठाह कर जेलों को भर दिया। सत्याग्रह में हजारों स्वयंसेवकों की गिरफ्तारी के बाद संघ के कार्यकर्त्ताओं ने भूमिगत रह कर आन्दोलन चलाना शुरू किया। आपातकाल के खिलाफ सड़कों पर पोस्टर चिपकाना, जनता को सूचनाएँ देना और जेलों में बन्द विभिन्नत राजनीतिक कार्यकर्ताओ - नेताओं के बीच संवाद सूत्र का काम संघ कार्यकर्ताओं ने सँभाला। आपातकाल का विरोध करने के कारण तत्कालीन सरकार के इशारों पर संघ कार्यकर्ताओं की पुलिस थानों में पिटाई आम बात हो गई थी। एक अधिकृत जानकारी के अनुसार आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से 1,00,000 से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। मीसा के तहत कैद 30,000 लोगों में से 25,000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। आपातकाल के दौरान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीब 100 कार्यकर्ताओं की जान चली गई। अनेकानेक कष्ट झेलने के बाद भी संघ कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में विपक्षी दलों के विलय से बनी जनता पार्टी के सरकार बनाने में संघ कार्यकर्ताओं के योगदान को नकारा नहीं जा सकता।

बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री है। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय-समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की।

आजादी के बाद से ही कांग्रेस के निशाने पर रहा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। लाख चेष्टा के बावजूद कांग्रेस संघ को समाप्त करना तो दूर हाशिये पर लाने में सफल नहीं हुआ। संघ को खत्म करने के चक्कर में खुद कांग्रेस अपना वजूद समाप्त करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर पहली विपदा महात्मा गांधी की हत्या के दौरान आई जब हत्यारे नाथूराम गोडसे को संघ का स्वयंसेवक बताकर संघ पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था। बाद में एक जांच समिति ने संघ पर लगे आरोपों को सही नहीं बताया तब संघ से प्रतिबन्ध हटा लिया गया और एक बार फिर संघ ने स्वतंत्र होकर अपना कार्य शुरू किया। संघ पर इस दौरान यह आरोप लगाया गया कि वह हिन्दू अधिकारों की वकालत करता है। मगर संघ का कहना है कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धित है। भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है तो इसका कारण यह है कि यहाँ हिन्दू बहुमत में हैं। बताया जाता है कि 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान संघ के अप्रतिम सेवाभावी कार्यों से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं.जवाहर लाल नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का संघ को निमंत्रण दिया। दो दिन की अल्प सूचना के बाबजूद तीन हजार गणवेशधारी स्वयं सेवक उस परेड में शामिल हुए। यहाँ यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि संघ गांधी हत्यारा था तो पं. नेहरू ने उसे देशभक्त संगठन मानकर परेड में शामिल क्यों किया। संघ पर दूसरी विपदा 1975 में तब आई जब आपातकाल के दौरान उस पर प्रतिबन्ध लगाकर हजारों स्वयंसेवकों को कारागार में डाल दिया गया। आपातकाल के बाद संघ से प्रतिबन्ध हटाया गया और संघ ने पुनः अपना कार्य प्रारम्भ किया।

बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री है। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय-समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की। विभिन्न गुटों में बंटे उनके कथित समाजवादी अनुयायी अपने राजनैतिक लाभों को हासिल करने के लिए उनका विरोध करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी संघ के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर कांग्रेस को झटका दे चुके है। उन्होंने संघ के संस्थापक हेडगेवार को बड़ा देशभक्त बताया था।

-अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 27 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 1:08 तक, प्रीति योग रात्रि 11:49 तक, बालव करण दिन 12:04 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 7:07 तक है, रात्रि 1:08 से पुनः आरम्भ होगा। आज नत पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:50 से 9:19 तक, चर 12:18 से 1:47 तक, लाभ-अमृत 1:47 से 4:46 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:15

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

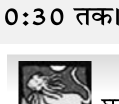

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

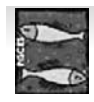

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

पर्यटन संस्कृति की प्रभावी शिक्षा का हो प्रसार

27 सितम्बर, विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष.........

डॉ. अरुणा व्यास

भारत आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान आता है। इसकी खास वजह यहां के चित्ताकर्षक पर्यटन स्थल तो है ही साथ ही वह अपनापे की संस्कृति भी है जिसमे पावणों यानी मेहमानों के लिए विशेष आदर भाव है। और फिर पर्यटन की जितनी विविधता राजस्थान में है उतनी किसी दूसरे प्रदेश में नहीं। समुद्र और बर्फ के अलावा सब कुछ तो है राजस्थान के पर्यटन में। दूर तक फैले रेत के धोरे, किले, महलों के साथ ही झीलें, कलात्मक स्थापत्य से संपन्न बावड़ियां और तालाबों के अलावा अरावाली की पर्वत श्रृंखला से जुड़े पर्यटन स्थल यहां आने वाले पर्यटकों को अपने सौन्दर्य से मुग्ध करते है। गौरवमयी इतिहास से जुड़ी कथा-कहानियां, रंग-रंगीली संस्कृति और उत्सवप्रिय यहां के लोगों की आवभगत आने वाले पर्यटकों को अपना बना लेती है। यही कारण है कि सुदूर देशों से पर्यटक एक बार यहां आता है तो फिर बार-बार आता है।

राजस्थान में पर्यटन की परम्परा आरंभ से ही रही है। तब से ही जब रियासतों का एकीकरण नहीं हुआ था। राजा-महाराजाओं ने पर्यटन के महत्व को देखते हुए ही अपने किले-महलों के द्वार सुदूर देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए खोल दिए थे। बाद में जब रियासकों का एकीकरण हुआ तो बड़ा संकट उन राजपूत ठिकानेदारों के सामने यह भी खड़ा हो गया कि कैसे बड़े-बड़े किले-महलों की सार संभाल करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाद में देश के उपराष्ट्रपति रहे स्व. भैरोसिंह की पहल से तब एक महत्वपूर्ण पहल राजस्थान में 'हेरिटेज होटल' योजना के अंतर्गत हुई। 75 वर्ष से पुरानी हवेली, किले महल आदि को 'हेरिटेज' की श्रेणी में रखते पर्यटन की दृष्टि से उनके संवर्द्धन और विकास पर रियायतें, अनुदान की शुरूआत हुई और देखते ही देखते प्रदेशभर में हेरिटेज होटलों की एक श्रृंखला बनती चली गई। आज भी देशभर में सर्वाधिक 'हेरिटेज होटल' राजस्थान में हैं। इससे न केवल हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को संजोया जा सका बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी राजस्थान में आकर्षण में तेजी से इजाफा हुआ।

यह सही है, पर्यटन की प्रदेश में अभी भी अपार संभावनाएं हैं। एशिया के छठे बेस्ट होलीडे डेस्टिनेशन होने के बावजूद जितनी आय पर्यटन से राजस्थान को होनी चाहिए हो नहीं रही है। जरूरत इस बात की है कि प्रदेश की पर्यटन क्षमताओं को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां बने। इसके लिए सबसे बड़ी जरूरत पर्यटन शिक्षा के ढांचे को सुदृढ करने की भी है। उद्योग के रूप में पर्यटन कैसे संचालित हो, इस पर तो वर्तमान पर्यटन शिक्षा में जोर है परन्तु तीर्थाटन से पर्यटन की हमारी विरासत वहां नदारद है। घुमक्कड़ी से जुड़ा भारतीय दर्शन वहां बहुत से स्तरों पर नहीं है। यह होगा तभी हम संस्कृति के संरक्षण के साथ पर्यटन का प्रभावी विकास कर पाएंगे। यह समझे जाने की जरूरत है कि पर्यटन जन उद्योग है, इसका संचालन अन्य उद्योगों की भांति नहीं किया जा सकता। इसके लिए आम जन को जोड़ना अधिक जरूरी है।

जरूरी यह भी है कि राज्य में उपलब्ध पर्यटन सुविधाओं का व्यावहारिकता के स्तर पर आकलन कर उनका विकास किया जाए। अभी चिर-परिचित स्थानों के विपणन पर तो बहुत कुछ किया जा रहा है परन्तु बहुत से कम जाने-पहचाने स्थानों के विकास पर ध्यान नहीं है। उन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जालोर का किला, सुंधा माता का रोपवे, परमारकालीन संस्कृत पाठशाला, चूरू, नवलगढ़ की हवेलियां, बांसवाड़ा में आथूणा के मंदिर, बाड़मेर में किराडू का शिल्प सौन्दर्य, बीकानेर में गजनेर, उदयपुर में जयसमंद और रूठी रानी के महल, अलवर में भानगढ़, भरतपुर के जल महल और ऐसे ही बहुत से और पर्यटन आकर्षण है, जो पर्यटन मानचित्र पर ठीक से उभरे नहीं है। इनके विकास के साथ ही पर्यटन पथों का इस तरह से विकास किए जाने की जरूरत है कि पर्यटक पैकेज के रूप में कम परिचित स्थानों का दृश्यावलोकन कर सके। इसके साथ ही धार्मिक और घरेलू पर्यटन पर भी विशेष रूप से ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जरूरत इस बात की भी है कि राज्य सरकार अपने कर्मियों को पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करने की नीति पर भी कार्य करे। इन्टरनेट को टूरनेट के रूप में विकसित करने की पहल करें। पर्यटन केन्द्रों पर लेखकों, पत्रकारों की यात्रा भी इस दिशा में सकारात्मक पहल हो सकती है। लेखक, पत्रकारों को कम परिचित पर्यटन स्थलों पर ले जाए जाए। वे वहां जाएंगे तो उन स्थानों के सौन्दर्य और संभावनाओं पर लिखेंगे, स्वाभाविक ही है कि जितना खर्च उनके विज्ञान पर नहीं खर्च करना पड़ेगा उससे अधिक सरकार का प्रचार हो जाएगा।

मूल बात है कि हम राज्य के पर्यटन का विपणन इस रूप में करें कि देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के साथ ही यहां की उन पर्यटन क्षमताओं का भी अधिकाधिक दोहन हो सकें, जिन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है। इसी से पर्यटन में राजस्थान देशभर में अग्रणी हो सकता है।

-डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

जीएसटी संशोधन 2.0 : आम जनता और महिलाओं के लिए राहत की नई किरण

डॉ. मनीषा सिंह

भारत निरंतर अग्रसर है तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर, भारत की आर्थिक व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में 15 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने संबोधन के दौरान जीएसटी में अहम संशोधन की घोषणा की। यह घोषणा केवल एक औपचारिक वादा नहीं थी, बल्कि सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचायक भी थी। इसके बाद 38 दिनों के भीतर, अर्थात् 22 सितम्बर को यह संशोधन लागू होने जा रहा है। यह कदम न केवल कर-व्यवस्था को सरल बनाने वाला है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है।

जीएसटी संशोधन की पृष्ठभूमि

जीएसटी को 2017 में लागू किया गया था और इसे वन नेशन वन टैक्स की दिशा में ऐतिहासिक सुधार माना गया। लेकिन समय के साथ इसमें कई जटिलताएँ सामने आईं। छोटे व्यापारियों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को इसकी प्रक्रियाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। केंद्र सरकार ने इन समस्याओं को गंभीरता से लिया और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वित्तीय व्यवस्था को आम जनता के लिए सरल और सहज बनाने की घोषणा की। इन्हें राहत देने का काम किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि आर्थिक सुधार तभी सार्थक हैं जब जनता को उनका प्रत्यक्ष लाभ मिले।

संशोधन का स्वरूप - 2.0

22 सितम्बर से लागू होने जा रहे इस संशोधन में मुख्य रूप से निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं:

1. प्रक्रियाओं में सरलता - रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सहज बनाया गया है, जिससे छोटे व्यापारी और उद्यमी आसानी से इसे पूरा कर सकें।
2. टेक्स स्लैब में राहत - कुछ ज़रूरी वस्तुओं पर जीएसटी दरों को कम किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।
3. डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा - ऑनलाइन फाइलिंग और ट्रैकिंग को और अधिक आसान व पारदर्शी बनाया गया है।
4. गृह-उद्योग और कुटीर उद्योग पर विशेष ध्यान - छोटे स्तर के उद्योगों के लिए अनुपालन नियमों में ढील दी गई है।

आम जनता व महिलाओं को होने वाले फायदे

इस संशोधन के लागू होते ही आम जनता को कई लाभ मिलेंगे। सबसे बड़ा फायदा उपभोक्ताओं को होगा क्योंकि ज़रूरी वस्तुएँ सस्ती होंगी। रोटी-कपड़ा मकान के साथ साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सभी को मिल सकेगा। वहीं, छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए कर-प्रणाली का बोझ घटेगा और उन्हें कारोबार बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। आज सभी के मध्य इस संशोधन को लेकर व्यापक चर्चा है। कई आर्थिक विशेषज्ञों ने इसे भारतीय कर-व्यवस्था में क्रांतिकारी कदम बताया है।

महिलाओं के लिए विशेष लाभ-

भारत में महिलाएँ केवल गृहिणी ही नहीं, बल्कि आज स्वरोजगार और उद्यिमता के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रही हैं। कई महिलाएँ छोटे स्तर पर गृह-उद्योग, बुटीक, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग या ऑनलाइन कारोबार चला रही हैं। जीएसटी संशोधन 2.0 से इन्हें सबसे अधिक फायदा होगा। पहले जहाँ उन्हें रिटर्न फाइल करने, जटिल नियमों और टैक्स स्लैब समझने में मुश्किल आती थी, वहीं अब सरल प्रक्रियाएँ उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगी। यह संशोधन महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का रास्ता खोलता है और नारी शक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। महिलाओं के बज़ट में रियायत- रसोई से खाने पीने की वस्तुओं से लेकर दवाइयाँ, किचनवेयर, रोजमर्रा ज़रूरत की चीज़ें, घरेलू सामान, सौंदर्य प्रसाधन, नवीनीकरण उपकरणों, टेक्सटाइल, हस्तशिल्प। शिक्षा - स्वास्थ्य संबंधी वस्तुओं एवं सेवाओं आदि पर जीएसटी 18% या 12% से 5% तक होंगे जिससे जेब का बोझ कम होगा और महिलाओं को आर्थिक बचत होगी जिससे इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा, जिंदगी बेहतर होगी। उनके लिए कारोबार करना आसान हो जाएगा जिससे आर्थिक सशक्तिकरण राहें आसान होगी।

मोदी सरकार का दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री मोदी जी का सदैव यह मानना रहा है कि जन-हित और देशहित दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। जीएसटी संशोधन को इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की ओर भी कदम है। आर्थिक बोझ कम होने से आम नागरिकों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और व्यापारिक गतिविधियाँ तेज़ होंगी। यह सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण आधारशिला बनेगा।

राजनीतिक और सामाजिक महत्व

राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो यह संशोधन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अक्सर आलोचकों का कहना होता है कि घोषणाएँ समय पर लागू नहीं होतीं, लेकिन इस मामले में मात्र 38 दिनों में ही इसे लागू कर देना सरकार की कार्यक्षमता का प्रमाण है। सामाजिक दृष्टि से यह बदलाव जनता को राहत देने वाला है। जब ज़रूरी वस्तुएँ सस्ती होंगी और कारोबारी वातावरण सुधरेगा, तो इसका सीधा असर समाज के हर वर्ग पर पड़ेगा। 22 सितम्बर से लागू होने वाला जीएसटी संशोधन केवल कर व्यवस्था में बदलाव भर नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। इससे आम जनता को राहत, व्यापारियों को सरलता और महिलाओं को सशक्तिकरण मिलेगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह सुधार भारतीय लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों को और मजबूत बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी जी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी की यह पहल आने वाले समय में भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाएगी।

-डॉ. मनीषा सिंह,
कार्यकारिणी सदस्य,
मीडिया विभाग भा ज पा
राजस्थान एवं सामाजिक
कार्यकर्ता संरक्षिका मान फाउंडेशन।

धौलपुर में ग्रामीण सेवा शिविर लोगों के लिये खुशियों के संदेशवाहक बने

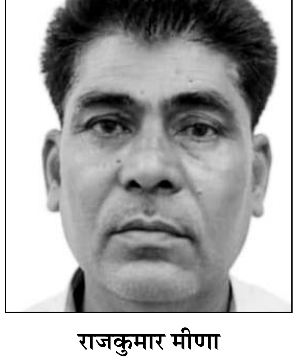

राजकुमार मीणा

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर धौलपुर जिले के लोगों के लिए बड़ी राहत का साधन बन रहे हैं। इन शिविरों ने न केवल वर्षों से अटकी समस्याओं का निस्तारण किया है बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक संबल और न्याय भी दिलाया है।

पशुधन सुरक्षित- परिवार निश्चिंत :-पंचायत समिति सरमथुरा की ग्राम पंचायत मदनपुर निवासी लक्ष्मीदेवी को शिविर में मंगला पशु बीमा योजना के तहत भैंस की बीमा पॉलिसी मिली। पशु बीमा से उन्हें 40 हज़ार रुपये तक की सुरक्षा गारंटी मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका परिवार पशुधन की अनहोनी से सुरक्षित है।

दशकों पुरानी राजस्व त्रुटियों का समाधान :-ग्राम भौंहारी के बनवारी पुत्र पूरन का नाम राजस्व रेकार्ड में वर्षों से ग़लत वनवारी दर्ज था। शिविर में उनकी फरियाद सुनते ही राजस्व टीम ने मौके पर ही नाम शुद्ध कर उन्हें न्याय दिलाया। वर्षों पुरानी चिंता मिटने पर उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

पट्टा मिलने पर लौटी मुस्कान :-ग्राम सुन्दरपुर निवासी रामनिवास पुत्र वासुदेव लंबे समय से प्लॉट का पट्टा हस्तांतरण कराने के लिए चक्कर काट रहे थे। धौलपुर शिविर में अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई कर एक ही दिन में पट्टा उनके हाथ में सौंपा। पत्र पाते ही उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी।

पेंशन से मिली जीवन की गारंटी :-ग्राम पंचायत दौपुरा की मछला देवी ने शिविर में वृद्धावस्था पेंशन की समस्या रखी। उनके परिवार की दयनीय स्थिति जानकर शिविर अधिकारियों ने तुरंत उनकी पेंशन स्वीकृत कर दी। उन्होंने कहा कि अब हर माह मिलने वाली राशि से उनका परिवार सहजता से चल सकेगा।

किसानों के लिए सुरक्षा कवच बनी फसल बीमा योजना :-गौलारी निवासी किसान हाकिम पुत्र किशन गुर्जर को कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाया। उन्हें मौके पर ही फसल बीमा पॉलिसी दी गई। हाकिम ने कहा कि यह योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच है, जिससे अचानक आने वाली विपदा में सहारा मिलेगा।

खाता विभाजन से मिटा वर्षों पुराना विवाद :-ग्राम झण्डेकापुरा में उर्मिला, विद्याराम, निरोती, माया, रामबेटी, रामअवतार और सोमोती सहित सात खातेदारों का वर्षों से लंबित खाता विभाजन शिविर में ही निस्तारित कर दिया गया। मौके पर कागज़ात तैयार होने और विवाद खत्म होने पर सभी लाभार्थियों के चेहरे पर संतोष और कृतज्ञता झलक उठी।

25 साल पुरानी गलती का निस्तारण :-ग्राम देवखेड़ा के पंकज पुत्र पूरन सिंह के रिकॉर्ड में जाति ग़लत दर्ज थी। ग्रामीण सेवा शिविर में ही राजस्व टीम ने इसे सुधारकर उन्हें सही प्रमाण पत्र सौंप दिया। त्वरित कार्रवाई से उनकी 25 वर्ष पुरानी समस्या मिट गई और उन्होंने खुशी जताते हुए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

सरकार की संवेदनशील पहल :-धौलपुर जिले के ये उदाहरण बताते हैं कि ग्रामीण सेवा शिविर केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं का वास्तविक समाधान हैं। पशु बीमा से लेकर फसल बीमा, पेंशन से लेकर पट्टे और नाम शुद्धि तककृहर वर्ग के लोग इन शिविरों से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल और प्रशासन की तत्परता से ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के जीवन में विश्वास, राहत और नई उम्मीद जगाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

राजकुमार मीणा, सहायक निदेशक, ईशा सैनी, एपीआरओ

''गिवअप अभियान'' में भीलवाड़ा जिला राज्य में प्रथम स्थान पर रहा

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं खाद्य मंत्री के कुशल निर्देशन में गिवअप योजना में राज्य के साथ कदम मिलाकर भीलवाड़ा जिले ने भी गिवअप योजना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जहां एक ओर प्रदेश में 33.38 लाख लोगों ने एनएफएसए की योजना के लाभ का त्याग किया वहीं दूसरी ओर जिले में 170753 लोगों ने गिवअप कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गिवअप अभियान राज्य में सामाजिक न्याय, खाद्य सुरक्षा सूची शुद्धिकरण, स्वैच्छिक त्याग की भावना व निर्धन सेवा का पर्याय बन गया है। गिवअप अभियान की ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए इसकी अवधि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना के तहत चार पहिया वाहन मालिकों, आयकरदाताओं, एक लाख से अधिक वार्षिक आय वाले लोगों एवं अन्य सम्पन्न वर्ग के लोगों ने स्वेच्छा से एनएफएसए योजना के लाभ का त्याग कर समाज के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। राज्य सरकार ने यह घोषणा की है कि अन्तिम तिथि 31.10.2025 के बाद सम्पन्न किन्तु अपात्र लाभार्थियों के विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम गेंहू की दर से वसूली की जायेगी।

जिला रसद अधिकारी अमरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि जिले में जहां एक ओर गिवअप योजना एवं ई-केवाईसी योजना के तहत कुल 246755 लोगों को एनएफएसए योजना से हटाने में सफलता मिली है। वहीं दूसरी ओर जिले में 220789 लोगों को एनएफएसए योजना में शामिल कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ा जाकर उनकी आर्थिक स्थिति को सम्बल बनाया जा रहा है। इन नये लाभार्थियों को प्रतिमाह 05 किलोग्राम प्रति यूनिट निःशुल्क गेहूँ के साथ-साथ मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत 450 रूपये में प्रति परिवार प्रति वर्ष 12 घरेलू गैस सिलेण्डर, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में परिवार का निःशुल्क पंजीकरण एवं 25 लाख रूपये तक निःशुल्क ईलाज तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में परिवार का 10 लाख रूपये तक निःशुल्क दुर्घटना बीमा का लाभ भी मिल सकेगा। जिले में 246755 लोगों के एनएफएसए योजना के हटने पर प्रतिमाह 3.77 करोड़ रूपये की प्रतिमाह सब्सिडी की बचत होगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 57 प्रभात जयपुर, शनिवार 27 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

My Butterfly Raising Days

And one thing that every butterfly newbie should know is that Monarch caterpillars eat milkweed leaves, which I taught myself to identify within a day

The Name Of Man

The Father Of Haute Couture

Emile Pingat: The Forgotten Master of 19th-Century Elegance

ट्रंप ने दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया, एक अक्टूबर से लागू होगा

ट्रंप के इस फैसले से भारतीय फार्मा उद्योग प्रभावित होंगे, जिनका 45 प्रतिशत बिज़नैस अमेरिका के साथ है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को घोषणा की कि 1 अक्टूबर 2025 से ब्रांडेड और पेटेंट दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ (शुल्क) लगाया जाएगा। भारत की फार्मास्यूटिकल्स (दवा) इंडस्ट्री, जो अमेरिका के साथ व्यापार पर अत्यधिक निर्भर है, इस फैसले से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

ट्रंप ने "ट्रुथ सोशल' पर कहा, "1 अक्टूबर 2025 से, हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल उत्पाद पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जब तक कि संबंधित कंपनी अमेरिका में अपनी फार्मा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का निर्माण नहीं कर रही हो।

- ट्रंप ने घोषणा की है कि इस टैरिफ वृद्धि से उन फार्मा कंपनियों को राहत मिलेगी, जो अमेरिका में ही मैन्युफैक्चरिंग केन्द्र बनाने की तैयारी कर रही हैं।
- अमेरिका, भारत के फार्मा उद्योग का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल फार्मा एक्सपोर्ट का 31 प्रतिशत अमेरिका को हुआ था और इस वर्ष 2025 की पहली छमाही में ही 3.7 अरब डॉलर का फार्मा निर्यात हो चुका है।
- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस फैसले की जानकारी दी, साथ ही किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटीज़ और फर्नीचर पर भी टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की।
- ट्रंप टैरिफ वृद्धि का कोई वैध कारण नहीं बता सके, पर उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा के लिए टैक्स वृद्धि जरुरी है।

ट्रंप की यह पोस्ट स्पष्ट करती है कि अगस्त में शुरु किए गए ट्रेड फ्रेमवर्क्स और आयात करों के बावजूद उनकी टैरिफ नीति जारी है। उनका मानना है कि इन टैक्सों से सरकार का बजट घाटा कम होगा और घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे स्पष्ट किया: "इज़ बिल्डिंग" की परिभाषा होगी, निर्माण कार्य शुरू करना या निर्माणाधीन होना। यदि निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है, तो ऐसे फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर टैरिफ नहीं लगेगा। इस विषय पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

ट्रंप की इस टैरिफ नीति के तहत अन्य उत्पादों पर भी शुल्क लगाया गया है, जैसे किचन कैबिनेट्स और बाथरूम वैनिटीज़ पर 50 प्रतिशत शुल्क, तैयार फर्नीचर पर 30 प्रतिशत, भारी ट्रकों पर 25 प्रतिशत शुल्क, हालांकि ट्रंप ने इन टैरिफों के लिए कोई कानूनी आधार नहीं बताया, उन्होंने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कहा कि ये टैक्स "राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों" से आवश्यक हैं।

अमेरिका भारत के फार्मास्यूटिकल उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल 27.9 बिलियन (लगभग 2.47 लाख करोड़) मूल्य के दवा निर्यात में से 31 प्रतिशत या 8.7 बिलियन डॉलर (77,138 करोड़) अमेरिका को भेजे गए थे। वहीं 2025 के पहले 6 महीनों में ही भारत ने अमेरिका को 3.7 बिलियन डॉलर (32,505 करोड़) के फार्मा उत्पाद भेजे हैं

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका में उपयोग होने वाली 45 प्रतिशत से अधिक जैनरिक और 15 प्रतिशत बायोसिमिलर दवाएं भारत से भेजी जाती हैं। रेड्डीज़, ऑरबिंदो फार्मा, ज़ायडस लाइफसाइंसेज, सन फार्मा और ग्लैंड फार्मा जैसी कंपनियां अपनी कुल आय का 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत अमेरिकी बाजार से कमाती हैं। हालांकि नई अमेरिकी टैरिफ नीति मुख्यतः बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बनाए गए ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं को लक्ष्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस एस.पी. शर्मा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने

जयपुर, 26 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में कहा गया कि 27 सितंबर को मौजूदा सीजे केआर

- जस्टिस शर्मा का रिटायरमैंट 26 सितंबर 2026 को होगा।

श्रीराम के सेवानिवृत्त होने के कारण जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

जस्टिस एसपी शर्मा का जन्म 27 सितंबर, 1964 को हुआ था। एलएलबी करने के बाद उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट में वकालत करना आरंभ किया। उन्हें 16 नवंबर, 2016 को हाईकोर्ट में वकील कोटे से न्यायाधीश नियुक्त किया गया। इसके बाद जनवरी, 2022 में पटना हाईकोर्ट में उनका तबादला किया गया। जहां से इन्हें पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट भेजा गया। इसके बाद गत 14 जुलाई को राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दशकों से अमेरिका आयातित "ड्रग्स" पर निर्भर है

इस निर्भरता का रातों-रात अमेरिका में प्रोडक्शन नहीं विकसित किया जा सकता

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। जैसा कि पहले से चेतावनी दे रहे थे, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने कुछ चुनिंदा उत्पादों पर नया टैरिफ (आयात शुल्क) लगा दिया है। इस बार के टैरिफ पहले के मुकाबले अलग हैं, क्योंकि ये खास उद्योगों पर केन्द्रित हैं।

ट्रम्प ने दवाओं, ट्रकों, किचन कैबिनेट्स और फ़र्नीचर पर टैरिफ लगाया है। इनमें से दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका हो सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को दवाओं का प्रमुख निर्यातक है। यह कदम अमेरिका के लिए भी उल्टा पड़ सकता है, क्योंकि टैरिफ के कारण दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

उद्योग संघों और व्यापार संगठनों को डर है कि एक अक्टूबर से लागू होने वाले इन नए टैरिफ के कारण मरीजों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका लंबे समय से दवाओं और अन्य मैडिकल केयर उत्पादों के आयात पर निर्भर रहा है। अब रातों-रात घरेलू उत्पादन इनकी जगह नहीं ले सकते।

ट्रम्प ने नए टैरिफ को भविष्य की निवेश योजनाओं से जोड़कर तय किया है। जो कंपनियाँ अमेरिका में बड़े निवेश की योजना बनाएँगी, उन्हें कम या बिल्कुल टैरिफ नहीं देना पड़ेगा। इन निर्णय का सीधा मकसद कंपनियों को अपने पुराने देशों से निकलकर अमेरिका में आकर निवेश करने के लिए लुभाने का प्रयास है

- इसीलिए, ट्रंप द्वारा फार्मास्युटिकल्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा में कई "रास्ते" (लूप होल्स) छोड़े गये हैं। उदाहरण के लिए, जो फार्मास्युटिकल कंपनी अमेरिका में अपनी "प्रोडक्शन यूनिट" लगाने का प्रस्ताव रखती है, उन पर टैरिफ कम लगेगा।
- साथ ही, 100 प्रतिशत टैरिफ सभी "जैनरिक दवाइयों" (मूल दवा) पर नहीं लगेगा, बल्कि फार्मास्युटिकल कंपनी के "पेटेन्टैड प्रोडक्ट्स" पर ही लगेगा।
- विदेशी कंपनियों को अमेरिका में प्रोडक्ट्स की सुविधा लगाने की नीति का यूरोप व इंगलैंड पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। उदाहरण के लिए, जानी मानी ड्रग्स कंपनी ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन बीचम सालों से इंगलैंड में जमी हुई थी, पर वह अपना एक्सपैंशन इंगलैंड में नहीं, बल्कि अमेरिका में शिफ्ट कर रही है।
- इसी प्रकार किचन कैबिनेट आदि फर्नीचर के पुराने व प्रतिष्ठित निर्माता, स्वीडन की कंपनियों को भारी नुकसान की आशंका है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए बड़ा, शायद सबसे बड़ा ग्राहक है।

पूर्व में ऐसे तरीकों को प्रमुख पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएँ, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, अनुचित और अस्वीकार्य मानती थीं। अब वही अमेरिका इस तरह की भेदभावपूर्ण नीतियों को खुले तौर पर अपना रहा है।

दवाओं पर यह टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाएँ और ऐसा कच्चा माल भी भेजता है, जिससे अन्य दवाएँ तैयार होती हैं।

हालाँकि थोड़ी राहत यह है कि टैरिफ का दायरा कुछ सीमित रखा गया है। यह टैरिफ विशुद्ध रूप से जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे माल पर लागू नहीं है। इससे मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों की ब्रांडेड दवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। अमेरिका में दवा कंपनियों द्वारा प्रस्तावित निवेश के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रॉनल्ड रीगन के फॉर्मूले को दोहरा रहे हैं मोदी

पूर्व राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने सेल्स टैक्स में भारी कटौती कर जनता को काफी रकम उपलब्ध कराई, खर्चा करने के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। सरकार यह दिखाना चाहती है कि वह जनता के हित में काम कर रही है और लाभ लोगों को दे रही है। यही सरकार पहले ही आयकर में 12 लाख रुपये सालाना तक की छूट देकर जनता को बड़ा तोहफ़ा दे चुकी है। इन दोनों रियायतें को मिलाकर लोगों के हाथों में लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये बचेंगे और यह लाभ त्योहार के इस सीज़न में उनकी खरीददारी की क्षमता बढ़ाएगा। यह कोई नया आर्थिक प्रयोग नहीं, बल्कि जानी मानी आर्थिक रणनीति है, जिसे पहले भी कई बार आज़माया जा चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने बड़े पैमाने पर टैक्स कटौती की थी और उम्मीद की थी कि लोगों के हाथ में ज़्यादा पैसा रहने से मांग बढ़ेगी और पूरी अर्थव्यवस्था में निवेश व उत्पादन का चक्र तेज़ होगा। यह प्रयोग अमेरिका में सफल रहा और मांग, उत्पादन और निवेश का सकारात्मक चक्र बना।

- इससे उस समय अमेरिका में "डिमांड" में भारी वृद्धि हुई, जिससे प्रोडक्शन बढ़ा और इन्वैस्टमैंट बढ़ा इण्डस्ट्री में।
- मोदी ने भी 12 लाख करोड़ रूपए की आय को इनकम टैक्स फ्री करके जनता के हाथ में पैसा दिया तथा जीएसटी भी कम किया, जिससे रोजमर्रा के काम आने वाली चीजों की कीमत भी काफी घटी।
- इसके साथ, अमेरिका द्वारा खड़ी की गई टैरिफ की दीवार के कारण, अमेरिका के मार्केट के लिए बनी वस्तुएं आगे नहीं खिसक रही थीं तथा कारखानों के गोदामों में फिनिश्ड गुड्स भरे हुए थे। अतः कंपनियों को भारी मदद मिली, अपने रूके हुए सामान से भारत के डॉमेस्टिक बाज़ार की "डिमांड" पूरी करने में।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनमोहन सिंह के नाम पर कांग्रेस मुख्यालय में पुस्तकालय खुला

नयी दिल्ली, 26 सितबर। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर अनुसंधान केन्द्र और पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इसका नाम डॉ. मनमोहन सिंह अनुसंधान केन्द्र और पुस्तकालय रखा गया है। यह केन्द्र कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में स्थापित किया गया है। इस केन्द्र पर डॉ. सिंह की पुस्तकें, उनके लेख और भाषणों के संकलन रखे गये हैं।

- सोनिया गांधी और खड़गे ने अनुसंधान केन्द्र व पुस्तकालय का उद्घाटन किया।

इस मौके पर डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान ने फिर दोहराया, ट्रंप ने रूकवाया था भारत-पाक युद्ध

पाक प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की अमेरिका यात्रा पर जारी अधिकृत बयान में पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे का समर्थन किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या पाकिस्तान ने यह स्वीकार कर लिया है कि अमेरिका ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के साथ संघर्षविराम सुनिश्चित करने में उसकी मदद की थी? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत के विवरण से संकेत मिलता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने संघर्षविराम शुरू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत ने कई बार इन दावों का खंडन किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उस संघर्षविराम में कोई भूमिका निभाई थी, जो अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे) के बाद, पाकिस्तान में आतंकी और सैन्य ढांचे पर की गई एयरस्ट्राइक्स के बाद लागू हुआ था।

- पाकिस्तानी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत-पाक सीज़फायर करवाने के लिए ट्रंप के साहसिक व निर्णायक नेतृत्व की प्रशंसा की। यह बात एक तरह से पाकिस्तान की स्वीकारोक्ति है कि ट्रंप ने सीज़फायर करवाया था।
- हालांकि, भारत ने बार-बार कहा है कि सीज़फायर में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं है। भारत ने कहा कि 22 अप्रैल (पहलगाम) अटैक से लेकर 17 जून (सीज़फायर घोषणा) तक ट्रंप और मोदी के बीच फोन पर कोई बात नहीं हुई थी।

लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी पाकिस्तान के नेताओं की तरह ही दावा किया है कि वे भी एक कारण रहे थे, जिसकी वजह से दोनों परमाणु-शक्ति संपन्न पड़ोसी देश संघर्षविराम पर सहमत हुए और तनाव को बढ़ने से रोका गया। पाकिस्तानी बयान में कहा गया: "प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज़ शरीफ़ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने आज ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान-भारत संघर्षविराम को सुविधाजनक बनाने में राष्ट्रपति ट्रंप के साहसिक, निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की और गाज़ा में संघर्ष को तुरंत समाप्त करने तथा मध्य पूर्व में शांति बहाल करने के प्रयासों के तहत, मुस्लिम जगत के प्रमुख नेताओं को आमंत्रित करने की उनकी पहल की प्रशंसा की।"

बयान में आगे कहा गया: "नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश को आमंत्रित किया और सुरक्षा तथा खुफिया सहयोग को और बढ़ाने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस सौमेन सेन मेघायलय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली, 26 सितबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

- वे वर्तमान में कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश हैं।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी गई।

अधिसूचना में कहा गया है, "राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।"

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपना काम काज "ऑफिस सुईट ज़ोहो" पर शिफ्ट किया

जैसा कि विदित ही है, ज़ोहो कॉर्पोरेशन एक भारतीय बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिक है, जो कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और वैब आधारित बिज़नेस सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स बनाती है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह अपील कि भारतीय लोग "स्वदेशी टैक" को अपनाएँ, तकनीक में आत्मनिर्भरता की बहस को दोबारा तेज कर रही है। आत्मनिर्भर भारत की बड़ी सोच के हिस्से के रूप में पेश की गई यह पहल विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करने और भारत को नवाचार का वैश्विक केन्द्र बनाने का लक्ष्य रखती है।

स्वदेशी टैक का यह प्रयोग पूरे देश में एक जन आंदोलन बनेगा या सिर्फ प्रतीकात्मक कदम रह जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि चुनौतियों को कितनी जल्दी और प्रभावी ढंग से निपटाया जाता है। केवल नीतिगत मदद, नवाचार और बाज़ार में स्वीकार्यता का मेल ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि स्वदेशी टैक भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का ठोस आधार बने।

सरकार ने इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नीतिगत कदमों के साथ प्रतीकात्मक काम भी किए हैं। केन्द्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का भारतीय ऑफिस सॉफ़्टवेयर सूट ज़ोहो का उपयोग शुरु करना घरेलू विकल्पों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण मिसाल है। अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ की राष्ट्रीय मुहिम मोदी की अपील को जन आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है। इसी बीच, मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसी योजनाएँ स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को घरेलू तकनीकी समाधान विकसित करने और बढ़ाने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन और इन्फ्रस्ट्रक्चर सम्बंधी मदद दे रही हैं।

भारत के पास स्वदेशी टैक के सपने को पूरा करने की मजबूत नींव मौजूद है।

- भारत सरकार की विदेशी, अमेरिकी आदि कंपनियों पर निर्भरता कम करने की दृष्टि से "स्वदेशी टैक्नॉलजी को देश में पनपाने की मुहिम ही शायद एक रास्ता है, विदेशी सरकारों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के चंगुल से मुक्त होने का।
- पर, इस मुहिम की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि भारत की जनता इन स्वदेशी टैक्नॉलजी वाली कंपनियों के प्रोडक्ट्स को कितनी जल्दी और तत्परता से अपनाती है।
- "स्वदेशी टैक" को भी जनता तभी स्वीकार करेगी, जब ये प्रोडक्ट्स, विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुकाबले कमज़ोर साबित न हों।
- ऐसे प्रोडक्ट बनाने के लिए, लगातार आर. एण्ड डी. पर भारी खर्च करना होगा तथा भारतीय कामगारों में "स्किल" (हुनर) भी किसी अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में पोचा न पड़े तथा सरकार की नीतियों का पूर्ण सहयोग व प्रोत्साहन मिले इस "स्वदेशी टैक" को।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहुल की याचिका खारिज की

प्रयागराज, 26 सितंबर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सिख समुदाय से जुड़े विवादित बयान को लेकर दायर निगरानी याचिका के खिलाफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायाधीश समीर जैन की अदालत ने इस मामले में सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद तीन सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था, जिस पर

- राहुल गांधी ने सिख सम्बंधी विवादित बयान पर एमपी-एमएलए कोर्ट में निगरानी याचिका स्वीकार किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

बांगडवा अध्यक्ष नियुक्त

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत काचरोदा के बड़ की ढाणी स्थित श्याम सिटी कॉलोनी में मासिक मीटिंग का आयोजन समिति अध्यक्ष मदन लाल कुमावत की अध्यक्षता में बालाजी मंदिर परिसर पर आयोजित हुई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष के कार्यकाल को पूर्ण होने पर श्रीबालाजी सेवा समिति के सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष पद पर हरीराम बांगड़वा को नियुक्त किया है। साथ ही कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर अशोक कुमार मौर्य,हरीश वर्मा,सचिव कानाराम प्रजापति,ओर कोषाध्यक्ष गोविंदराम प्रजापत को नियुक्त किया है।इस मौके पर नवनियुक्त पदाधिकारियों को कार्यकारिणी के सदस्यों ने बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर स्वरूप कंवर,शेडूराम कुमावत, रामगोपाल नायक,तेजपाल चौधरी,जुगल किशोर प्रजापत,सुखाराम जाट,कमलेश मंडावरिया,कालूराम वर्मा,अंकित वर्मा,प्रभुदयाल कुमावत सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

शैक्षिक सम्मेलन आयोजित

पावटा । राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) द्वारा प्रागपुरा में जिला कोटपुतली बहरोड जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का आयोजन प्रदेश प्रवक्ता व विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ के मुख्य आतिथ्य व खाद बीज निगम निदेशक जगदीश यादव की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। तत्पश्चात ब्लॉक व जिला कार्यकारिणी सदस्यों ने अतिथियों का माला में साफा पहनकर भव्य स्वागत किया। सम्मेलन के दौरान शिक्षकों की शिक्षण कार्य में बाधा बन रही विभिन्न समस्याओं व शैक्षिक नवाचारों पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। वहीं शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि कैसे हो, शिक्षण कार्य प्रभावी कैसे हो इन बिंदुओं पर चर्चा की गई। गंगाराम नोगिया द्वारा शिक्षकों के कर्तव्य, भूमिका, गरिमा, बच्चों के भविष्य निर्माण व उनके सर्वांगीण विकास हेतु आव्हान किया। वही शिक्षक संघ अम्बेडकर ने राजस्थान सरकार से अपनी मांगों का मांग पत्र विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड को सौंपा। विधायक कुलदीप धनकड़ ने राजस्थान सरकार द्वारा शिक्षक संघ एवं उनकी वाजिब मांगों के लिए सदैव तत्परता के साथ काम करने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष श्रीराम लहरका द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रदेश महामंत्री गोकुल राम मीणा द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। ब्लॉक अध्यक्ष पावटा सुभाष चंद मीणा संयोजक रहे। कवि महावीर प्रसाद शर्मा पावटा द्वारा मंच संचालन किया गया।

ट्रांसफॉर्मर धूं-धूं कर जला

पावटा। कस्बा पावटा के टसकोला रोड पर सनराइज स्कूल के पास शुक्रवार शाम को एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे लगे बिजली के खंभों को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बिजली के दो खंभे और उन पर लगा ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया व धूं धूं कर जल उठा। घटना की आवाज इतनी तेज थी कि, आसपास के लोग अपने घरों व दुकानों से बाहर आ गए। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक वाहन चालक मौके से फरार हो चुका था। बिजली के तार जमीन पर गिरे, पर बडा हादसा टला गया।

संभागीय आयुक्त पूनम ने जांची ग्रामीण व शहरी सेवा शिविरों की व्यवस्थाएं

कोटपूतली-बहरोड । जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम शुक्रवार को जिले के दौरे पर रहीं । इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत भाबरू में ग्रामीण सेवा शिविर और प्रागपुरा में आयोजित शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण किया तथा कार्मिकों को राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सेवा की भावना से कार्य करते हुए आमजन को त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी और एडीएम ओमप्रकाश सहारण भी मौजूद रहे।

जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम शुक्रवार को ग्राम पंचायत भाबरू में ग्रामीण सेवा शिविर और प्रागपुरा में आयोजित शहरी सेवा शिविरों का निरीक्षण किया ।

- **सरकार की मंशानुरूप संवेदनशील और सजग होकर आमजन को त्वरित राहत प्रदान करें : संभागीय आयुक्त**

आयुक्त ने विभागीय स्टोलवार निरीक्षण कर प्रगति एवं दी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि ये शिविर आमजन की उम्मीदों को पूरा करने का माध्यम हैं, ऐसे में विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी आमजन को सभी जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित करें। शिविरों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से लेकर उसका प्राथमिकता से निस्तारण करें। संभागीय आयुक्त ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन को विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हो। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे शिविरों में पहुंचें, अपनी समस्याओं का समाधान करवाएँ तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हों । इस अवसर पर उन्होंने संधारित रजिस्टरों एवं दस्तावेजों की जांच की तथा लाभार्थियों से संवाद कर फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को लंबित नामांतरण, रास्ते से संबंधित प्रकरण, सहमति विभाजन, गिरदावरी एवं अन्य लंबित राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को पेंशन वेरिफिकेशन शत-प्रतिशत पूर्ण कराने, खाद्य सुरक्षा विभाग को एनएफएसए के तहत पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने, आयुर्वेद विभाग को आयुर्वेद के लाभों के प्रति आमजन को जागरूक करने तथा कृषि अधिकारियों को हाइब्रिड बीजों के लाभों की जानकारी कृषकों को देने के निर्देश दिए।

ढोल-गरबा की थाप पर थिरके लोग

दौसा। रोटरी क्लब के तत्वावधान में स्थानीय श्याम सरोवर में डांडिया नाइट का आयोजन किया गया, जिसमें क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने रंगारंग प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद सभापति सभापति कल्पना जैमन, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 की गवर्नर प्रज्ञा मेहता, असिस्टेंट गवर्नर शिवशंकर सोनी, भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला एवं सीईओ रवि प्रकाश शर्मा ने संयुक्त रूप मॉ अम्बे की प्रतीमा के समक्ष दीपप्रज्ज्वलित कर किया। आयोजन में एक हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया और पूरे उत्साह के साथ गरबा एवं डांडिया नृत्य का आनंद लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों के सामूहिक नृत्य ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। गुजराती गीतों के साथ-साथ युवाओं ने फिल्मी गीतों पर भी जमकर थिरककर कार्यक्रम को और भी मनोरंजक बना दिया।

शबरी प्रसंग व श्रीराम-हनुमान मिलन का मंचन

पावट । आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वाधान में रामलीला मैदान में शबरी प्रसंग श्रीराम-हनुमान मिलन, सुठाीव मित्रता, बालि वध, सुठाीव राज तिलक, सीता खोज व लंका दहन लीला का मंचन हुआ। प्रभु राम लक्ष्मण शबरी से मिले जहां शबरी ने वानर राज सुठाीव का पता बताया। वही प्रभु राम लक्ष्मण

भक्त हनुमान से मिले। हनुमान ने उन्हें वानर राज सुठाीव से मिलवाया और अग्नि के समक्ष प्रभु राम और सुठाीव की मित्रता कराई। सुठाीव की व्यथा सुन प्रभु राम ने सुठाीव को बालि से युद्ध के लिए भेजा। बालि और सुठाीव में भयंकर युद्ध होने लगा।

प्रभु राम दोनों भाइयों की शक्ल सूरत देखकर अचंभित हो उठे। तब सुठाीव पराजित हो प्रभु के पास पहुंचे। प्रभु ने सुठाीव के गले में पुष्पहार डाल कर पुनः उन्हें युद्ध के लिए भेजा। पुनः दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। बालि के प्राणांत होने के पश्चात लक्ष्मण ने सुठाीव का राजतिलक किया। उसके पश्चात सुठाीव सभी वानर दलों को सीता खोज हेतु सभी दिशाओं में भेजते हैं। हनुमान की पूंछ में आग लगते ही हनुमान ने सारी लंका का दहन कर दिया। सभी भक्तगण भक्त हनुमान की जय जयकार करने लगे और भाव विभोर हो उठे। मेला परिसर में भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। लीला मंचन को देख परिसर में जय श्रीराम व जय हनुमान के नारे से गूंज उठा। इस मंचन के दौरान राम लक्की, लक्ष्मण शुभम, शबरी महेश पारीक, सुठाीव दीपक भारद्वाज, हनुमान रामशरण, बाली विकास पुजारी, अंगद टुन्नु, बोहरा, नल- नील बिहारी, युवराज, जामवंत लक्ष्य सहित कलाकारों ने अपना किरदार बखूबी निभाया। इस अवसर पर आदर्श रामलीला मंडल व्यास व अध्यक्ष योगेश शर्मा, निदेशक मोहन गौड, संरक्षक सुभाष गोयल, वीरेंद्र बंसल, वरिष्ठ कार्यकर्ता उमेश टांक, सुरेश शर्मा, अमरनाथ पटेल, महेश पारिक, सचिव चेतन जोशी, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, ललित शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र गौड, रामशरण बोहरा, सोनू अठावाल, सांवरमल बोहरा, दीपक पटेल, सहित रामलीला के समस्त पदाधिकारी एवं कलाकार सहित बड़ी संख्या में शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र से लोग मौजूद रहे।

अजय अग्रवाल निर्विरोध अध्यक्ष बने

अलवर। कृषि उपज मंडी में स्थित शिव मंदिर मैं श्री सार्वजनिक गौशाला स्टेशन रोड की वार्षिक सभा आयोजित की गई जिसमें गौशाला के वर्ष (2025-27) दी वार्षिक चुनाव संपन्न हुए सबसे पहले चुनाव अधिकारी गजानन गुप्ता जी का निर्विरोध चयन किया गया चुनाव अधिकारी ने सभी मौजूद सदस्यों से गौशाला के अध्यक्ष पद के लिए नाम मांगे जिसमें सर्वसम्मति से अजय अग्रवाल को गौशाला का अध्यक्ष चुना गया श्री अजय अग्रवाल जी को लगातार 28 वे वर्ष निर्विरोध चुना गया जो की राजस्थान में एक रिकॉर्ड है मुख्य सचिव के पद पर गौशाला में कार्यरत कोषाध्यक्ष श्री राकेश जैन जी को भी निर्विरोध चुना गया राकेश जैन पहली बार सचिव पद का कार्यभार संभालेंगे । अजय अग्रवाल लगातार 28वीं बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए हैं। गौशाला की स्थापना 1904 में हुई थी और यह भारत की सबसे प्राचीन गौशालाओं में से एक है।

सार-समाचार

भाजपा के तीन स्तंभ एक साथ

मनोहरपुर । कस्बे के खोरा रोड स्थित सुप्रीम गैस एजेंसी में जिला प्रभारी व जिला अध्यक्ष और जिला महामंत्री का भव्य सम्मान किया गया। जानकारी अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जयपुर उत्तर जिले के शीर्ष नेतृत्व ने गुरुवार को मनोहरपुर स्थित सुप्रीम गैस एजेंसी का दौरा किया। इस दौरान पार्टी के तीनों मुख्य चेहरे एक साथ नजर आए, जिसे राजनीतिक हलकों में एक अहम घटना के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम में सुरेश सैनी (जिला अध्यक्ष, भाजपा जयपुर उत्तर), सतवीर यादव (जिला प्रभारी, भाजपा जयपुर उत्तर) और हेमंत कुमार निर्मल (जिला महामंत्री, भाजपा जयपुर उत्तर) की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ा दिया। इन तीनों का एक साथ दिखना पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उत्साहवर्धक रहा। मनोहरपुर इलाके की चर्चित सुप्रीम गैस एजेंसी इस दौरान जनसंपर्क का प्रमुख केंद्र बन गई। एजेंसी के प्रबंधक इन्द्र और अमित ने नेताओं का स्वागत किया। नेताओं ने एजेंसी के कार्यों की सराहना की और साथ ही उपभोक्ताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान सुरेश सैनी ने कहा, ''हमारा उद्देश्य जनता की सेवा करना और उनकी समस्याओं का निस्तारण करना है। ऐसे सीधे संवाद से जमीनी हकीकत का पता चलता है।'' वही सतवीर यादव ने कहा, ''पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता और नागरिक के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।'' हेमंत कुमार निर्मल ने कहा, ''जयपुर उत्तर में भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।''

शिविरों में समस्याओं का निस्तारण

टोंक। मुख्यमंत्री के निर्देशन में जिलेभर में चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों में आमजन को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हाथों हाथ मिल रहा है। साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान भी किया जा रहा है। शिविरों में आने वाले लोगों के काम तेजी से होने से आमजन के चेहरे पर खुशी नजर आ रही है। ग्राम नानेर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर कैम्प के दौरान प्रार्थी शिवराज माली ने राज्य सरकार की फ्लैगशीप योजना मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत बीमा के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। वही ग्रामीण सेवा शिविर में पशुओं के बीमा पॉलिसी की गई। परिवादी शिवराज और रामलाल को पशुओं की अकस्मात मृत्यु होने की चिन्ता एवं आर्थिक भार से मुक्ति मिल गई है, उन्होंने पशुपालन विभाग एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए शिविर में दिये जा रहे लाभ की सराहना की। उपखंड टोंक ग्राम मण्डावर में आयोजित शिविर में 30 वर्ष पुराने समस्या से परेशान देवकरण पुत्र लालूराम गुर्जर के आंखो में आंसू आ गए, शिविर में आए देवकरण ने बताया कि उसका नाम सरकारी रिकार्ड में 30 वर्ष पूर्व गलत दर्ज हो गया था। इसलिए वह परेशान रहता था। शिविर में उसने तहसीलदार मानवेन्द्र जायसवाल एवं नायब तहसीलदार पूजा अटल को अपनी पीड़ा बताई दोनों अधिकारियों ने उसकी पीड़ा को समझते हुए भू अभिलेख निरीक्षक ललिता साहू व पटवारी भगवान सहाय गुर्जर को सरकारी रिकार्ड को जांचकर परिवादी का नाम शुद्ध करने के निर्देश दिए। नाम शुद्ध होने पर देवकरण ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। विकास अधिकारी शंकर लाल मेघवाल ने बताया कि शिविर में पंचायतीराज विभाग द्वारा 10 पट्टें, सामाजिक सुरक्षा पेंषन 09 व्यक्तियों को, कृषि विभाग द्वारा 282 कृषकों को मिनी किट, तथा 5 व्यक्तियों को प्रधानमंत्री फसल बीमा पॉलिसी एवं चिकित्सा विभाग द्वारा 4 निक्षय मित्रों को खाद्य सामग्री सौंपी गई।

रात्रि जागरण का आयोजन

टोंक । अन्नपूर्णा गणेश मंदिर प्रन्यास समिति के तत्वाधान में गणेश विदाई कार्यक्रम के अंतर्गत समिति के संरक्षक मठाधीश महंत कैलाशपुरी के सानिध्य में गुरुवार को रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान समिति अध्यक्ष महेंद्र कुमार बैरवा, उपाध्यक्ष विजय तसेरा एवं प्रवक्ता प्रेम रघुवंशी ने बताया कि रात्रि जागरण का शुभारंभ भगवान गणेश की मंदिर के प्रमुख पुजारी दीपक पुरी एवं पंडित ओम बाबा के सानिध्य में पूजा अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर भजन मंडली के गायक कलाकारों भव्य प्रस्तुति देकर वातावरण भक्तिमय कर दिए जाने पर श्रोतागण नाचने पर मजबूर हो गए। वही शुक्रवार को मंदिर परिसर में सायंकाल भक्तगणों को प्रसाद वितरण किया गया।

शिविर 29 सितम्बर को

दौसा । प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत वर्तमान निष्क्रिय खातों का पुनः सत्यापन करने एवं नए खाते खोलने के लिए 29 सितम्बर को ठााम पंचायत गुढलिया (बांदीकुई), काबलेश्वर (दौसा), लालपुरा (लालसोट), खेडला गढाली (महवा), सरुंदला (सिकंदरा) एवं पांचोली (सिकराय) के अटल सेवा केन्द्रों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप चौहान ने बताया कि वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के सशक्त क्रियान्वयन के लिए 1 जुलाई से 30 सितम्बर तक एक देशव्यापी अभियान ठााम पंचायत स्तर पर संचालित किया जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत वर्तमान निष्क्रिय खातों का पुनः सत्यापन करने एवं नए खाते खोलने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के अंतर्गत अधिकाधिक नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा जिनका क्रियान्वयन जिला अठाणी बैंक प्रबंधक द्वारा किया जा रहा है। 29 सितम्बर को ठााम पंचायत गुढलिया (बांदीकुई), काबलेश्वर (दौसा), लालपुरा (लालसोट), खेड़ला गढ़ाली (महवा), सरुंदला (सिकंदरा) एवं पांचोली (सिकराय) के अटल सेवा केन्द्रों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में बैंक ऑफ बडौदा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं राजस्थान ठाामीण बैंक के कार्मिक तथा बैंक के बीसी उपस्थित रहेंगे। आमजन अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

विराटनगर में वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान शुरु

- **वोट चोर गद्दी छोड हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व में किया**

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के विराटनगर स्थित निजी गार्डन में विराटनगर व पावटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की ओर से वोट चोर गद्दी छोड हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में कडी संख्या में कांठोस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूर्व विधायक गुर्जर ने अपने संबोधन में कहा कि हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा देश में हो रही वोट चोरी का बड़ा खुलासा किया गया है। इससे स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग की नाक के नीचे लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और आम मतदाता के अधिकारों का खुला हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सर्वोपरि है। कांठोस हमेशा चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए संघर्षरत रही है और आगे भी रहेगी। केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए गुर्जर ने आरोप लगाया कि भाजपा ने जनता को गुमराह करके सत्ता हासिल की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सेना के पराक्रम का राजनीतिक लाभ उठाया और 400 पार के नारे के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश की। गुर्जर ने यह भी आरोप लगाया कि जयपुर ठाामीण लोकसभा चुनाव सहित देशभर की करीब सौ लोकसभा सीटें वोट चोरी कर जीती गई हैं। गुर्जर ने साफ़ कहा कि कांठोस इस जनविरोधी कृत्य के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी। भाजपा के राज में आमजन परेशान है। किसान को फ़सल ख़राबे का मुवावजा नहीं मिल रहा, बेरोज़गारी दर लगातार बढ़ रही है। युवाओं के लिए रोज़गार के अवसरों को ख़त्म किया जा रहा, सत्ता दो चार लोगो के हाथो में सिमटकर रह गई। एआईसीसी के आ ान पर, प्रदेश कांठोस कमेटी और जिला कांठोस कमेटी जयपुर के निर्देशानुसार ब्लॉक कांठोस कमेटी ने यह हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। इस मौके पर कांठोस जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक गोपाल मीणा ने कहा कांठोस पार्टी लोकतंत्र का हनन कभी बर्दाश्त नही करेगी पूरे जयपुर ठाामीण मे अभियान चलाकर इसका विरोध करेगें जिला प्रभारी रविन्द्र भाटड व विधानसभा प्रभारी योगेश मेहता ने कहा की हम सबको संगठित रहकर ब्लॉक व नगर सहित मण्डल स्तर तक हर व्यक्ति तक भाजपा सरकार का वोट चोरी करके सत्ता हासिल करने का असली चेहरा जनता के सामने लाना है ताकि भाजपा के लोग भोली भाली जनता को बरगला नहीं सके तथा जनता इनका असली चेहरा पहचान सके। इसके साथ ही कई वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कांठोस कार्यकर्ताओं ने हस्ताक्षर कर यह संकल्प लिया कि वे लोकतंत्र की रक्षा और वोट चोरी के खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। इस दौरान जिलाध्यक्ष गोपाल मीणा, संभाग प्रभारी रविन्द्र भाटड, विधानसभा प्रभारी योगेश मेहता, पीसीसी सचिव जगदीश मीणा, जिलाध्यक्ष सरपंच संघ मेहर सिंह धनकड, रामनिवास यादव, ब्लॉक अध्यक्ष महादेव प्रधान, वीरेंद्र सैन सहित मंडल अध्यक्ष व कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने भारत की चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता की रक्षा के लिए इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

फुलेरा क्षेत्र के चंहुमुखी विकास को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

- **जीएसटी चर्चा पर व्यापारिक सभा आयोजित कर भारत सरकार की ओर से जारी नवीन जीएसटी प्रणाली पर क्षेत्रीय सांसद राव राजेन्द्र सिंह के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया।**

फुलेरा । जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का फुलेरा जंक्शन पर वाणिज्यिक ठहराव शुभारंभ कार्यक्रम में शिरकत कर रहे जयपुर ठाामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह को फुलेरा व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहुजा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने एक ज्ञापन सौंपा।

इससे पूर्व हलवाई बाजार स्थित कुकू बाबा की बगीची में जीएसटी चर्चा पर व्यापारिक सभा आयोजित कर भारत सरकार की ओर से जारी नवीन जीएसटी प्रणाली पर क्षेत्रीय सांसद राव राजेन्द्र सिंह के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद व फुलेरा के पूर्व विधायक का साफा और माला पहनाकर स्वागत किया गया। व्यापार महासंघ की ओर से दिए गए ।

ज्ञापन में बताया कि रानीखेत एक्सप्रेस ट्रेन का दो मिनिट स्टॉपेज फुलेरा जंक्शन पर करवाने का लिखित रूप से आठाह किया गया। आराध्य देव बाबा रामदेव जी ओर नीब करोरी बाबा नैनीताल के श्रद्धालुओं के लिए यह रेल अति महत्वपूर्ण है, जिसके ठहराव करवाने का आश्वासन मिला। फुलेरा के राजकीय उपजिला चिकित्सालय में आर्थोपेडिक चिकित्सक की आरयूएचएस जयपुर में की गई प्रतिनियुक्ति अविलंब निरस्त करने के आदेश व सोनाग्राफी मशीन के लिए सोनोलॉजिस्ट पद सृजन करने की मांगे रखा । जिस पर मौके से ही सांसद सिंह ने फोन पर राज्य के चिकित्सा मंत्री से वार्ता की गई। फुलेरा काफी समय से नगरपालिका में अधिशासी अधिकारी व जलदाय विभाग में कनिष्ठ अभियंता के रिक्त पदों पर ध्यानाकर्षित करवाया। सांसद राव राजेन्द्र सिंह व पूर्व विधायक ने वन्दे भारत ट्रेन के फुलेरा जंक्शन पर वाणिज्यिक ठहराव को फुलेरवासियों ऐतिहासिक क्षण बताते हुए आपके साथ ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी व रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव को भी नगरवासियों की ओर से धन्यवाद प्रेषित किया गया।

एक दिन, एक घण्टा की सहभागिता से हुआ स्वच्छता अभियान शुरु

- **शपथ दिलाकर स्वच्छ अलवर का संदेश दिया तथा विकसित भारत स्वच्छता थैले का विमोचन किया**

अलवर । केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को अलवर के हृदय स्थल होप सर्कस पर सेवा पखवाडे के अंतर्गत 'एक दिन, एक घण्टा, एक साथ' थीम पर आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम की अगुवाई कर 40 से अधिक संगठनों व बडी संख्या में आमजन की सहभागिता से सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान मंत्रीगणों ने आमजन को स्वच्छता की शपथ दिलाकर स्वच्छ अलवर का संदेश दिया तथा विकसित भारत क्विज के पोस्टर व स्वच्छता थैले का विमोचन किया।

केंद्रीय वन मंत्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि स्वच्छता ईश्वर के नजदीक ले जाने का विषय है। विकसित भारत के सपने को साकार करने में परिवेश को सुन्दर व स्वच्छ बनाया जाना अहम घटक है।

इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन चलाकर हर घर में शौचालय बनवाने का कार्य किया जिससे देश में स्वच्छता के क्षेत्र में वृहद परिवर्तन आया है। इससे आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढने के साथ स्वच्छता के महत्व को भी बढावा मिला है।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि अलवर शहर को स्वच्छ व सुन्दर शहर बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयास जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद श्री भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व व मार्गदर्शन में अलवर जिले को स्वच्छता सर्वेक्षण में 364वें स्थान से 54वां स्थान तथा स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में देश के 130 शहरों में तीसरा स्थान प्राप्त होना सभी अलवरवासियों के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि एक दिन, एक घण्टा, एक साथ अभियान को प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में ढालकर अपने गली-मौहल्ले में स्वच्छता अभियान चलाकर शहर की स्वच्छता में सहयोग करने की महती आवश्यकता है।

केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान ऑटो टिपर चलाकर शहर में कचरा इक-ा कर आमजन को निर्धारित स्थान पर कचरा डालने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शहर में 125 ऑटो टिपर संचालित है जो घर-घर कचरे का संठाहण करते हैं अत: शहर का स्वच्छ व साफ-सुथरा बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। अत: आमजन ऑटो टिपर में कचरे को गीले व सूखे के रूप में पृथक करके ऑटो टिपर में डाले।

मौसमी बीमारियों पर रोक के लिए मेडिकल विभाग तैयार

अलवर। अचानक मौसम के पलटा खाने से अलवर जिले में इन दिनो मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढता जा रहा है। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए मेडिकल विभाग पूरी तरह से सक्रिय हो चुका है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डाक्टर योगेन्द्र कुमार शर्मा ने दावा किया है कि उन्होंने मौसमी बीमारियों से लडने के लिए कमर कस ली है लेकिन विभाग जिले में बिना लाइसेंस मेडिकल प्रैक्टिस करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों पर नकेल नही कस पाया है जो इस मौसमी सीजन को भुनाने में लगे हुए है। सीएमएचओ योगेन्द्र शर्मा ने दावा किया कि मौसमी बीमारियों से लडने को स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है हर क्षेत्र में निगरानी की जा रही है और अगर जरा भी बीमारियों ने पैर पसारे तो उसका इलाज उनके पास है सभी पीएचसी और सीएचसी पर प्रचुर मात्रा में दवाइयां उपलब्ध करा दी गई है सभी डाक्टर अपने क्षेत्र में निगरानी कर रहे है ।

शिविर में 5 को पट्टा वितरण, 18 जन्म-मृत्यु जारी हुए

- **सेवा शिविर में नौ जन आधार उपडेट किए**

फुलेरा। राज्य सरकार व स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार नगर पालिका क्षेत्र फुलेरा मे शहरी सेवा शिविर 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसी कडी में शुक्रवार को नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी सूर्यकांत शर्मा के नेतृत्व में वार्ड न. 12, 13 व 14 का शिविर रेल परिसर स्थित रेलवे इन्सीट्यूट में आयोजित किया गया। स्थानीय वार्ड पार्षद सरदार सिंह चौधरी ने बताया कि उक्त शिविर में पालिकाकर्मी, जनप्रतिनिधि सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों, लाभान्वितों एवं आम जनता की उपस्थिति में इस कार्यक्रम मे 5 लाभार्थियों को पट्टा वितरण किया गया, 18 जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीकरण, 20 रोड लाईटों को रिपेयर किया गया तथा 9 जन-आधार अपडेट किये गये एवं शिविर में प्राप्त किये गये आवेदनों नियमानुसार जाँच कर शीघ्र निस्तारण कर आम जनता को राहत प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि जितेन्द्र अग्रवाल, पार्षद सरदारसिंह चौधरी, जितेन्द्र वर्मा, बबिता सारवान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। शिविर मे उपखण्ड अधिकारी, सांभरलेक ऋषिराज कपिल ने शिविर का निरीक्षण कर लाभार्थियों से संवाद कर तथा अधिकारी, कर्मचारियों को शहरी सेवा शिविर 2025 में आमजन को लाभान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गये।

शिविर में विवाह पंजीकरण, 20 रोड लाईटों रिपेयर तथा 9 जन-आधार अपडेट किये।।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत वैज्ञानिक किसानों से करेंगे संवाद

अधिकारी व वैज्ञानिक गांव -गांव पहुंचकर खेती की नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकी, गुणवत्तापूर्ण बीज और संसाधन एवं किसान हितेषी जानकारियां कृषकों को देंगे

जयपुर। आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी चिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में केन्द्र व राज्य सरकार और आईसीएआर के सहयोग से चलाये जा रहे 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक का आयोजन किया गया।

आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी ने बताया कि यह अभियान 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'लैब टू लैंड विजन' यानि प्रयोगशाला से खेत तक की सोच को साकार करना है। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी एवं वैज्ञानिक गांव-गांव पहुंचकर खेती की नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकी, गुणवत्तापूर्ण बीज और संसाधन एवं किसान हितेषी जानकारियां कृषकों को देंगे।उन्होंने बताया कि 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत रबी मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से सम्बन्धित आधुनिक तकनीकों, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में जागरूक किया जायेगा एवं केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं व नीतियों के बारे में किसानों को शिविर लगाकर जानकारी दी जायेगी। इन शिविरों में आईसीएआर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, कृषिउद्यमी एफपीओ और स्वयं सहायता समूह के प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में निदेशक मत्स्य पालन संचिता बिश्नोई, अतिरिक्त निदेशक कृषि, ईश्वर लाल यादव, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस. एस. शेखावत, निदेशक सी एस डब्ल्यूआरआई (अविका नगर) डॉ. अरुण कुमार तोमर, कुलपति, समस्त कृषि व पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, निदेशक अटारी (जोधपुर) डॉ. जे. पी. मिश्रा सहित कृषि, पशु पालन एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी चिन्मयी गोपाल की अध्यक्षता में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक का आयोजन किया गया।

- **'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत रबी मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से सम्बन्धित आधुनिक तकनीकों, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में जागरूक किया जायेगा**

सांगानेर में बिजली चोरी पकड़ी

जयपुर। अधीक्षण अभिंयता (सतर्कता) बी.एल.शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) श्री महेंद्र कुमार शर्मा के निर्देशन में जयपुर डिस्कॉम, जयपुर के सहायक अभिंयता (सर्तकता-जयपुर शहर) मय तकनीकी कर्मचारी एवं ए.पी.टी.पी.एस. थाना स्टाफ द्वारा शुक्रवार को जयपुर शहर सांगानेर में सतर्कता जांच की कार्यवाही की गयी । सतर्कता जाँच के दौरान सांगानेर क्षेत्र में स्थित सचिवालय विहार कल्याणपुरा में 1 घरेलु उपभोक्ता के द्वारा मीटर टर्मिनल में छेद करके मीटर को टेम्पर्ड कर धड़ल्ले से अपने परिसर में अघरेलू श्रेणी में विद्युत चोरी करता पाया गया, जिनकी मौके पर वीसीआर भरी गई एवं कनेक्शन काटकर अवैध तार व विद्युत मीटर जब्त किये गये। अधीक्षण अभिंयता (सतर्कता) ने बताया कि इस मामले में रू 11.26 लाख का जुर्माना लगाया गया है व मौके पर विद्युत कनेक्शन काटकर राजस्व वसूली की कार्यवाही जारी है, यदि उपभोक्ता द्वारा जुर्माना राशि निर्धारित समयावधि में जमा नही करवायी जाती है तो उनके विरुद्ध विद्युत् चोरी निरोधक पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जावेगा।जयपुर डिस्कॉम की सतर्कता शाखा विद्युत चोरी रोकने के लिए कृत संकल्प है। विद्युत चोरी पर प्रभावी अंकुश स्थापित करने के लिए सभी सतर्कता अधिकारियों द्वारा निर्देशानुसार अपने-अपने क्षेत्र में सतत् सतर्कता जांच कार्यवाही की जा रही है। विद्युत चोरी करने वालो की धरपकड जारी रहेगी।

सार-समाचार

330 किलो नकली घी जब्त

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले की सामोद थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम(डीएसटी) ने मिलावटखोरों पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए नकली घी बनाने वाले कारखाने का भंडाफोड़ किया है और 330 किलो नकली घी (मिलावटी) जब्त किया है। साथ ही एक आरोपी को पकडा है और दो अन्य आरोपी फरार हो गए है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा ने बताया कि आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए नकली खाद्य पदार्थ बनाकर बाजारों में सप्लाई कर आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों पर कार्रवाई के लिए एक पुलिस टीम गठित की और फिर डीएसटी टीम ने थाना इलाके में स्थित समरपुरा गांव के एक घर पर जाकर दबिश दी । मकान की तलाशी ली गई तो 15 किलोठाम के लोटस ब्रांड घी के भरे हुए 4 पीपे 15 किलोठाम के वनस्पति घी के भरे हुए 15 पीपे, 15 किलोठाम के दीपज्योति रिफाइंड सोयाबीन ऑयल के भरे हुए 3 पीपे, लोटस ब्रांड के 11 खाली पीपे, बिना मार्का खाली पीपे दीप ज्योति रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का पीपा 1 इलेक्ट्रॉनिक कांटा सरस ब्रांड घी मार्का के पीपों पर लगाने वाले पैकिंग के पांच गत्ते 1 लोहे की गैस भट्टी इत्यादि नकली घी पैकिंग करने की सामग्री बरामद हुई । वहीं नकली घी कारोबार में संलिप्त आरोपी विक्रम और कैलाश पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए । पुलिस का कहना है कि आरोपी नकली घी के विभिन्न ब्रांडों के रेपर लगाकर नकली घी तैयार कर बेचना और आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करते पाए जाने पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर फरार दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही हैं ।

मूंग खरीद के लिए ऑनलाइन पंजीयन आज से

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक ने बताया कि श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिले में मूंग की आवक को देखते हुए ऑनलाइन पंजीकरण 27 सितम्बर (शनिवार) से प्रारम्भ किए जा रहे हैं। किसान जनआधार कार्ड एवं ऑनलाइन गिरदावरी से अपना पंजीकरण ई-मित्र के माध्यम से करवा सकते हैं। दक ने यह भी बताया कि शेष जिलों में मूंग, उड़द, मूँगफली एवं सोयाबीन हेतु पंजीकरण शीघ्र प्रारम्भ कर दिये जाएंगे। भारत सरकार द्वारा मूंग का समर्थन मूल्य 8768 रुपये, उड़द का 7800 रुपए, मूंगफली का 7263 रुपए एवं सोयाबीन का 5328 रुपये प्रति क्विंटल एफ.ए.क्यू श्रेणी का घोषित किया गया है। समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन की खरीद हेतु पीएसएस गाइडलाइन के अनुसार भारत सरकार को अंडरटेकिंग भिजवाये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। भारत सरकार से खरीफ 2025 की दलहन-तिलहन की खरीद हेतु जिन्सवार लक्ष्य प्राप्त होने के साथ ही खरीद प्रारम्भ कर दी जाएगी। खरीद से संबन्धित सभी कार्यवाही/व्यवस्थाएं पूर्ण करने हेतु राजफेड अधिकारियों को निर्देश दिये गए है। दक ने बताया कि ऑनलाइन पंजीयन के लिए किसान को जनआधार कार्ड नम्बर, खसरा गिरदावरी की ऑनलाइन प्रति पंजीयन फार्म के साथ अपलोड करनी होगी। जिन किसानों द्वारा बिना गिरदावरी के पंजीयन करवाया जाएगा, उनका पंजीयन समर्थन मूल्य पर खरीद के लिये मान्य नहीं होगा। ई-मित्र केन्द्र भी समर्थन मूल्य योजना में किसानों का पंजीयन राजफेड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्ण सावधानी से करें। ई-मित्रों द्वारा गलत एवं तहसील के बाहर के किसानो का पंजीयन करने पर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। सहकारिता मंत्री ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था ई-मित्र से प्रात: 9 बजे से सायं 7 बजे तक की गई है। किसान पंजीकरण से पूर्व अपना बैंक खाता जनआधार कार्ड में आवश्यक रूप से संशोधन करावें ताकि ऑनलाइन भुगतान के समय किसी प्रकार की परेशानी किसान को नहीं हो। किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए राजफेड मुख्यालय में हेल्प लाइन नम्बर 1800-180-6001 स्थापित किया गया है।

फ्रॉड केस के आरोपी की ज़मानत याचिका खारिज

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने ऑनलाइन फ्रॉड केस के मामले में आरोपी महमूद खान की ज़मानत याचिका खारिज करी है। मामले के तथ्य के अनुसार आरोपी महमूद खान ने भारत में कई फर्जी कॉल सेंटर शुरू किए थे जो अमरीका में बस रहे भारतीयों और अमरीकि निवासियों को सस्ती दरों पर लोन दिलाने का आश्वासन देती थी। यह फर्जी स्कीम आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विदेश में रह रहे भारतीयों और अमरीकि निवासियों को दी जाती थी। ई. डी. की जांच के अनुसार महमूद खान ने कई अमेरिका में रह रहे भारतीयों और अमरीकी नागरिकों को ठगा और धोखाधड़ी से 61 करोड़ की राशि ऐंठी। इस मामले में ई. डी. की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और ए. एस. जी. आर. डी. रस्तोगी और उनके सहायक वकील अक्षय भारद्वाज पैरवी के लिए पेश हुए थे।

बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार आज

जयपुर। श्री श्याम मित्र मंडल सीकर हाउस समिति रजिस्टर्ड जयपुर के तत्वाधान में शनिवार 27 सितंबर 2025 को 37 वां वार्षिक उत्सव आयोजित होने जा रहा है। बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा विशेष फूलों से बाबा श्याम को सजाया जाएगा। संस्थापक सदस्य रोहित अठावाल ने बताया की उत्सव में देशभर से भजन गायक कलाकार आएंगे अपनी मधुर प्रस्तुतियों से ठाकुर जी को रिझायेंगे जिसमें कोलकाता से राज परीक और विवेक शर्मा जयपुर से मनीष गर्ग घी वाला, निशा गोविंद शर्मा,राकेश अजान , अजय शर्मा, अमित नामा ,गोपाल सेन, मयूर रस्तोगी ,सोमेश जैन, राहुल खंडेलवाल, मनोज शर्मा एवं महेश परमार उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर स्वामी बालमुकुंद आचार्य जी महाराज हवा महल विधायक, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर हाथोज के महंत, जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ तथा विभिन्न मंदिरों के संत महंत एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

राजा पार्क बाजार में ''जीएसटी बचत उत्सव'' का आयोजन

- **व्यापारियों और उपभोक्ताओं से विधायक सराफ ने किया संवाद**

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा लागू किए गए ऐतिहासिक नेक्स्टजेन जीएसटी के लाभ आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से ''जीएसटी बचत उत्सव'' और ''आत्मनिर्भर भारत अभियान'' के अंतर्गत शुक्रवार को मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने जयपुर के राजा पार्क मंडल में व्यापारी बंधुओं और उपभोक्ताओं से संवाद किया।

इस अवसर पर विधायक सराफ ने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी प्रणाली में किए गए महत्वपूर्ण सुधारों और उनके माध्यम से व्यापारियों तथा उपभोक्ताओं को हो रही बचत की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार ये सुधार व्यापार को सरल, पारदर्शी और लाभकारी बना रहे हैं। सराफ ने उपस्थित लोगों से आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने की अपील करते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और उनका प्रचार-प्रसार करने का आठाह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का ''लोकल फॉर वोकल'' का मंत्र आज हर भारतीय के जीवन में उतारने की आवश्यकता है। इस संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी, संगठन पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम संयोजक चंद्र भाटिया ने जानकारी दी कि इस आयोजन मेंराजा पार्क व्यापार मंडल अध्यक्ष रवि नैयर, महामंत्री मेयर परनामी, जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्म कुमार सैनी, मंडल अध्यक्ष मोहित मूलचंदानी, पार्षद महेश सैनी, लक्ष्मण नूनीवाल, हिमांशु जैन, पूर्व पार्षद देवेंद्र सिंह, बलदेव सिंह, रमेश गुलाटी, खुशविंदर सिंह, अशोक शुक्ला, कैलाश यादव, संदीप ईतन व राजेश शर्मासहित अनेक व्यापारी मौजूद थे। कार्यक्रम में जीएसटी के नए प्रावधानों की सरल व्याख्या, व्यापारियों की शंकाओं का समाधान और आत्मनिर्भर भारत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में प्रभावी संवाद हुआ।

हेरिटेज निगम के किशनपोल जोन ने किए पांच जर्जर भवन अस्थाई सीज

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज के किशनपोल जोन क्षेत्र में जर्जर भवनों पर कार्रवाई जारी है। शुक्रवार को किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी के नेतृत्व में भवन निर्माण शाखा और सतर्कता दस्ते में पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज कर दिया है। जोन कार्यालय की ओर से सभी पांच भवन मालिक को जर्जर भवन के तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए थे। नोटिस के बाद भी जर्जर भवन की मरम्मत कार्य शुरू नहीं करने पर जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज किया है। सभी जर्जर भवन जौहरी बाजार के मोती सिंह भोमिया जी के रास्ते में है। इन भवनों को किया अस्थाई सीज 4319, नथमल जी का चौक, 4310, नथमल जी का चौक 4356, नथमल जी का चौक 3952 मोतीसिंह भोमिया जी का रास्ता 2305 मोतीसिंह भोमिया जी का रास्ते में की गई कार्रवाई।

आर्ट व क्राफ्ट प्रदर्शनी शिल्पकार का आगाज

- **प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र रहा प्रसिद्ध रत्न शिल्पकार, पृथ्वीराज कुमावत द्वारा बनाया गया पन्ना रत्न जड़ित उत्कृष्ट प्राकृतिक कृति जिसके दोनों ओर गणेश जी की जटिल आकृतियाँ उकेरी गई हैं**
- **क्राफ्ट प्रदर्शनी 2025 जिसमें 12 शिल्पकार अपने अद्भुत शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।**

जयपुर। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक अद्वितीय प्रदर्शन है - शिल्पकार आर्ट और क्राफ्ट प्रदर्शनी 2025 जिसमें 12 शिल्पकार अपने अद्भुत शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये शिल्पकार, जिन्होंने विभिन्न पारंपरिक कलाओं में महारत हासिल की है, भारतीय शिल्पकला में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान और पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रदर्शनी का आज विधिवत उद्घाटन एमएलए, गोपाल शर्मा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके अलावा प्रदर्शनी में प्रेजिडेंट, राजस्थान चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के.एल.जैन; डीसी हैंडीक्राफ्ट्स सीतापुरा जयपुर, वरिष्ठ सहायक निदेशक, रजत वर्मा और सुधीर माथुर शामिल थे।

प्रदर्शनी में सबसे ख़ास आकर्षण का केंद्र रहा प्रसिद्ध रत्न शिल्पकार, पृथ्वीराज कुमावत द्वारा बनाया गया पन्ना रत्न जड़ित उत्कृष्ट प्राकृतिक कृति जिसके दोनों ओर गणेश जी की जटिल आकृतियाँ उकेरी गई हैं और इसे बड़ी ही कुशलता और बारीकी से तैयार किया है। इस नक्काशी को नाज़ुक फूलों और पत्तियों से सजाया गया है, जो कारीगर के असाधारण कौशल को दर्शाता है। मूर्ति का वज़न 2367 कैरेट, ऊँचाई 8 सेमी, चौड़ाई 9 सेमी तथा गहराई 6 सेमी है। राज्य स्तरीय एवं कलारत्न पुरस्कार से सम्मानित, सुनीश मारू की बजरंग बलि की विश्व प्रसिद्ध जेमस्टोन पेंटिंग जो अन्यन्त्र कही नही बनाती है, इस प्रकार की पेंटिंग को कांच के पीछे से बनाया जाता है। राम सोनी द्वारा भगवान कृष्ण की यमुना तट पर कदम वृक्ष के नीचे अपनी गाय चराते हुए बैठे सांझी आर्ट (पेपर कटिंग) चित्र जो गोचारण लीला को दर्शाता है और शिपगुरु विनोद कुमार जांगिड़ की चन्दन की लकड़ी पर नक्काशी से भगवान महावीर के मंदिर में भगवान की 24 तीर्थंकरों का निवास है।

ये शिल्पकार, जो अपने-अपने शिल्प में निपुण हैं, अपनी परंपराओं को संरक्षित और विकसित कर रहे हैं, जिससे भारतीय कला को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। उनकी अद्वितीय कारीगरी और समर्पण भारत की शिल्पकला की अनंत सुंदरता और विविधता को जीवंत बनाए रखने का उदाहरण है।

मादक पदार्थ गांजे का सप्लायर पुलिस के हत्थे चढ़ा

रामगंज थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई कर अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाला तस्कर गिरफ्तार किया।

- **आरोपी से 5 किलो 260 ग्राम गांजा जब्त किया**

जयपुर। रामगंज थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 5 किलो 260ग्राम गांजा जब्त किया है।

फिलहाल आरोपी तस्करों से पूछताछ की जा रही है।पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत रामगंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी करने वाले तस्कर गंगाधर शाह निवासी बैलहर जिला बांका (बिहार) हाल रामगंज को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी तस्कर से अवैध मादक गांजे की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है

युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस युवक के आत्महत्या करने के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

जीआरपी थानाधिकारी अरुण चौधरी ने बताया कि सांगानेर सदर के गोविंदपुरा निवासी रवि नामा (26) ने आत्महत्या की है। जो फाइनेंस एजेंट का काम करता था। जो शुक्रवार सुबह बाइक लेकर घर से अपने काम पर निकला था। दोपहर को रवि ने अपने बड़े भाई गणेश को कॉल कर कहा कि उसने जहर खा लिया है और मरने जा रहा है। इसके बाद कॉल काट दिया। रवि से बात करने के लिए गणेश ने बार-बार कॉल किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। परिवार के सदस्यों को कॉल कर गणेश ने रवि के बारे में बताया तो परिजन और रिश्तेदार सभी उसकी तलाश में जुट गए। वहीं कुछ देर बाद ही मालपुरा गेट थाना पुलिस को मुहाना मोड़ वाली पुलिया के रेलवे ट्रैक के पास युवक का शव पड़ा मिला। क्षेत्र अधिकार से बाहर होने पर मुहाना थाना पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया।

संशोधित परिणाम से बाहर हुए कनिष्ठ लेखाकारों को हटाने पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में चयनित होकर बीते सात माह से काम कर रहे कनिष्ठ लेखाकारों को संशोधित परिणाम के चलते हटाने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख वित्त सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव और राजस्व मंडल सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अदालत ने मामले में कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति की सिफारिश वापस लेने वाले गत 4 सितंबर और उन्हें रिलीव करने वाले 12 सितंबर के आदेश की क्रियान्विति पर भी रोक लगाई है। अदालत ने राज्य सरकार को छूट दी है कि वह चाहे तो याचिका में जवाब पेश करने के बाद अंतरिम रोक हटाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश कर सकती है। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश टिंकू कुमार मीणा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता वीरेंद्र लोढ़ा और अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ताओं को पात्र घोषित कर मेरिट में आने पर नियुक्ति दी गई। याचिका में कहा गया कि बीटेक और आरएससीआईटी की डिग्री के विवाद के चलते चयन बोर्ड की ओर से भर्ती का संशोधित परिणाम जारी किया गया। जिसके चलते याचिकाकर्ताओं को मेरिट से बाहर कर दिया और उनकी नियुक्ति की सिफारिश को भी बोर्ड ने वापस ले लिया। वहीं इसके आधार पर उन्हें रिलीव कर दिया गया।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं ने भर्ती में किसी तरह की धांधली नहीं की और नियमानुसार उनका चयन हुआ है। याचिकाकर्ता बीते सात माह से सफलतापूर्वक अपने पद पर काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भर्ती में करीब 62 पद अभी भी रिक्त चल रहे हैं। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को सेवा से हटाना गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ताओं को हटाने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

सूरज से बिजली पैदा कर खेत से उपजा रहे सोना

जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बांसवाड़ा में गुरूवार को राजस्थान में पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। खेत में ऊर्जा क्रांति लाने वाले कुसुम योजना के यह लाभार्थी देश के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

फलोदी के खारा निवासी पप्पू देवी ने खारा गांव में अपनी जमीन पर 2.52 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया है। एक ठामीण महिला होने के कारण पहले वे सिर्फ गाय-भैंस पालने और खेती पर ही निर्भर थी।

प्लांट लगने के बाद अब वे 17 से 18 हजार यूनिट बिजली प्रतिदिन पैदा कर रही हैं। जिससे हर महीने 17 से 18 लाख रूपए महीने की वे बिजली ठिाड को सुलभ कराती हैं। तीन से चार लोगों को रोजगार भी दे रही हैं। पहले जीरे की फसल से साल भर में 10 से 15 लाख रूपए की ही कमाई होती थी। अब 7 से 8 लाख रूपए हर माह कमाई कर रही हैं।

सनोली निवासी किसान धर्मेन्द्र यादव ने वर्ष 2019 में जाट बहरोड (कोटपूतली-बहरोड) में कम्पोनेंट-ए में पहला प्लांट लगाया था। उसकी आमदनी से अब कम्पोनेंट-सी में दूसरा प्लांट भी लगा लिया है।

कम्पोनेंट-ए में 3 रूपए 14 पैसे प्रति यूनिट तथा कम्पोनेंट-सी में 3 रूपए 11 पैसे का उन्होंने डिस्कॉम से बिजली खरीद अनुबंध कर प्लांट लगाए। अब मासिक 20 से 25 लाख रूपए बिजली ठिाड को बेचते हैं। सभी खर्चे हटाकर 7 से 8 लाख रूपए हर महीने बचाते हैं। दिन दो गुनी-रात चौगुनी बढ़ी आमदनी-संघर्ष

अरथूना के उडेला निवासी संघर्ष ने पीएम कुसुम कम्पोनेंट-बी के तहत 5 एचपी का सोलर पंप लगाया। उन्होंने बॉयोलोजी से बीएसएसी किया है। कुसुम योजना में सोलर पंप लगाने के बाद उनकी आय दोगुनी नहीं दिन-दुगुनी रात चौगुनी बढ़ी है। अब पम्प लगने के बाद दिन में ही सिंचाई कर लेते हैं।

जोधपुर के शिवनगर निवासी किसान रामचन्द्र सिंह ने पीएम कुसुम-सी योजना में शिवनगर में 2.52 मेगावाट का प्लांट लगाया था। जिससे 29 मार्च 2025 को उत्पादन प्रारंभ कर दिया। बैंक की किश्त चुकाने के बाद अब वे हर महीने 4 से 5 लाख रूपए की निश्चित आमदनी कर पा रहे हैं।

जिससे आय चार से पांच गुना बढ़ गई है। पहले वह अन्नदाता के रूप में जाने जाते थे। अब कुसुम योजना की वजह से ऊर्जादाता भी बन गए हैं। पहले वह देखते थे कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के सोलर प्लांट होते थे। अब छोटे किसान भी सोलर प्लांट लगा रहे हैं। पीएम- योजना की बदौलत वे अब अपनी जमीन से बिजली के रूप में सोना उपजा रहे हैं।

भरतपुर के मेव गुर्जर निवासी प्रेमसिंह कुन्तल ने कुसुम कम्पोनेंट-बी में 7.5 हॉर्स पावर का सोलर पंप लगाया। जिससे उन्होंने एक वर्ष में सवा दो लाख रूपए का डीजल पर खर्च बचाया है।

सेंट्रल जेल में निरीक्षण के दौरान मिले 6 मोबाइल

- **लाल कोठी थाना पुलिस ने चार बंदियों के खिलाफ किया मामला दर्ज**

जयपुर। घाटगेट स्थित सेंट्रल जेल में शुक्रवार को जेल प्रशासन ने औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण में जेल बैरकों से 6 मोबाइल फोन बरामद हुए। जेल प्रशासन ने मोबाइल जब्त कर इसकी सूचना लाल कोठी थाना पुलिस को दी।

थानाधिकारी प्रकाश राम बिश्नोई ने बताया कि जेल प्रशासन की ओर से लगातार औचक निरीक्षण किया जा रहा है इस बार कार्रवाई में वार्ड नंबर 3,5 और 6 की तलाशी ली गई। वार्ड नंबर 3 के बैरक नंबर -2 में बंद दानिश मोहम्मद उर्फ मक्खी के पास से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किया गया है। वहीं तलाशी के दौरान वार्ड नंबर -6 में भी एक लावारिस मोबाइल बरामद किया गया है। निरीक्षण में वार्ड नंबर-5 के दंडित बंदी गोगराज गढ़वाल, रोहिताश उर्फ रावत और ब्रह्मस्वरूप बुनकर की तलाशी में मोबाइल बरामद किया गया। जेल प्रशासन की ओर से सर्च में बंदियों से तीन मोबाइल बरामद किए गए। इसके अलावा भी तीन मोबाइल तलाशी में मिले है। लाल कोठी थाना पुलिस ने मोबाइल फोन जब्त कर बंदियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सिम कार्ड के आधार पर जांच शुरु की।

पेपर लीक प्रकरण के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने सीनियर टीचर ग्रेड दो भर्ती पेपर लीक प्रकरण में चार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज की। न्यायधीश अनिल कुमार जैन ने आरोपी भूपेन्द्र सरन, अनिल कुमार उर्फ शेर सिंह, अरुण शर्मा और पुखराज की ओर से दायर ज़मानत के लिए अर्जी को खारिज किया। इस मामले में ई. डी. पेपर लीक प्रकरण की जांच कर रही है और परीक्षा पेपर की खरीद फरोख्त में अवैध रूप से इस्तेमाल करी गई धन राशि और उसके स्त्रोत की भी जांच कर रही है। इस मामले में ई. डी की ओर से अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज पैरवी के लिए पेश हुए थे।

शहरी सेवा शिविर में 850 लोगों ने कराया समस्याओं का निस्तारण

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा जारी शहरी सेवा शिविर में आमजन अपनी समस्याओं के निस्तारण के लिए लगातार आ रहे है। शुक्रवार को हेरिटेज निगम की ओर से वार्ड तीन और चार के निवासियों के लिए जाजोलाई की तलाई में तेजाजी महाराज के मंदिर में कैंप लगाया गया, जिसमें 850 से अधिक लोगों ने अपनी समस्याओं का निस्तारण कराया। हवामहल आमेर जोन उपायुक्त सीमा चौधरी ने बताया कि कैंप में आमजन ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई, जिसमें अधिकतर समस्याओं का निस्तारण मौके पर ही कराया गया। ज्यादातर शिकायत सीवर, सड़क, पेचवर्क, जन्म - मृत्यु प्रमाण पत्र, फायर एनओसी, विवाह प्रमाण पत्र के आए थे। वहीं अन्य विभागों में पानी, बिजली, जेडीए, चिकित्सा, रसद विभाग के अधिकारियों ने भी जन समस्याओं का निस्तारण किया। 29 सितंबर को वार्ड 57,58,59 का कैंप कायस्थों की बगीची और वार्ड 13,14 का कैंप तेजाजी का मंदिर, वार्ड 14 में लगेगा।

हेरिटेज निगम की ओर से कैंप आयोजित हुआ।

Celebrating Responsible Travel

World Tourism Day, celebrated on September 27 each year, emphasizes the role of tourism in fostering cultural exchange, economic growth, and global unity. Established by the United Nations World Tourism Organization (UNWTO), the day highlights the importance of making travel responsible, sustainable, and accessible to all. Tourism connects people, supports livelihoods, and promotes understanding across diverse communities. However, it must also safeguard the environment and respect local cultures. On this day, governments, industry leaders, and travelers are reminded to work together in creating a tourism model that balances exploration with conservation, ensuring its benefits for generations to come.

#INFLUENCE

The Father Of Haute Couture

Emile Pingat: The Forgotten Master of 19th-Century Elegance

When we think of 19th-century fashion, one name dominates the conversation: Charles Frederick Worth. Often hailed as the father of haute couture, Worth revolutionized the industry by becoming one of the first designers to label his garments and present seasonal collections. His influence was undeniable. But he wasn't alone in shaping the opulent world of Parisian fashion. In the same era, another designer stood quietly but confidently beside him, Emile Pingat.

Today, Pingat's name has largely faded from popular memory, but during his lifetime, he was every bit as celebrated as Worth. From the 1860s to the 1890s, Emile Pingat was considered one of the foremost couturiers in Paris. While Worth was known for his grand ball gowns and his high-profile clientele, Pingat carved out his niche in an area often overlooked, outerwear.

Pingat's capes, mantles, and cloaks were masterpieces of form and function. More than just protective garments, they were richly adorned and exquisitely constructed. Using luxurious fabrics such as velvet, silk, and fine wool, Pingat transformed outerwear into a canvas for lavish embellishments, beading, embroidery, braiding, and fur trims. His work balanced theatrical flair with refined elegance, helping to define the aesthetic of the late 19th century.

What set Pingat apart was his meticulous attention to detail and his understanding of the female silhouette. He knew how to craft garments that flattered the figure while also making bold artistic statements. His pieces often featured asymmetry, innovative closures, and imaginative layering. In an age when women's fashion was bound by strict social norms, Pingat offered designs that felt expressive and elevated, while remaining wearable.

Pingat's influence extended far beyond individual garments. He played a critical role in shaping the image of the fashionable Parisian woman. His designs were featured in fashion plates and publications circulated throughout Europe and America, spreading the image of Paris as the epicenter of taste and sophistication. Alongside Worth, Pingat helped elevate the status of fashion design from craft to art form.

So why is he not as well-remembered today?

Unlike Worth, who was a savvy self-promoter and built a lasting brand, Pingat was more reserved. He did not court fame in the same way, and after he retired in the mid-1890s, his name gradually slipped from the public eye. Many of his garments were unsigned, making attribution difficult for later historians. As a result, much of his legacy was quietly absorbed into the broader narrative of 19th-century fashion, uncredited, yet unmistakably influential.

That's where institutions like the Fashion Conservatory come in. Dedicated to preserving and showcasing fashion's forgotten voices, the Conservatory ensures that designers like Emile Pingat are not lost to time. By archiving historical garments, studying forgotten techniques, and educating new generations, the Conservatory helps to keep fashion's full history alive.

Because fashion is not only about the future, it's about remembering the past. And in that past, Emile Pingat deserves his place in the spotlight.

Next morning, I saw two fully emerged butterflies hanging on to their torn chrysalis shells. I was absolutely overjoyed. They'd been alone for a long time in the dark, so, their wings had enough time to harden and they already knew how to fly. I named one of them King and the other one Queen (gosh, so uncreative), even though current evidence suggests that they were both males. An embarrassing mistake I made due to misplacing their species. Either way, we fed them some banana pulp, let them fly around our room and had general fun with them before releasing them in the wild.

My Butterfly Raising Days

PART:1

#BUTTERFLIES

● Myra Sethi

Since I've always liked animals, including bugs, it's completely normal for me to have had a butterfly farming phase in my life.

Either way, I've had a butterfly farming phase in my life. Why did I suddenly decide to start hunting butterfly eggs and caterpillars to watch them turn into butterflies? Well, for one, I always loved butterflies. I had a phase when I used to catch them, befriend them and set them free when I was five. Good days.

Then, when I was seven, I found a caterpillar at school. I brought it home, fed it leaves and played with it, but for some or the other reason, it didn't survive. That felt horrible. The same thing happened when I was eight, though this time, it survived a lot longer. I decided to let bugs be and went on in my life.

When I was ten, though, butterflies came into my life again. I was just walking my dog one day, when I saw two big caterpillars on a random weed. They looked beautiful, white with black stripes dotted with yellow, bright crimson antennas fading into black. I couldn't resist, I plucked the leaf they were on and brought them home.

Once they were safely in their box and munching on their leaves, I began my research. There was no way I was going to let them die this time. They were going to survive, and I would make sure of it. I got into my chair, grabbed Google by the throat and started shaking information about raising caterpillars, out of the Internet's vast depths. I got a ton of information (some of which I will disclose when necessary), but the most important thing was that my caterpillars belonged to (or so I thought) the Monarch breed of butterfly. And one thing that every butterfly newbie should know is that Monarch caterpillars eat milkweed leaves, which I taught myself to identify within a day. So, that's what I fed them for the first few days.

Two days after I got them, one of the caterpillars stopped eating. I was prepared for it, and really hyped too, they were going to pupate, that is, turn into a chrysalis (refer to the first fact). When I came back from school the next day, one chrysalis hung from the lid of the box, as expected. The other one pupated the very next day.

> After the hunt, we split up the loot and got to work. I got all the eggs, and my friends took the caterpillars. Those newborn caterpillars were so tiny and cute! Our evening playtime now consisted mostly of looking for more caterpillars and more leaves to feed the caterpillars. Since I'm an animal person, I did try to befriend the caterpillars.

Those ten days were kind of hard to get through because I was so excited. I looked at them all day, wondered why they had a golden line on them, and the vague outline of the butterfly within. At last, the two chrysalides turned transparent to show the butterfly within, the wings turned orange, and the rest of the body turned black with white spots. I tried to sleep late to see them emerge, but they didn't, so, I went to sleep.

Next morning, I saw two fully emerged butterflies hanging on to their torn chrysalis shells. I was absolutely overjoyed. They'd been alone for a long time in the dark, so, their wings had enough time to harden and they already knew how to fly. I named one of them King and the other one Queen (gosh, so uncreative), even though current evidence suggests that they were both males. An embarrassing mistake I made due to misplacing their species. Either way, we fed them some banana pulp, let them fly around our room and had general fun with them before releasing them in the wild.

This was it. I had to get into this lifestyle, asap. I told my friends about my journey so far and we decided, we were going to raise a lot of butterflies. At that time, I lived in a huge Officers' Enclave in Delhi, so, we had a lot of hunting ground. Now that I'd learnt how to identify the milkweed, we were ready to go. We took our girl cycles (because they have baskets and are generally superior, comfort-wise) and snuck around our park. That place was full of milkweeds. We found loads of eggs and caterpillars of all ages. After that, we got into the deepest corners of our enclave, into the wildest bushes and lands, to look for more milkweed.

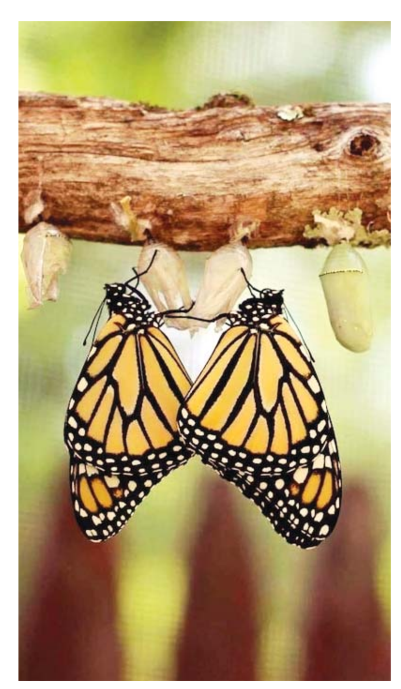

After the hunt, we split up the loot and got to work. I got all the eggs, and my friends took the caterpillars. Those newborn caterpillars were so tiny and cute! Our evening playtime now consisted mostly of looking for more caterpillars and more leaves to feed the caterpillars. Since I'm an animal person, I did try to befriend the caterpillars. I was too scared to touch King and Queen when they were caterpillars, but I trained myself to not be scared of the new lot. It may sound gross to you, but they're completely harmless unless you eat them (because milkweed is poisonous), which I obviously had no plans for.

I could even differentiate between them because they all hatched one day apart. I clearly remember the '2nd October caterpillar' being the most outgoing one, and therefore, my favourite. I was kinda sad when he pupated, to be honest. This time though, I actually saw the process happen. Again, probably gross for you to see a worm wriggling and shedding their skin, but it was still awesome to watch.

When they were all pupated and I didn't have to feed them anymore, I used my time to research more. What I realised was that my caterpillars were not, in fact, Monarch butterflies (because they don't exist in India). They were Plain Tiger butterflies. Of course, there was no harm done, since the two species were fundamentally alike, but their gender traits were completely different.

> That's basically how our life went on for the next one year, find them, raise them, befriend them, release them. Later, though, we tried looking for new species of butterflies to raise. There were these beautiful blue butterflies at the school I used to go to at that time, called the Blue Jay Butterflies.

After a month since we got them, our next set of butterflies was ready to emerge. They still preferred to emerge in the night, shy fellas. The first one out was Crumb, who was cute, and we released her in the park. My friend's butterflies emerged too, though I don't remember any of their names for some reason.

The second one was Spiral, aka the '2nd October caterpillar,' was a bit of a mess. Since he pupated against the wall of the box, the tip of his right wing was bent at a weird angle and he flew in circles unless he tried really hard not to. Since he still had his outgoing nature, I kept him in the house all day, called my friends to play with him and released him two hours before sunset. I was really sad that night, but I saw him flying up high the next day. He didn't acknowledge me, which was perfectly fine because it meant that he was truly wild.

He was definitely one of my favourites.

That's basically how our life went on for the next one year, find them, raise them, befriend them, release them. Later, though, we tried looking for new species of butterflies to raise. There were these beautiful blue butterflies at the school I used to go to at that time, called the Blue Jay Butterflies. Their host plant was Ashoka trees, which our school ground was bordered with. Unfortunately, I never got to raise these beauties because the only time I was around those trees was for sports period, and our teacher never let me wander off from the rest of the group.

That really sucks, because now I have Ashoka trees right outside my house and they're worthy of a Blue Jay farm.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

#CICERO

The Name Of Man

Can any sane person believe that all this array of stars and this vast celestial adornment could have been created out of atoms?

Stoicism was a philosophy that was founded in Athens in 300 BC and became popular in the Roman Empire among such leaders as Seneca and Marcus Aurelius. In these selections, from Cicero's On the Nature of the Gods (45 BC), Cicero outlines the basic Stoic argument about design in nature. The selections come from Book II, chapters XXXVII, XLIV, and XLVII.

Who would not deny the name of human being to a man who, on seeing the regular motions of the heaven and the fixed order of the stars and the accurate interconnexion and interrelation of all things, can deny that these things possess any rational design, and can maintain that phenomena, the wisdom of whose ordering transcends the capacity of our wisdom to understand it, take place by chance? When we see something moved by machinery, like an orrery or clock or many other such things, we do not doubt that these contrivances are the work of reason; when, therefore, we behold the whole compass of the heaven moving with revolutions of marvelous velocity and executing with perfect regularity the annual changes of the seasons with absolute safety and security for all things, how can we doubt that all this is effected not merely by reason, but by a reason that is transcendent and divine?

Can any sane person believe that all this array of stars and this vast celestial adornment could have been created out of atoms rushing to and fro fortuitously and at random? Or could any other being devoid of intelligence and reason have created them? Not merely did their creation postulate intelligence, but it is impossible to understand their nature without intelligence of a high order.

To come now from things celestial to things terrestrial, which is there among these latter, which does not clearly display the rational design of an intelligent being? In the first place, with the vegetation that springs from the earth, the stocks both give stability to the parts which they sustain and draw from the ground the sap to nourish the parts upheld by the roots; and the trunks are covered with bark or rind, the better to protect them against cold and heat. Again the vines cling to their props with their tendrils as with hands, and thus raise themselves erect like animals. Nay more, it is said that if planted near cabbages, they shun them like pestilential and noxious things, and will not touch them at any point. Again what a variety there is of animals, and what capacity they possess of persisting true to their various kinds! Some of them are protected by hides, others are clothed with fleeces, others bristle with spines; some we see covered with feathers, some with scales, some armed with horns, some equipped with wings to escape their foes. Nature, however, has provided with bounteous plenty for each species of animal that food which is suited for it. I might show in detail what provision has been made in the forms of the animals for appropriating and assimilating this food, how skilful and exact is the disposition of the various parts, how marvelous the structure of the limbs. For all the organs, at least those contained within the body, are so formed and so placed that none of them is superfluous or not necessary for the preservation of life.

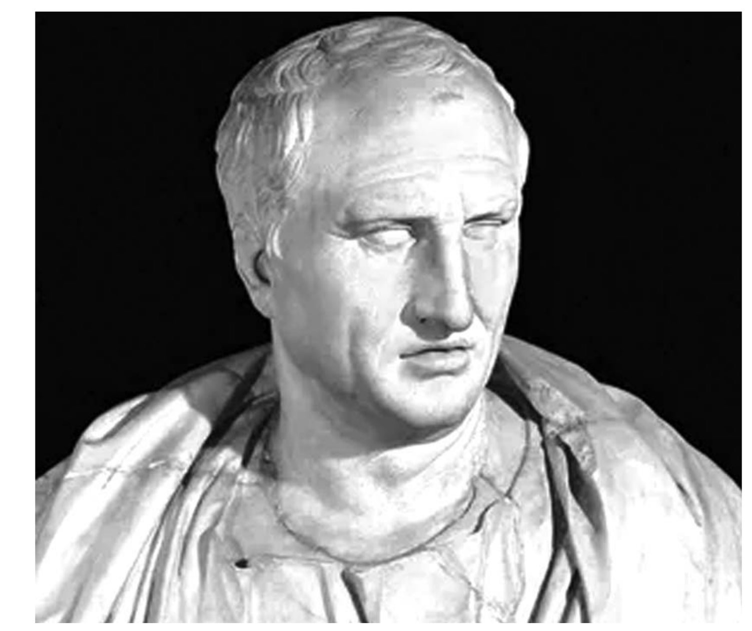

Cicero once wrote,

"The poor man works non-stop,
The rich man lives off the poor man's labour,
The soldier protects them both,
The taxpayer foots the bill for all three,
The banker robs all four,
The lawyer twists the truth for all five,
The doctor sends the bill to all six,
The criminal terrifies all seven,
And the politician, he lives like a king, off all eight."

THE WALL

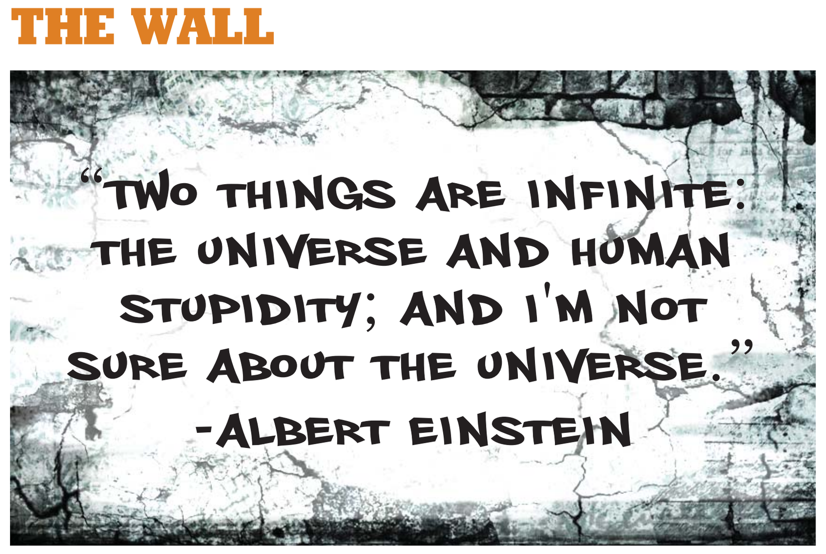

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

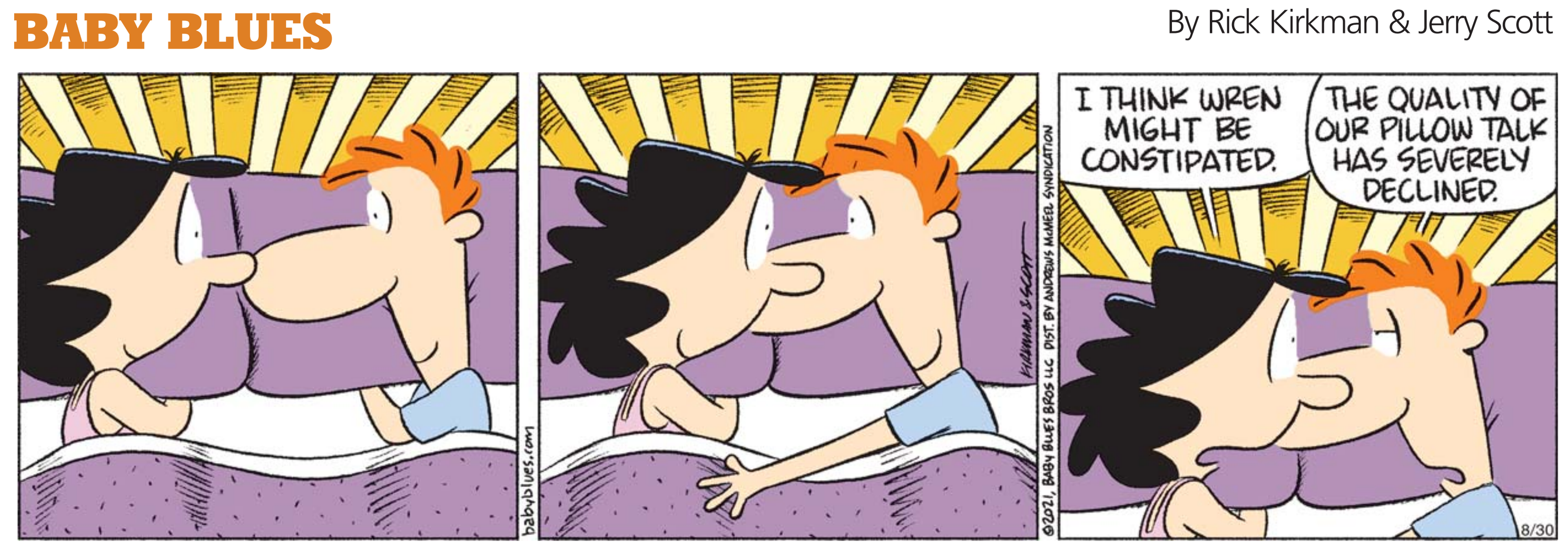

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

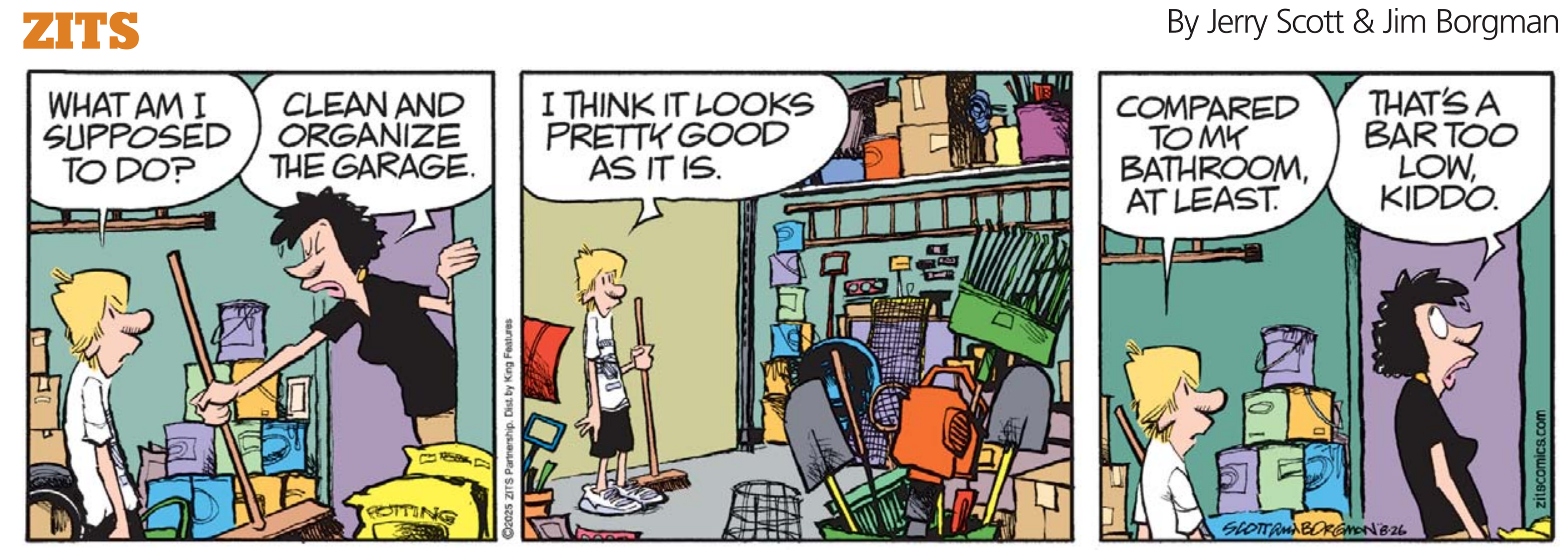

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा टोंक बस स्टैंड पर पहुंचे, गंदगी देख नाराजगी जताई

उपमुख्यमंत्री सवाईमाधोपुर डिपो की बस में चढ़ गए और परिचालक से सवारियों के बारे में पूछा

टोंक, (निसं)। रोडवेज बस स्टैण्ड पर शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब उपमुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा आये और रोडवेज बस कंडक्टर से से पूछा कि बस में कितनी सवारियां हैं, इस पर कंडक्टर उन्हें हैरानी से देखने लगा। बाद में वहां मौजूद लोगों ने कहा यह उपमुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा है, यह सुनते ही कंडक्टर ने तुरंत प्रेमचंद बैरवा के पैर पकड़ लिये।

जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री बैरवा बांसवाड़ा से जयपुर आ रहे थे, तभी अचानक टोंक रोडवेज बस स्टैंड पर पहुंचे और पास में ही खड़ी सवाईमाधोपुर डिपो की बस में चढ़ गए। इस दौरान परिचालक से सवारियों के बारे में पूछा तो कंडक्टर शिवदास मीणा उनको देखने लगे बाद जानकारी मिलने पर परिचालक ने पैर पकड़ लिये तथा शालीनता से जवाब दिया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री बैरवा ने बस स्टैंड पर गंदगी देखकर प्रबंधक को बुलाया और फटकार लगाई। बाद में खुद उन्होंने झाड़ू उठाई और सफाई शुरू कर दी। इस पर उन्होंने सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं लोगों की समस्या सुनकर बंद पड़े बुकिंग विंडो को चालू करने के भी निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बस स्टैंड पर गंदगी देखकर झाड़ू उठाई और सफाई शुरू कर दी।

इस दौरान डिपो मैनेजर पवन मीणा ने बताया कि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा अचानक निरीक्षण करने पहुंचे थे। सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के निर्देश दिए हैं, फिलहाल विंडो स्टाफ की कमी से बंद है, जल्द ही मुख्यालय को स्टाफ बढ़ाने के लिए पत्र लिखा जाएगा, बाद में स्टाफ बढ़ने पर बुकिंग विंडो शुरू कर दी जाएगी।

इसी दौरान बाद में भाजपा कार्यकर्ताओं को सूचना मिलने पर

■ जानकारी मिलने पर परिचालक ने उपमुख्यमंत्री के पैर पकड़ लिये तथा शालीनता से जवाब दिया

जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान व अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने रोडवेज बस स्टैंड पहुंचकर उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ने जयपुर जाते समय पॉलिटेक्निक कॉलेज का भी निरीक्षण किया। स्टूडेंट्स ने कॉलेज के पास रोडवेज बसें नहीं रुकने की बात कही।

मौके पर उपमुख्यमंत्री बैरवा ने तुरंत अधिकारियों को पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास रोडवेज बसों के स्टापेज बनाने के निर्देश दिए। कुछ समय बाद ही इसके आदेश भी जयपुर मुख्यालय से जारी कर दिए गए। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमने रोडवेज बसों का 40 किलोमीटर से दायरा बढ़ाकर 400 किलोमीटर किया है, जहां भी कुछ कमियां है, उनमें सुधार करके आम आदमी को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

नवजात को जंगल में फेंकने की वारदात का पर्दाफाश

वारदात में शामिल कुंवारी युवती और उसके पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ थाना पुलिस ने 10 दिन के नवजात शिशु को मरने के लिए जंगल में फेंकने वाली कुंवारी निर्दयी मां और इसके पिता को पुलिस ने वारदात के 48 घण्टे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। बाप और बेटी ने मिलकर अवैध जन्मे दोहिते को मौत के मुंह में धकेल कर धर्मशाला में जाकर सो गए। वहीं घटना के वक्त दोहिते को मौत के आग़ोश में जाते देख निर्दयी युवती की मां का कलेजा कांप रहा था। आखिरकार नवजात शिशु को भगवान ने नई जिंदगी दे डाली, और वारदात करने वालों को सलाखों के पीछे धकेल दिया।

मांडलगढ़ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीते 23 सितम्बर को खेराड इलाके के सीता का कुंड के जंगल मे पत्थरों के ढेर में दबे एक नवजात शिशु को मांडलगढ़ पुलिस ने बरामद किया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर कुमाता की तलाश शुरू की। इस दौरान सहायक उप निरीक्षक रामलाल मीना और इनकी टीम ने स्थानीय मुखबिरी, अस्पतालों की डिटेल के आधार पर अनुसन्धान कर वारदात में शामिल पिता और उसकी 21 साल की कुंवारी बेटी को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस पिता और पुत्री से वारदात को अंजाम देने के बारे में कड़ी पूछताछ कर रही हैं।

■ बाप और बेटी ने मिलकर नवजात शिशु के मुंह में फेविक्विक लगाकर पत्थर डाला और बड़े-बड़े पत्थरों के ढेर में दबाकर फरार हो गए थे

मिली जानकारी के मुताबिक युवती के किसी से अवैध सम्बन्ध होने के दौरान वह गर्भवती हो गई, जिसका युवती के माता पिता को 6 माह बाद पता चला। बदनामी के डर से युवती को लेकर उसके माता पिता बूंदी जिले के एक गांव में आकर रहने लगे। युवती को बीते 14 सितम्बर को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन गर्भवती युवती को अस्पताल में ले गए, जहां युवती के कथित पति रामलाल का फर्जी नाम दर्ज करा कर प्रसव कराया गया, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। 15 सितम्बर को परिजन युवती को अपने घर ले आए। समाज और गांव में बदनामी को छुपाने के लिए युवती के पिता ने नवजात शिशु को मौत के मुँह में धकलने की योजना बनाई और 23 सितम्बर को दोपहर में युवती, उसकी माता और पिता बस में बैठ कर सीता का कुंड महादेव पर पहुंचे, जहां सड़क से दूर जंगल में नवजात शिशु के मुँह में फेविक्विक लगाकर पत्थर डाला और बड़े-बड़े पत्थरों के ढेर में दबाकर फरार हो गए। इस वारदात के दौरान आरोपी कुंवारी युवती की मां ने उसके पति और बेटी को दोहिते को जंगल में फैंकने के लिये रो-रो कर मना किया था, लेकिन उसकी बात नहीं मानी। वारदात के बाद सीता का कुंड से तीनों बस में बैठ कर तिलस्वां महादेव चले गए और वहां एक धर्मशाला में ठहर गए थे, पुलिस की गठित टीम ने मध्यप्रदेश और वारदात स्थल के आसपास मुखबिरी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर जल्द गिरफ्तार किया है।

कुंवारी लड़की के जन्मे 20 दिन के शिशु के मुँह में फेविक्विक डालने और गर्म पत्थरों के बीच जमीन पर पड़े रहने से उसके शरीर में इंफेक्शन बढ़ गया। नवजात शिशु का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा हैं, वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में शिशु को रखा गया है। वहीं नवजात को गोद लेने वाले दम्पती आगे आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने कुमाता और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है, कुंवारी युवती के किस्से अवैध सम्बन्ध थे जिसकी जांच की जा रही हैं। वहीं नवजात बच्चे और उसकी निर्दयी मां का डीएनए टेस्ट भी कराया जाएगा।

सायबर फ्रॉड में लिप्त बैंक खाते का खाताधारक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने सायबर फ्रॉड में लिप्त बैंक खाते के खाताधारक को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों की घटनाओं को देखते हुए साइबर थाना एवं प्रत्येक थाना स्तर पर सायबर हेल्प डेस्क टीम का गठन किया जाकर टीम को सायबर अपराधों की रोकथाम हेतु साइबर ठगों व बैंक खातों की खरीद-फरोख्त करने वाले व्यक्तियों की धरपकड़ के लिये निर्देशित किया गया है।

शहर एसपी ने कहा कि सायबर अपराधों में लिप्त बैंक खातों के खाता धारको एवं फर्जी सिम विक्रेताओं के विरूद्ध कार्यवाही हेतु अभियान चलाये जा रहे हँ। शहर एसपी ने बताया कि इसी क्रम में पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने साइबर अपराधों के उपयोग में लिये गये बैंक खातों का रिकॉर्ड प्राप्त किया, जिसमें खाताधारक नासिर खान के विरूद्ध गुजरात व हरियाणा में तीन साइबर शिकायतें दर्ज होना पाया गया। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए रामचन्द्रपुरा छावनी निवासी नासिर खान को डिटेन कर पूछताछ की तो खाता धारक द्वारा खाता स्वयं का होना बताकर जोश आक्रोश में आ गया, जिस पर खाताधारक नासिर खान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पाबंद कराया गया। शहर एसपी ने कहा कि यदि खाता धारक को गिरफ्तार नहीं किया जाता तो वह अवश्य किसी सायबर घटना को अंजाम दे सकता था। शहर एसपी ने कहा कि मामले में खाताधारक के खाते का पूर्ण रिकॉर्ड प्राप्त कर कार्रवाई जारी है।

नकबजनी का आरोपी पकड़ा

बूंदी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने रजतगृह कॉलोनी में हुई नकबजनी का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपी प्रदीप बैरागी को गिरफ्तार कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया है। अनिता मीणा, निवासी रजतगृह गेट नंबर 6, बूंदी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वे 6 अगस्त को रात करीब 8 बजे अपने मकान पर ताला लगाकर गांव चली गई थी। उनके मकान में 8 जून की रात को अज्ञात व्यक्तियों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने एक हाथ घड़ी, गुल्लक से लगभग 3 हजार रुपए, अलमारी में रखे 10 हजार रुपए नकद चुराए। इसके अतिरिक्त, चांदी की तीन चुटकी, चांदी की दो जोड़ी पायल, सोने की एक बाली, एक नाक का कांटा, एक कैमरा और सोनाटा व टाइटन कंपनी की दो हाथ की घड़ियां भी चोरी हुई थी।

प्रदेश में नवीं कक्षा में प्रवेश लेने वाली 3.70 लाख छात्राओं को साइकिल का इंतजार

साइकिल नहीं मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं तीन माह से पैदल ही स्कूल जा रही है

बीकानेर, (निसं)। नया शिक्षा सत्र शुरू हुए तीन माह पूरे होने वाले हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों की नवी कक्षा में दाखिला लेने वाली छात्राओं को अभी तक निशुल्क साइकिल नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार पिछली बार की तरह इस बार भी साइकिल वितरण में विलंब हो रहा है। शिक्षा विभाग ने साइकिलों की खरीदने के लिए सितंबर माह में टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। अक्टूबर में वर्क आर्डर जारी होने की संभावना है। इसके बाद सप्लाई में तीन माह का वक्त और लगेगा। ऐसे में दिसंबर से पहले साइकिलों के पार्ट्स जिलों में पहुंचना संभव नहीं हो पाएगा।

■ पिछली बार की तरह इस बार भी साइकिल वितरण में विलंब हो रहा है

■ शिक्षा विभाग ने साइकिलों की खरीदने के लिए सितंबर माह में टेंडर प्रक्रिया शुरू की है

इंस्टालेशन में दो माह का समय लगेगा। इसके बाद वितरण की प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं 12 दिसंबर से 24 दिसंबर तक होगी। पिछले साल भी 9वीं कक्षाओं की छात्राओं को दिसंबर-जनवरी माह में साइकिलों का वितरण शुरू किया गया था। कमोबेश यही स्थिति इस शिक्षा सत्र में बन रही है। साइकिल नहीं मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं पिछले तीन माह से पैदल ही स्कूल जा रही है।

उधर, अभिभावक और शिक्षक नेता का कहना है कि राज्य सरकार की योजना अच्छी है लेकिन समय पर साइकिल नहीं मिलने से छात्राओं को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। शिक्षा निदेशालय ने जिलेवार निशुल्क साइकिल के लिए पात्र छात्राओं की संख्या मांग ली है। बीकानेर जिले में शिक्षा सत्र 2025-26 में 9वीं कक्षा में अध्यनरत 11586 छात्रों को निशुल्क साइकिल का वितरण किया जाएगा, जबकि पिछले साल जिले में 12081 छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरित की गई थी।

अतिक्रमणकारियों ने बुजुर्ग महिला का अन्तिम संस्कार रोका

प्रदर्शन के बाद पुलिस की समझाइश पर महिला का दाह संस्कार हुआ

टोंक, (निसं)। घाड़ थाना क्षेत्र के भंवरकोल गांव में अतिक्रमण के चलते 70 साल की बुजुर्ग महिला का शव छह घंटे तक अंतिम संस्कार बिना पड़ा रहा तथा मृतक के बेटे ने शव के रास्ते में आने वाले अतिक्रमण के खेत की मेढ़ को हटाने का प्रयास किया तो किसान मालिक भड़क गया और थप्पड़ मार दी। बाद में सूचना पहुंचे तहसीलदार ने मामला शांत करवाया तथा बाद में बुजुर्ग का अंतिम संस्कार किया गया।

घाड थाना प्रभारी हरिराम वर्मा ने बताया कि शिकायत मिलने पर पंहुचे टोंक तहसीलदार मानवेंद्र सिंह जायसवाल, देवली डीएसपी रामसिंह व अन्य पुलिस दल ने अतिक्रमण हटवाकर अंतिम संस्कार करवाया। अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नियमानुसार कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि भंवरकोल निवासी भूरी देवी बैरवा (70) की गुरूवार को मौत हो जाने के बाद परिजन जब उसके अंतिम संस्कार हेतु ट्रैक्टर में लकड़ियां भरकर शमशान घाट पहुंचे तो वहां पर शमशान के रास्ते में और श्मशान में कुछ लोग तारबंदी कर रखी थी। उसे परिजनों द्वारा हटाया जा रहा था, तभी लोडक्या गुर्जर मौके पर आकर परिजनों को शमशान घाट पर जलाने से मना कर दिया और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए देवलाल बैरवा के थप्पड़ मार दी। घटना की जानकारी मिलते ही समाज के लोगों में आक्रोश का माहौल हो गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण शव को शमशान के रास्ते में ले गए और शव को रखकर प्रदर्शन करने लगे। जिसकी सूचना मिलने पर घाड़ थाना प्रभारी हरिराम वर्मा मय जाब्ता मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाया तथा बाद में मौके पर देवली डीएसपी व टोंक तहसीलदार ने पहुंचकर परिजनों को समझाते हुए शमशान भूमि पर जेसीबी मशीन से ढोलबन्दी कर शव का अंतिम संस्कार कराया। इस दौरान मृतका के बेटे देवलाल बैरवा की ओर से थानेदार को दी गई रिपोर्ट देकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

■ मृतका के बेटे ने रिपोर्ट देकर अतिक्रमियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

निजी कृषि भूमि पर अतिक्रमण कर पीएम आवास योजना के तहत बनाया मकान

खातेदारों ने एसडीएम व विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की

छबड़ा, (निसं)। कस्बे में निजी व्यक्तियों के खातेदारी की कृषि भूमि पर अतिक्रमण कर पीएम आवास बनाए जाने का मामला सामने आया है। खातेदारों ने एसडीएम व विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की नियमानुसार जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने व अतिक्रमियों को भूमि से बेदखल किए जाने की मांग की।

खातेदार जगदीश ऐरवाल व ललित कुमार वर्मा ने एसडीएम व विकास अधिकारी को दिए ज्ञापन में बताया कि उनके व अन्य खातेदारों की शामलाती भूमि खाता संख्या 113 की खसरा नम्बर 24/1117 रकबा 0.9485 हेक्टेयर चांचौड़ा में स्थित हैं। उक्त खातेदारी की भूमि पर रमेश धाकड़ पुत्र देवलाल निवासी चांचौड़ा ने अतिक्रमण कर पीएम आवास योजना का लाभ लेते हुए मकान का निर्माण कर लिया। वहीं, उक्त अतिक्रमणसुदा भूमि पर ग्रामसेवक ने नियम विरूद्ध किश्तें भी जारी कर दी। जब उन्होंने अतिक्रमी रमेश से मकान बनाने के लिए मना किया तो वह लड़ाई-झगड़ा करने पर अमादा हुआ। उक्त भूमि का प्रकरण भी न्यायालय में विचाराधीन हैं। बावजूद इसके ग्राम सेवक ने किश्तें जारी कर दी और रमेश ने अतिक्रमण कर मकान बना लिया।

■ उक्त भूमि का प्रकरण भी न्यायालय में विचाराधीन हैं, बावजूद इसके ग्रामसेवक ने किश्तें जारी कर दी

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत नियम विरूद्ध तरीके से किश्तें जारी करना मिलीभगत और अतिक्रमियों को बढ़ावा देने की ओर इशारा करता है।

इस मामले में सहायक विकास अधिकारी राजेंद्र मीणा ने बताया कि इस सम्बंध में ग्राम सेवक को पत्र जारी कर मामले की जांच करवाई जाएगी। यदि यह मामला नियम विरूद्ध पाया जाता है तो निर्माणाधीन पीएम आवास रोक लगा दी जाएगी और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक संघ का सम्मेलन शुरू

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का जिला स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन के मुख्य अतिथि ज्वालाप्रसाद झाझड़िया सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, विशिष्ट अतिथि बीरबल सिंह सुंडा प्रधानाचार्य, बजरंग सिंह मूंड प्रदेश प्रतिनिधि थे। हवासिंह बामिल जिलाध्यक्ष ने सभी आगंतुक को एवं अतिथियों का स्वागत किया एवं शिक्षा नीति 2020 पर विचार व्यक्त किये। जिला मंत्री सुशील बुडानिया ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। चर्चा में विक्रमसिंह बुडानिया, सुभाष झाझड़िया, उम्मेदसिंह ढाका, सुरेंद्र कुमार महला, मूलचंद डूडी, केशर देव, पंकज कुमार, मानवेंद्र जैफ, हर्ष महला, रामावतार, ओमप्रकाश शर्मा, प्रभातीलाल सिरोवा सहित अन्य ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, गैर शैक्षिणक कार्यों से मुक्ति, पीडी मद का बजट एक मुश्त जारी करन सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई।

भीलवाड़ा की टूटी एवं गड्ढों वाली सड़कों को लेकर स्थाई लोक अदालत सख्त

जिला कलेक्टर, नगर निगम, यूआईटी, पीडब्ल्यूडी सहित सात को नोटिस जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की टूटी-फूटी और गहरे गड्ढों से भरी सड़कों को लेकर पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता श्यामलाल मल्होत्रा के मार्फत दायर परिवाद में स्थाई लोक अदालत भीलवाड़ा के अध्यक्ष शाहबुद्दीन, सदस्य गोरधन सिंह कावड़िया व सदस्या सुमन त्रिवेदी ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला कलेक्टर, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, नगर विकास न्यास, आरयूआईडीपी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को नोटिस जारी कर 13 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने के आदेश दिए।

■ अधिकारियों को नोटिस जारी कर 13 अक्टूबर को अदालत में उपस्थित होने के आदेश दिए

जाजू ने याचिका में बताया कि शहर में सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब है।

भीलवाड़ा शहर में कई जगह पर टूटी-फूटी और गहरे गड्ढों से भरी सड़कों से आमजन परेशान हैं।

गहरे गड्ढों और टूटी सड़कों के चलते आमजन को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन हादसे हो रहे हैं, जिससे लोग घायल हो रहे हैं। साथ ही, बरसात में गड्ढों में पानी भरने से मच्छर पनप रहे हैं और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। जाजू ने परिवाद में शहर की सैकड़ों जगहों की तस्वीरें भी न्यायालय में प्रस्तुत कीं। इनमें नगर निगम काइन हाउस चौराहा, कांवाखेड़ा, गंगापुर तिराहा, शास्त्री नगर, काशीपुरी चौराहा, तेजसिंह सर्कल, हरणी महादेव चौराहा, कृषि उपज मंडी रोड, सोनी हॉस्पिटल रोड, कनक पेट्रोल पंप रोड, जेल चौराहा, गर्ल्स कॉलेज चौराहा, हनुमान टेकरी, बड़ला चौराहा, गुरु गोविंद सिंह मार्ग, चामुंडा माता मंदिर रोड, आयकर भवन रोड सहित अनेक स्थान शामिल हैं। जाजू ने परिवाद में बताया कि 6 सितम्बर को नगर निगम आयुक्त, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और जिला कलेक्टर को लिखित में सड़कें ठीक करने का निवेदन भी किया गया, लेकिन लापरवाही बरतते हुए कोई कार्रवाई नहीं की गई।

अधिवक्ता श्यामलाल मल्होत्रा ने बताया कि सड़कें सार्वजनिक उपयोगिता सेवा का हिस्सा हैं और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों को सुगम आवागमन का मौलिक अधिकार है। जाजू ने परिवाद में दीपावली से पहले शहर को पाँच क्षेत्रों में बाँटकर सभी टूटी सड़कों और गहरे गड्ढों की मरम्मत कर गुणवत्तापूर्ण सड़कें बनवाने का आदेश जारी करने का निवेदन किया।

नेशनल हाइवे पर चलती ईको कार में आग लगी, बाल-बाल बचा परिवार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद नेशनल हाइवे-158 पर हरिपुरा चौकी के पास शुक्रवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां चलती हुई ईको कार अचानक आग की लपटों में घिर गई और जलकर खाक हो गई।

■ कार में सवार परिवार आसींद से भीलवाड़ा की ओर जा रहा था

गनीमत यह रही कि कार में सवार एक पूरा परिवार सुरक्षित बाहर निकल आया। यह घटना जिवलिया बस स्टैंड के निकट हुई बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, कार में सवार परिवार आसींद से भीलवाड़ा की ओर जा रहा था। नेशनल हाइवे-158 पर पहुंचते ही अचानक चलती कार में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों और नेशनल हाइवे की मेंटेनेंस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। इस घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन

ईको कार अचानक आग की लपटों में घिर गई और खाक हो गई।

फायर ब्रिगेड की गाड़ी लगभग आधे घंटे की देरी से घटनास्थल पर पहुंची। तब तक गाड़ी पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थी। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों की अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है। आसींद निवासी दीपक पूरी, उनकी पत्नी सोनू देवी और पुत्र तोनू पूरी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंचकर सूझबूझ से बचाया। अग्निशमन को बुलाया गया तब जाकर आग पर काबू पाया गया।

रिश्वत लेने के आरोपी इनकम टैक्स के दो अधिकारियों को चार-चार साल की सजा

पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा और पूर्व आईटीओ शैलेंद्र भंडारी को सीबीआई ने मार्च 2015 में रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा था

- **सीबीआई मामलात की अदालत ने 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया**
- **सीबीआई मामलात की अदालत ने बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले ज्वेलर को बरी किया**

जोधपुर, (कासं)। सीबीआई मामलात की अदालत ने पंद्रह लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में इनकम टैक्स विभाग के पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा और पूर्व आईटीओ शैलेंद्र भंडारी को चार-चार साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने दोनों पर 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। स्पेशल सीबीआई कोर्ट के जज भूपेंद्र सनाढ्य ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। वहीं बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले ज्वेलर को बरी कर दिया।

जानकारी के अनुसार मामला 31 मार्च 2015 का है। बाड़मेर के व्यापारी की शिकायत के बाद पवन कुमार शर्मा, शैलेंद्र भंडारी और ज्वेलर चंद्रप्रकाश कट्टा को गिरफ्तार किया गया था। बाड़मेर के व्यापारी किशोर जैन ने सीबीआई को शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि आयकर विभाग ने उसकी टैक्स देनदारी को मूल 2.5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 12 करोड़ रुपए कर दिया था। इस मामले को निपटाने के लिए विभाग के अधिकारियों ने शुरुआत में 25 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। बाद में बातचीत के बाद 23 लाख रुपए तय हुई। किशोर जैन की शिकायत के बाद सीबीआई ने ट्रैप ऑपरेशन की योजना बनाई। तब 31 मार्च 2015 को जौहरी चंद्रप्रकाश कट्टा के शोरूम पर शैलेंद्र भंडारी को 15 लाख रुपए की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ा गया। यह रकम मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा की तरफ से ली जा रही थी। इस ऑपरेशन में सीबीआई ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया था।

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की जांच में हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। पवन कुमार शर्मा के पास जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बेंगलुरु में कुल 400 करोड़ रुपए की संपत्ति होने का पता चला। इनमें बंगले और फार्म हाउस शामिल थे। इन्हें लग्जरी फर्नीचर और बेशकीमती सामान से सजाया गया था, जिनकी कीमत भी करोड़ों रुपए में थी। बंगलों के हर कमरे में 18-18 हजार रुपए के डिजाइनर पंखे लगे थे। पवन कुमार को चांदी के कप में चाय पीने और सोने के चम्मच का इस्तेमाल करने का शौक था। उसके घर से 50 बोतल महंगी विदेशी शराब भी बरामद हुई थी। सीबीआई ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप था कि विभाग के अफसरों ने किशोर जैन से उसकी कंपनी के वर्ष 2012-13 के आयकर असेसमेंट को सुलझाने के लिए 23 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

गौरतलब है कि व्यापारी किशोर जैन के यहां बाड़मेर के असिस्टेंट कमिश्नर ने आयकर सर्वे कराया था। गलत ढंग से पांच करोड़ रुपए डिमांड निकाल दी। जॉइंट कमिश्नर जय सिंह से शिकायत की तो उन्होंने उल्टा व्यापारी और उसके क्लाइंट के खाते सीज करा दिए थे।

व्यापारी ने कमिश्नर अपील में मामला उठाया था। फैसला उसी के पक्ष में आया था। इसके बावजूद आयकर अधिकारियों ने कारोबारी के खाते नहीं खुलने दिए थे। लगातार चीफ कमिश्नर से मिलने का दबाव बनाया गया था। व्यापारी जोधपुर में तत्कालीन आयकर अधिकारी और चीफ कमिश्नर से मिला था। उससे 25 लाख रुपए घूस मांगी थी, जिसमें 23 लाख रुपए देना तय हुआ। अधिकारियों ने पैसा बिचौलिए ज्वेलर के यहां पहुंचाने को कहा था। इसके बाद व्यापारी ने मामला सीबीआई तक पहुंचाया था। इस मामले की जांच सीबीआई ने बारीकी से की थी, जिसमें यह साबित हुआ कि दोनों अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ज्वेलर्स से अवैध राशि ली। अदालत ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें चार-चार साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। मामले में बिचौलिए ज्वेलर्स चंद्रप्रकाश कट्टा को दोषमुक्त कर दिया गया है। मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पीके शर्मा और शैलेंद्र भंडारी ने भ्रष्टाचार के जघन्य कृत्य किए, जो सार्वजनिक विश्वास के लिए गंभीर चोट हैं। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर सख्ती आवश्यक है।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। लोहावट पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फलोदी पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि गत 18 सितंबर को पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके दूर के रिश्तेदारों ने उसे कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद उसकी अश्लील तस्वीरें खींचकर वायरल करने की धमकी दी गई और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने विशेष टीम गठित की। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अचलाराम और कालुराम को गिरफ्तार कर लिया।

हत्या का आरोपी पुत्र गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ पुलिस ने गत 19 सितंबर को आपसी कहासुनी के बाद पिता की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि पिता और पुत्र के बीच छोटी सी बात पर विवाद हुआ था। तैश में आकर श्रवण ने अपने पिता रूपाराम मेघवाल पर लाठी से वार कर हत्या कर दी। इसके बाद वह घटना छुपाकर कमरे में बंद हो गया। अगले दिन बीस सितंबर को वह पत्नी की चतुर्थ श्रेणी परीक्षा दिलाने जोधपुर गया और फिर ससुराल फलसूंड चला गया। फिर 22 सितंबर को वापस शेरगढ़ लौटने पर पिता के बारे में पूछताछ होने पर वह घबराया और फलसूंड चला गया।

कोठारी बांध में महिला की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के नंदराय क्षेत्र में कोठारी नदी पर बने कोठारी बांध में शुक्रवार सुबह एक महिला का शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया, बाद में महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर कोटड़ी व बिगोद थाना पुलिस मुख्य पर पहुंची। बताया जा रहा है कि महिला का शव करीब 5 से 6 दिन पुराना हो सकता है। मौके पर पहुंची शव को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। सहायक उप निरीक्षक कैलाश प्रजापत ने बताया कि महिला के शव को बांध के पानी से बाहर निकाल कर शिनाख्त का प्रयास किया जाएगा। लाश मिलने की खबर क्षेत्र में फैलने से आसपास से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ बांध पर जमा हो गई।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला - पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/5953 दिनांक 23.09.2025

-: ई-निविदा 11/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 01 विकास कार्यो की कुल लागत 15.00 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित हैः-

1. DLB2526WSOB19444

Bid Selling Last Date	06-10-2025/10.00am

प्रशासक नगरपालिका, सुमेरपुर — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, सुमेरपुर

राज.संवाद/सी/25/10971

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)

क्रमांकः- 186 दिनांकः- 18.09.2025

ई-निविदा सूचना

नगरपालिका सूरौठ में निर्माण कार्य/विकास कार्य के लिए आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 नगर पालिका/नगर परिषद/नगर निगमों/ नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्सता प्राप्त पंजीकृत संवेदको, प्लेसमेंट एजेन्सी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजसथान सरकार के एए,ए,बी. श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो,से कार्यो हेतू ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN NO. DLB2526WSOB19328

अध्यक्ष नगर पालिका सूरौठ — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ

राज.संवाद/सी/25/10853

पिकअप-ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में बालिका की मौत, 21 जने घायल

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके के नेशनल हाइवे नंबर-27 पर पिकअप चालक ने पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी ट्रॉली पलटा खा गई, जिसके नीचे दबने से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार बालिका की मौत हो गई एवं 21 जने घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार माली समाज के लोग कोटा के चारगांव, डाबर बमोरी व अन्य गांव से देवताओं की रसोई लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से झालावाड़ के मऊ महाराज जा रहे थे, तभी सीमलिया थाना इलाके में चींसा के पास भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में घायलों को कोटा के एमबीएस अस्पताल लाया गया, जहां घायल बालिका ने दम तोड़ दिया। सीमलिया थानाधिकारी सुरेश शर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर ट्रॉली में 35 से 40 व्यक्ति बैठे थे, यह नेशनल हाइवे-27 पर गढ़ेपान से बारां रोड की तरफ जा रही थी। पीछे से आई पिकअप ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। जिससे ट्रॉली पलट गई और सवारियां दब गई। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, आसपास के लोगों ने सवारियां निकाली और एंबुलेंस से कोटा के एमबीएस अस्पताल भेजा। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में डाबर बमोरी निवासी 11 वर्षीय रश्मि पुत्री शुभकरण माली की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद पिकअप को डिटेन कर लिया है। मौके से पिकअप चालक फरार हो गया। मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश जारी है। हादसे में पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार घायलों में कन्हैया लाल, बाबूलाल, सुगना बाई, मनभर, शिवनंदन, बद्री लाल, कुंज बिहारी, चेतन, विशाल, विहान, दिव्यांशी, विमला बाई, सीता, निशा, लक्ष्मी, विमला, राजेश व मिष्ठी है।

ट्रक वालों से ठगी मामले में नकली सेल्स ऑफिसर गिरफ्तार

आरोपी व्यक्ति पूर्व सरपंच रह चुका है, इस समय आरोपी की मां सरपंच है

- **आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे पर ट्रक वालों को शिकार बनाता था, आरोपी के खिलाफ एक ट्रक ड्राइवर ने एफआईआर दर्ज करवाई थी**
- **आरोपी का दो दिन पहले एक वीडियो भी सामने आया था जो वायरल हो रहा था, आरोपी को कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया था**
- **मामले को लेकर पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि आरोपी ने अभी तक कितने लोगों से ठगी की है**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर थाना पुलिस ने एक नकली सेल्स ऑफिसर को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यक्ति पूर्व सरपंच रह चुका है। इस समय आरोपी की मां सरपंच है। आरोपी आगरा जयपुर नेशनल हाईवे पर सेल्स टैक्स ऑफिसर बनकर ट्रक वालों से ठगी करता था।

आरोपी के खिलाफ एक ट्रक ड्राइवर ने एफआईआर करवाई है। आरोपी का दो दिन पहले एक वीडियो भी सामने आया था जो वायरल हो रहा था। आरोपी को कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया था। जब आरोपी से पूछा गया कि वह किस विभाग से है तो, वह तरह-तरह के बहाने बनाता नजर आ रहा है। दो दिन पहले आरोपी का वीडियो सामने आया था। ग्रामीण सीओ आकांशा चौधरी ने बताया कि दो दिन पहले एक वीडियो सामने आया था। वह वीडियो मलाह गांव इलाके का था। जिसमें आरोपी महावीर यादव निवासी गुरिया थाना जुरहरा जिला डीग ट्रक वालों से ठगी कर रहा था तो, उसे कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया। वीडियो में ट्रक वाले महावीर से पूछ रहे हैं वह किस विभाग से है, जिस पर महावीर तरह-तरह के बनाते नजर आ रहा है। बाद में महावीर मौका पाते ही अपनी कार लेकर वहां से फरार हो जाता है। वीडियो पर तुरंत संज्ञान लेते ही पुलिस मामले की जांच में लगी। इसके साथ ही आज एक ट्रक ड्राइवर राहुल शर्मा ने आरोपी के खिलाफ एक्सटॉर्शन का मामला दर्ज करवाया, जिसके बाद पुलिस ने मामले पर तुरंत संज्ञान लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जिससे यह पता लगाया जा सके कि आरोपी ने अभी तक कितने लोगों से ठगी की है और वह किस तरह से ठगी करता था। जांच में यह सामने आया है कि आरोपी गुरिया गांव से सरपंच रह चुका है। इस समय आरोपी महावीर की मां फूलवती सरपंच है।

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/2627-29 दिनांक : 23.09.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 24.09.2025 से दिनांक 06.10.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 07.10.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान **"M.D. RISL Jaipur"** के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A6325

UBN:-DLB2526WSOB19476, DLB2526WSOB19479, DLB2526WSOB19483

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़

राज.संवाद/सी/25/10927

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/2665-67 दिनांक : 23.09.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 25.09.2025 से दिनांक 07.10.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 08.10.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A6333

UBN:- DLB2526WSOB19492, DLB2526WSOB19493, DLB2526WSOB19494, DLB2526WSOB19495, DLB2526WSOB19496, DLB2526WSOB19498, DLB2526WSOB19499, DLB2526WSOB19500, DLB2526WSOB19502, DLB2526WSOB19503, DLB2526WSOB19504, DLB2526WSOB19505, DLB2526WSOB19506, DLB2526WSOB19507, DLB2526WSOB19508, DLB2526WSOB19509

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रतनगढ़

राज.संवाद/सी/25/10929

दो ट्रकों में भिड़ंत के बाद आग लगी, एक चालक जिंदा जला

बीकानेर, (निसं)। यहां भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर दो ट्रकों में टक्कर के बाद आग लग गई। इसमें एक ट्रक का ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसा लूणकरणसर के कालू थान क्षेत्र का है। हादसे में ड्राइवर केबिन में फंस गया था, जिसकी वजह से वह जिंदा जल गया।

कालू थानाधिकारी धर्मवीर ने बताया कि भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर मनाड कोलाययत निवासी पेमाराम साइड में ट्रक लेकर खड़ा था। इस दौरान पीछे से आया खियेरा निवासी ओमप्रकाश स्पीड में आया और पेमाराम के ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों ट्रक में आग लग गई। थाना अधिकारी ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद ओमप्रकाश केबिन में फंस गया। इस दौरान उसने बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन वह बाहर नहीं आ पाया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से ओमप्रकाश का शव बाहर निकाला। वहीं पेमाराम को लूणकरणसर हॉस्पिटल लाया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No. 950 Date: 18.09.2025

Notice Inviting Bid

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00, 15.00 Cr. NP/ML Road Work" NIT No. 11/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 06.10.2025. Other Particulars of the bid may be visited on the procuremen portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 289.41 lacs.

UBN NO. 1. PWD2526WSOB12647, 2. PWD2526WSOB12648, 3. PWD2526WSOB12651, 4. PWD2526WSOB12652, 5. PWD2526WSOB12654, 6. PWD2526WSOB12655, 7. PWD2526WSOB12658

(Laxmi Narayan Meena) Executive Engineer PWD Division Mangrol

DIPR/C/14076/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1820-37 दिनांक-23.09.2025

Notice Inviting Bid: 37-38/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 06.10.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 133.16 Lacs and maximum value of single work in this procurement is 78.53 Lac.

NIT NO.	37	38
UBN NO.	PHE2526WSOB06931	PHE2526WSOB06932

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/14006/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई

क्रमांक-3070-79 दिनांक-16.09.2025

निविदा सूचना संख्या-23/2025-26 खण्ड निवाई

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड निवाई में सडक/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए", एवं "एए" "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट www.diproline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं पर www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE: PWD2526A3340, 1. PWD2526WSOB12466, 2. PWD2526WSOB12469, 3. PWD2526WSOB12473, 4. PWD2526WSOB12476, 5. PWD2526WSOB12477, 6. PWD2526WSOB12478

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड निवाई

DIPR/C/13997/2025

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013

E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/6217 दिनांक :- 24/09/2025

ई - बिड सूचना संख्या 34-I-II-III/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तो आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।

(UBN No. :- ITB2526WSOB00220 - 27)

राज.संवाद/सी/25/10902 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगरपालिका टोडाभीम जिला-करौली (राज.)

क्रमांक/नपाटो/2025-26/1262 दिनांकः-20.09.2025

निविदा सूचना

पालिका टोडाभीम में कार्य की निविदा NIB CODE- DLB2526A6260 यूबीएन नं. DLB2526WSOB19331, DLB2526WSOB19332, DLB2526WSOB19333, DLB2526WSOB19334, DLB2526WSOB19336, DLB2526WSOB19337, DLB2526WSOB19338, DLB2526WSOB19339, DLB2526WSOB19340, DLB2526WSOB19342 आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका टोडाभीम

राज.संवाद/सी/25/10864

1300 प्रिंसिपल का बिना आवेदन ट्रांसफर किया, देने होंगे भत्ते

- **अगर किसी प्रिंसिपल का सरकार बिना आवेदन किए ट्रांसफर करती है तो एक लाख रुपए का खर्च आता है**

बीकानेर, (निसं)। जयपुर सहित राज्यभर के सैकड़ों टीचर्स को दो सौ से पांच सौ किलोमीटर लंबी दूरी तय करके अब नए स्थान पर काम करना होगा। ये किसी के लिए सजा साबित हुई है तो किसी के लिए राहत भरा आदेश है। जानकारी के अनुसार विभाग को उन टीचर्स को यात्रा सहित अन्य भत्ते देने पड़ रहे हैं, जिन्होंने ट्रांसफर के लिए आवेदन ही नहीं किया था। ऐसे प्रिंसिपल को हटाकर डिजायर वाले प्रिंसिपल को लगाया गया है। इस तबादला आदेश में राजस्थान के उन जिलों से भी प्रिंसिपल हट गए हैं, जहां से आमतौर पर ट्रांसफर अन्य जिलों में नहीं होते। डार्क जोन कहे जाने वाले पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में पोस्टिंग करवाने के बाद प्रिंसिपल सहित अन्य टीचर्स वापस अपने गृह जिलों में चले जाते हैं। ऐसे में यहां पद फिर से रिक्त रह जाते हैं। इनमें जैसलमेर, बाड़मेर, बांसवाड़ा, जालौर, सिरोही, बीकानेर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां और झालावाड़ है। यहां से बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को फिर से उनके गृह जिलों में भेज दिया गया है, जिससे सीमावर्ती जिलों में स्कूल फिर से खाली हो गए।

जैसलमेर में कुल 96 प्रिंसिपल के ट्रांसफर हुए। इससे यहां 11 स्कूलों में अब प्रिंसिपल नहीं रहे। दरअसल, जैसलमेर से जैसलमेर में तो महज बीस ही ट्रांसफर हुए हैं। शेष 74 प्रिंसिपल को जैसलमेर से अन्यत्र भेज दिया गया। सिफारिश और डिजायर के आधार पर ये प्रिंसिपल अपने-अपने गृह जिलों में चले गए। वहीं अन्य जिलों से जैसलमेर में भी तबादले हुए। इससे ये संख्या बढ़कर 85 तक पहुंची, लेकिन 11 स्कूल फिर भी बिना प्रिंसिपल के रह गए। कमोबेश ऐसे ही हालात अन्य जिलों के भी है।

बांसवाड़ा को इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। यहां से 72 प्रिंसिपल का ट्रांसफर हुआ लेकिन 79 की पोस्टिंग हुई। 92 में से 53 को तो बांसवाड़ा से बांसवाड़ा में ही इधर-उधर किया गया था। वहीं अन्य जिलों से भी 39 प्रिंसिपल को बांसवाड़ा में लगाया गया है। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर से तीन प्रिंसिपल का ट्रांसफर साढ़े छह सौ किलोमीटर दूर बांसवाड़ा में किया गया है। कभी डार्क जोन में रहे बाड़मेर को भी इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। दरअसल, यहां से 102 प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए गए हैं, जिसमें 37 को बाड़मेर में ही लगाया गया, लेकिन 65 प्रिंसिपल बाडमेर छोड़ अपने गृह जिलों में या फिर सुविधाजनक जिलों में चले गए। वहीं बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को अन्य जिलों से बाड़मेर भेजा गया है। इसमें सर्वाधिक नागौर से बीस प्रिंसिपल साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर बाड़मेर भेजे गए हैं। चार प्रिंसिपल को तो अलवर से बाड़मेर भेजा गया है। दोनों जिलों के बीच सात सौ किलोमीटर की दूरी है। करीब चार सौ किलोमीटर दूर अजमेर से भी सात प्रिंसिपल को बाड़मेर भेजा गया है।

अगर किसी प्रिंसिपल को सरकार बिना आवेदन किए ट्रांसफर करती है तो एक लाख रुपए का खर्च आता है। ऐसे प्रिंसिपल को नए पोस्टिंग स्थल पर जाने के लिए दस दिन की छुट्टी के रुपए, चार जनों के टिकट, करीब बीस हजार रुपए ट्रक ट्रांसपोर्ट के रुपए देने पड़ते हैं। इनके अलावा भी कई छोटे बड़े खर्च को मिलाकर एक लाख रुपए का सरकार को भुगतान करना पड़ता है।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

RIICO (राजस्थान सरकार का उपक्रम)

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201

ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर-इकाई कार्यालय के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र ईपीआईपी, सीतापुरा प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ चरण एवं संस्थानिक क्षेत्र व विशेष आर्थिक क्षेत्र प्रथम एवं द्वितीय, रामचन्द्रपुरा, प्रहलादपुरा एवं आवासीय कॉलोनी में नियमित रख-रखाव एवं संधारण का कार्य। **RDC2526WLOB00988(1017.88),** RDC2526WSOB00990(1.76), RDC2526WSOB00992(1.76), RDC2526WSOB00993(1.87), **अजमेर**-नए औद्योगिक क्षेत्र केकड़ी विस्तार में विकास के कार्य। **RDC2526WLOB01013(578.07), किशनगढ़-RDC2526WSOB01012(289.41), नीमराना**-RDC2526WSOB00987(4.66), RDC2526WSOB00989(5.09), RDC2526WSOB00991(15.11), **भरतपुर-RDC2526WSOB01003(446.91), दौसा-RDC2526WSOB00964(246.58),** RDC2526WSOB00963(115.24), RDC2526WSOB00995(8.29), **कोटा-RDC2526WSRC01004(415.48),** RDC2526WSRC01005(2.46), RDC2526WSOB00996(1.91), RDC2526WSOB00999(15.66), RDC2526WSOB01002(11.67), **जयपुर(दक्षिण)**-RDC2526WSRC00961(4.95), **बोरानाड़ा**-RDC2526WSOB00962(46.13), RDC2526WSOB00966(99.55), **अलवर**-RDC2526WSOB00977(1.99), RDC2526WSOB00978(1.75), RDC2526WSOB00979(1.72), **पाली**-RDC2526WSOB00967(6.53), RDC2526WSOB00969(7.27), RDC2526WSOB00971(4.90), RDC2526WSOB00972(8.87), RDC2526WSOB00973(3.75), RDC2526WSOB00974(7.77), RDC2526WSOB00975(13.43), RDC2526WSOB00976(42.68), **जोधपुर**- RDC2526WSOB00980(7.00), **बांसवाड़ा**-RDC2526WSOB00985(6.41), **जयपुर(उत्तर)**- RDC2526WSOB00981(15.83), RDC2526WSOB00982(49.85), RDC2526WSOB00983(3.84), RDC2526WSOB00984(19.01), RDC2526WSOB00986(1.90), **श्रीगंगानगर**-RDC2526WSOB00994 (5.53), **भिवाड़ी(प्रथम)**-RDC2526WSOB00997(10.23), RDC2526WSOB00998(3.11), RDC2526WSOB01000(24.53), RDC2526WSOB01001(7.70), **नागौर**-RDC2526WSOB01006(1.88), RDC2526WSOB01008(1.68), RDC2526WSOB01009(1.91), RDC2526WSOB01010(1.49), **भिवाड़ी(द्वितीय)**-RDC2526WSOB01011(98.50)

कुल कार्यों की संख्या-49

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593243

Raj.Samwad/C/25/10962

भतीजे से यौन-उत्पीड़न के आरोप में चाची गिरफ्तार

नाबालिग बात नहीं मान रहा था तो रेप केस किया, पुलिस जांच में महिला की कहानी झूठी निकली

बीकानेर, (निसं)। यहां एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने चाची को नाबालिग भतीजे से यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है।

आरोपी महिला ने जिले के नाल थाना में नाबालिग के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया। पुलिस जांच में महिला की कहानी झूठी निकली। वहीं, 25 सितंबर को नापासर थाना में नाबालिग के मां-बाप ने यौन-उत्पीड़न का केस दर्ज कराया। जांच के बाद आरोपी महिला को गिरफ्तार कर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

नापासर थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार ने बताया कि 24 वर्षीय शादीशुदा महिला नाबालिग का देह शोषण करती थी। कुछ समय बाद नाबालिग उसके पास जाने से इनकार करने लगा। इस बात से नाराज आरोपी ने उसे धमकाने-डराने के लिए रेप केस कर दिया। जांच में महिला की कहानी झूठी निकली। वहीं, 25 सितंबर को नाबालिग के परिवार ने नाल थाने महिला के खिलाफ केस दर्ज कराया। उन्होंने यौन उत्पीड़न के साथ नाबालिग के रुपए-मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में महिला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला और नाबालिग रिश्ते में चाची-भतीजा है।

चोरी का ट्रेलर जब्त, दो जने गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के सुपरविजन में अरविन्द कुमार वृत्ताधिकारी पीपलू व बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह द्वारा गठित टीम ने थाना में दर्ज प्रकरण में आरोपियों से पूछताछ व निशानदेही के बाद चोरी किये गये एक ट्रेलर को कोटा जिले की बोर्डर पर गरोठ रोड दिल्ली मुम्बई हाईवे के नीचे से बरामद किया गया। इस दौरान गिरफ्तार किये गये दो आरोपी आशाराम पुत्र मिश्रीलाल गुर्जर व देवराज पुत्र श्रीराम गुर्जर दोनों निवासी जैबाडिया थाना बरोनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org

क्रमांकः- राजस्व/2025-26/829 दिनांकः- 22.09.2025

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या ई-04/2025-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम उदयपुर द्वारा दीपावली मेला-2025 में दिनांक 09.10.2025 से 23.10.2025 तक नगर निगम टाउन हॉल परिसर उदयपुर मे आयोजित किया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हेतु संलग्न आवेदन पत्र व कार्यक्रम विवरण अनुसार अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रारम्भ तिथि 23.09.2025 एवं अंतिम तिथि 30.09.2025 तथा निविदा खुलने की तिथि 01.10.2025 रहेगी। निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।

UBN No. UNP2526SLOB00091

निविदा के कार्य	3 कार्य
निविदा की अनुमानित राशि	75.00 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक व समय	23.09.2025 प्रातः 10.00 बजे
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा करने की अंतिम दिनांक	30.09.2025 सायं 06.55 बजे
ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	01.10.2025 दोपहर 12:00 बजे

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन का विवरण

नगर निगम उदयपुर द्वारा दीपावली मेला 2025 दिनांक 09.10.2025 से 23.10.2025 तक आयोजित किया जायेगा जिसमें निम्नलिखित दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र.स.	दिनांक	कार्यक्रम	अनुमानित राशि (लाखों में)
1	13.10.2025	स्वर और विरासत	45.00
2	14.10.2025	रंग, रोशनी व राग	15.00
3	15.10.2025	भक्ति वंदना	15.00

आयुक्त नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/10888

अक्टूबर में चलेगा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान : अतिरिक्त मुख्य सचिव

राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930 से प्रदेश में लगेगी साइबर क्राइम पर लगाम

जयपुर। प्रदेश में त्योहारों के सीजन के चलते ऑनलाइन ठगी एवं अन्य साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराधों से रोकथाम के लिए गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री भास्कर ए. सावंत ने राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930, साइबर सुरक्षा जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी विभाग को एकजुट होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अक्टूबर माह में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिससे प्रदेश में प्रत्येक व्यक्ति तक इस हेल्प लाइन नं. 1930 की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

■ साइबर अपराधों के विरूद्ध लड़ाई में ऊर्जा, पीएचईडी, शिक्षा, जनसंपर्क विभाग, बैंक सहित सभी विभाग एकजुट

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में साइबर ठगी से रोकथाम एवं साइबर जागरूकता को लेकर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहें थे।

उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को शहर के प्रमुख चौराहों पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930 और साइबर अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरुकता के लिए होर्डिंग्स लगवाने, जिलों में सोशल मीडिया जैसे इस्ट्राग्राम, फेसबुक एवं एक्स हैण्डलस पर स्थानीय इंफलुएसर्स के साथ मिलकर प्रचार-प्रसार, ऊर्जा एवं पीएचईडी विभाग को उपभोक्ता बिलों पर 1930 हेल्प लाइन नम्बर का प्रकाशन, शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक संघों के साथ बैठक आयोजित कर साइबर सुरक्षा जागरूकता पहलुओं जैसे ओटीपी, एटीम पासवर्ड साझा नहीं करना, अनजान लिंक्स पर क्लिक नहीं करने, अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने, डाटा प्राईवेसी, डिजिटल पेमेंट सेफ्टी आदि से संबंधित सुरक्षा प्रावधानों के बारे में जागरुक करने के निर्देश दिए।

शासन सचिवालय में साइबर ठगी से रोकथाम एवं साइबर जागरूकता को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जिला स्तर पर कलक्टर एवं एसपी को अपने जिले के शीर्ष बैंकों, व्यापारी संघों के साथ बैठक आयोजित कर आमजन को हैल्प लाईन नं. 1930 के बारे में जागरूक करने एवं अन्य साइबर सुरक्षा संबंधी पहलुओं के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव श्री रवि कुमार सुरपुर, गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव श्री महेंद्र कुमार खींची, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सचिन मित्तल, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा सहित ऊर्जा, पीएचईडी, उपभोक्ता मामले एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मिलने का झांसा दे मूकबधिर लड़की से दुष्कर्म

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट में रहने वाली एक मूकबधिर लड़की के गलत नंबर पर वीडियो कॉल लग गया। जिसके बाद अज्ञात बदमाश ने पीड़िता से इशारों में बात कर उसे मिलने का झांसा देकर अकेले में बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद शातिर बदमाश ने किसी को ये बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। लड़की गुमशुम रहने लगी तो परिजनों ने वजह पूछी। जिसके बाद पीड़िता ने इशारों के माध्यम से परिजनों को आपबीती सुनाई । घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित पिता ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ पॉस्को एक्ट का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।पुलिस ने बताया कि पीड़ित पिता का आरोप है कि उसकी मूकबधिर बेटी से 10 दिन पहले गलत नंबरों पर वीड़ियों कॉल लग गया था। जिसके बाद आरोपी अज्ञात लड़के ने इशारो में लड़की से बात की। जिसके बाद आरोपी ने दो -तीन बार वीड़ियो कॉल किया। शातिर बदमाश ने इशारो के माध्यम से लड़की को मिलने का झांसा देकर हाट बाजार बुलाया। जहां से आरोपी उसे बाइक पर बैठाकर एक होटल में ले गया। आरोपी ने होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और ये बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पिता को वारदात की जानकारी मिलने के बाद उन्होने थाने पहुंच अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

शिक्षा विभाग में विभिन्न संवर्ग के 12193 कार्मिकों को मिली पदोन्नति

विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में चयनित हुए कार्मिक

जयपुर । राजस्थान सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से अजमेर में आयोजित विभागीय पदोन्नित समिति (डीपीसी) की बैठक में वर्ष 2025-26 हेतु अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं उप निदेशक तथा वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 हेतु उप-प्राचार्य पदों की नियमित डीपीसी में कुल 11,886 कार्मिकों का चयन किया गया।

इसी प्रकार विभिन्न संवर्गों की रिव्यू डीपीसी में भी चयन किया गया, जिनमें द्वितीय श्रेणी अध्यापक से प्राध्यापक पद पर 205 कार्मिक, छाया पद प्राचार्य पर 12, छाया पद प्राध्यापक पर 14 तथा प्राचार्य रिव्यू डीपीसी के अंतर्गत व्यक्तिगत प्रकरणों में 2 कार्मिक शामिल रहे। समग्र रूप से विभाग में अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक एवं उप-प्राचार्य पदों की नियमित डीपीसी तथा प्राध्यापक (विभिन्न विषय-रिव्यू), छाया पद प्राचार्य एवं प्राध्यापक तथा प्राचार्य (रिव्यू) सहित कुल 12,193 कार्मिक पदोन्नित से लाभान्वित हुए हैं।

उक्त डीपीसी राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा मनोनीत माननीय सदस्य प्रो. (डॉ.) अय्यूब खान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें सदस्य सचिव निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान श्री सीताराम जाट, कार्मिक विभाग से मनोनीत श्री सैयद सिराज अली जैदी तथा शासन द्वारा नामित संयुक्त शासन सचिव श्री मनीष गोयल सदस्य के रूप में सम्मिलित रहे।

ये पदोन्नितयां राज्य की शिक्षा व्यवस्था में रिक्त पदों की पूर्ति एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक कदम हैं। शिक्षामंत्री श्री मदन दिलावर एवं शासन सचिव, शिक्षा श्री कृष्ण कुणाल ने पदोन्नत अधिकारियों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनसे प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आ ान किया।

श्री मदन दिलावर, शिक्षामंत्री राजस्थान ने कहा कि शिक्षा विभाग के 12,193 कार्मिकों की पदोन्नित राज्य सरकार की शिक्षण नेतृत्व में समावेशिता और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मैं सभी नव पदोन्नत कार्मिकों को हार्दिक बधाई देता हूं और अपेक्षा करता हूं कि ये सभी कार्मिक प्रदेश के शैक्षिक परिदृश्य को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे।

गोविंद देवजी मंदिर में पंच कुंडीय दुर्गा-गायत्री महायज्ञ कल

जयपुर। शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को सुबह आठ से दस बजे तक शक्ति साधना महोत्सव-2025 का आयोजन किया जाएगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी, देवमाता गायत्री, मां दुर्गा और गुरु सत्ता के षोडशोपचार पूजन के बाद पंच कुंडीय दुर्गा गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शारीरिक, आर्थिक, मानसिक सहित किसी भी तरह की अशक्ति को दूर कर शक्ति अर्जन के लिए दुर्गा गायत्री महामंत्र गिरिजायै विद्महे शिवप्रियाय च धीमहि तन्नो दुर्गा प्रचोदयात् के साथ आहुतियां प्रदान की जाएंगी। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि यज्ञ निशुल्क है। सभी आवश्यक सामठाी निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। यज्ञ का संचालन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली संपन्न कराएगी। जो लोग घरों पर गायत्री मंत्र या अन्य मंत्र का जाप कर रहे हैं।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-13/2025/डी-2122 दिनांक-26.09.2025

विज्ञप्ति

सार्वजनिक को सूचित किया जाता है इस कार्यालय में जविप्रा की आवासीय योजना कल्पना नगर के भूखण्ड संख्या एच-204 क्षेत्रफल 200.00 वर्गमीटर की लीज होल्ड से फ्री होल्ड लीजडीड हेतु सुश्री जयश्री यादव एवं सुश्री राज्यश्री यादव पुत्रीयान स्व. श्री रूपनारायण यादव द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ पहचान पत्र, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड की छायाप्रति के आधार पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
आवेदित भूखण्ड की लीजडीड जविप्रा द्वारा दिनांक 21.09.2010 को श्री गुलाब चन्द कुलदीप पुत्र श्री प्रभुदयाल कुलदीप के पक्ष में जारी की गयी थी। श्री गुलाब चन्द कुलदीप पुत्र श्री प्रभुदयाल कुलदीप द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 11.10.2010 को श्रीमती अजवानी बाई पत्नी श्री सरदार सिंह को किया गया है। श्रीमती अजवानी बाई पत्नी श्री सरदार सिंह द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 20.09.2023 को श्रीमती नीलम मीना पत्नी श्री बबलू राम मीना को किया गया है। श्रीमती नीलम मीना पत्नी श्री बबलू राम मीना द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 27.02.2024 को सुश्री जयश्री यादव एवं सुश्री राज्यश्री यादव पुत्रीयान स्व. श्री रूपनारायण यादव के पक्ष में किया गया है।
अपने आवेदन पत्र के साथ पहचान पत्र, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, जविप्रा द्वारा जारी लीजडीड की छायाप्रति के आधार पर यदि किसी संस्था/व्यक्ति/हितधारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपत्ति जोन कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है अन्यथा 7 दिवस पश्चात भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण/लीजडीड जारी की कार्यवाही प्रारंभ कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-13, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/687
चूंकि प्रार्थी श्री AMIT KUMAR JAIN 122 SHREE GOPAL NAGAR MAHESH NAGAR KE PASS JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास गुरूकुल शिक्षा समिति 122 SHREE GOPAL NAGAR MAHESH NAGAR KE PASS JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 03.12.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/691
चूंकि श्री ARUN KUMAR JAIN 122 SHREE GOPAL NAGAR GOPALPURA MAHESH NAGAR THANA JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास वारेन शिक्षा संस्था 50A JANAKPURI-I IMLI PHATAK JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02.12.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/692
चूंकि श्री HANS KUMAR BRAHM BHATT, JAGO KA MOHALLA NANGAL SOOSAWATAN JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास नमस्ते भारत फाउण्डेशन 66A BHOMIYA NAGAR EXTE JHOTWARA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02.12.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/697
चूंकि श्री MANOJ KUMAR AGARWAL 16 AGARSEN COLONY BRAHAMPURI JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास डीएवी मान्टेसरी स्कूल समिति, जयपुर, 16 AGARSEN COLONY BRAHAMPURI JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 24.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.12.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया

मैं जय मिश्रा पुत्र छात्रपाल मिश्रा मेरे 10वीं क्लास की ट्रांसफर सर्टिफिकेट जो कि केवी-2, जयपुर की थी कहीं गुम हो गई मिलने पर सूचित करें।-91-8107176471

प्लॉट नंबर ए-23, हरिओम नगर, बांसखो, आगरा रोड का सूरजपोल गृह निर्माण सहकारी समिति का मूल पट्टा खो गया है। मिलने पर कृपया सूचित करें। संपर्क श्रीमती ललिता देवी पत्नि श्री भगिरथ सिंह, मकान नंबर 4921, मठ. का कुआँ, केजीबी का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर। 8209781706

यह कि हमारा पैतृक पंजीकृत विक्रय पत्र जो कि खसरा सं. 899 का था। जो कि मुरली पुत्र गणेश के द्वारा हनुमान पुत्र किशना जाति अहीर के नाम से 60 फुट X 60 फुट का पंजीकृत विक्रय पत्र था। जो कि गुम हो चुका है काफी तलाश करने पर भी नहीं मिला है। अतः उक्त पट्टा किसी व्यक्ति को मिले तो मुझे 6375029659 नम्बर पर सम्पर्क करें।

मेरे भूखण्ड संख्या FLAT NO. E5/GF/1 योजना वसंतकुंज खसरा नंबर (3/1, 5, 7 से 20, 2, 3/1, 24, 25, 25, 50/1) जेडीए पट्टा साईट प्लान और संलग्न स्टाम्प पेपर (समस्त मूल दस्तावेज) कहीं गुम गये है मो. 9887045998

नाम परिवर्तन

मैंने अपनी पुत्री का नाम पूर्वी केवलानी (Purvi Kevlani) से बदलकर पूर्वी केवलानी (Poorvi Kewlani) पुत्री सुनील केवलानी (Sunil Kewlani) माता स्वाति केवलानी (Swati Kewlani) रख लिया है। भविष्य में इसे पूर्वी केवलानी (Poorvi Kewlani) के नाम से जाना जावें। निवासी 3/437 मालवीय नगर जयपुर

मैंने मरे पुत्र का नाम रहमान कुरैशी एवं अब्दुल रहमान से बदल कर अब्दुल रहमान कुरैशी पुत्र मोईनुद्दीन कुरैशी रख दिया है भविष्य में उसे अब्दुल रहमान कुरैशी के नाम से जाना पहचाना जावें। 147, धन्नादास की बगीची, आदर्श नगर, जयपुर

मैं, भवानी शंकर भाटी पुत्र स्व. बस्तीराम, निवासी 11-ए, कल्याणजी की कोठी, शिव कॉलोनी, हरिमार्ग, टोंकरोड, जयपुर। मेरे दसवी की अंकतालिका एवं पासपोर्ट में मेरा नाम भवानी शंकर गलत है, मेरे आधार अनुसार सही विवरण भवानी शंकर भाटी पुत्र स्व. बस्तीराम है। भविष्य में मुझे सही विवरण से जाना जाए।

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जनपथ, जयपुर कार्यालय दूरभाष नं0 0141-2744283
फैक्स नं0 0141-2740568, ईमेल आईडी - rsscjaipur@gmail.com
क्रमांक :- F.8/T.C./B.A.2024-25/65(XI-I)/ Raj-Kaj Ref. 17982999 दिनांक :- 25/09/2025
निविदा सूचना संख्या 50/2025-26
राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर की ओर से के एल सैनी स्टेडियम-मानसरोवर, जयपुर में श्रवहहपदह त्तंबा निर्माण कार्य हेतु राज्य/केन्द्र सरकार के संगठनों/विभागों में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित अन्य आवश्यक विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व www.rssc.in पर देखी जा सकती है। UBN No.: RSC2526WSOB00052
राज.संवाद/सी/25/10906 सचिव

कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)
लालसोट रोड दौसा :- 303303
'फोन व फैक्स': 01427-220054 ई-मेल:- dausa.jaipur@yahoo.com
क्रमांक न.प.दौ./2025-26/3676 दिनांक 24.09.2025
निःशुल्क प्रेस नोट
स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत नगर परिषद दौसा में सफाई मित्रो स्वास्थ्य की जॉच हेतु सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन दिनांक 24.09.2025 को संस्कृत स्कूल लालसोट रोड शहरी सेवा शिविर में किया गया शिविर के अन्तर्गत महिला एवं पुरूष सफाई मित्रो के स्वास्थ्य की जॉच एवं उचित उपचार किया गया। चिकित्सीय परामर्श की सुविधा प्रदान की आयुक्त कमलेश कुमार मीना ने स्वच्छता मित्रो को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया सफाई कार्यो के दौरान सावधानी बर्तने की बात कही इस मौके पर सभापति महोदया श्रीमती कल्पना जैमन, अधिशाषी अभियन्ता कैलाश चन्द मीना, वरिष्ठ नगर नियोजक नरेश बैसला, राजस्व अधिकारी शमीम बानो सफाई निरीक्षक रामप्रकाश मीना, स्वच्छ भारत मिशन शहरी अभियन्ता अशोक कुमार मीना, एवं समस्त नगर परिषद कर्मचारी मौजूद रहें।
राज.संवाद/सी/25/10948 आयुक्त

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर
क्रमांक-न.पा.फु./2025-26/1709 दिनांक-26.09.2025
आपत्ति सूचना
एतद् द्वारा हितबद्ध व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने लीज फ्री होल्ड अन्तर्गत आवासीय पट्टा चाहने हतु इस कार्यालय में आवेदन किया है।

क्र.सं.	प्रार्थी का नाम	स्थान	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1	श्रीमती सजन दवी पत्नि श्री पुरूषोतम शर्म	आवासीय भूखण्ड नं. 21 वाके चित्रगुप्त नगर फुलेरा	111.11	लीज फ्री होल्ड अन्तर्गत आवासीय पट्टा
2	श्रीमती कमला सैनी पत्नि श्री चिरंजी लाल	आवासीय भूखण्ड नं. 20 वाके चित्रगुप्त नगर फुलेरा	183.33	लीज फ्री होल्ड अन्तर्गत आवासीय पट्टा

किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार लीज फ्री होल्ड के अन्तर्गत आवासीय पट्टा/ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नहीं होगी।
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका किशनगढ़बास
प्रारूप-13
नियम 13(2) दखिए
शहरी सेवा शिविर-2025 नगरपालिका किशनगढ-बास, खैरथल-तिजारा
क्र.सं.2450 दिनांक-26.09.2025
लोक सूचना
अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि निम्न राजस्व गॉव के निम्न खसरा नम्बरान-
राजस्व ग्राम किशनगढबास तहसील किशनगढबास-खसरा नं. 404, 147, 622, 247, 1021/505, 523, 320/839
राजस्व ग्राम किशनगढबास तहसील किशनगढबास-खसरा नं. 1002, 1023, 1024, 895, 890, 992, 958, 959, 967, 966, 969, 970/2, 970/3, 971
तहसील किशनगढबास जिला खैरथल-तिजारा में स्थित भूमि या उसके भाग का 17 जून 1999 से पूर्व की कालावधि से गैर-कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तिया के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन किये जाने के दायी है। अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिन की भीतर-भीतर कारण बताये कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लगमों से मुक्त निहित किया जा सकें। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 2025 (वर्ष) के 09 (मास) के 26वें दिन की जारी की जाती है।
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका किशनगढबास
(खैरथल-तिजारा)

आम सूचना सर्वसाधारण एवं आम खास को सूचित किया जाता है हम रामनिवास बाथम पुत्र रामचन्द्र बाथम एवं श्रीमती मीरा देवी पत्नि रामनिवास बाथम निवासी 17, गोपी कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर के रहने वाले है। हमारा पुत्र विकास बाथम एवं उसकी पत्नी आरती उर्फ रिया हमारे कहने सुनने में नहीं है एवं खिलाफ है जो कि अन्य लोगों की बातों में आकर हमसे लड़ाई झगड़ा करते है जिस कारण हम विकास बाथम एवं उसकी पत्नी आरती उर्फ रिया को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा इनके साथ हमारा कोई भी पारिवारिक रिश्ता नहीं है। यदि कोई व्यक्ति इनके साथ हमारा नाम लेकर व विश्वास में लेन-देन करता है तो इसमें हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अतः सूचित रहे।
रामनिवास बाथम, मीरा देवी बाथम

उद्‌घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 16224/25
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम शिवम संगत पुत्र श्री स्व. शंकरलाल जाति.... विवाद स्थान बी-11, इन्द्रा नगर, झालाना डूंगरी, कच्ची बस्ती, जवाहर नगर, जयपुर
मृतक शंकर लाल की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 29.09.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम शंकर लाल पुत्र स्व. श्री सागर मल जाति...निवासी बी-11, इन्द्रा नगर, झालाना डूंगरी, कच्ची बस्ती, जवाहर नगर, जयपुर-302004 का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 19 माह 08 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 19 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थी ने मृतक शंकरलाल का क्रमांक 102567 के स्थान पर अनुकम्पा नियुक्ति के संबंध में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।
मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम

उद्‌घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 16225/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम पार्वती देवी पत्नि स्व. माणक चन्द जाति...विवाद स्थान रतन नगर चूरू हाल वार्ड नं. 06 महाराणा प्रताप चौक, सादुलपुर, तह. राजगढ जिला चूरू
मृतक स्व. माणक चन्द शर्मा (जांगिड़) की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 29.09.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. माणक चंद पुत्र स्व. श्री शंकर लाल शर्मा जाति शर्मा (जांगिड़) निवासी 1026-बी, रानीसती नगर, किंग्स रोड, निर्माण नगर, जयपुर (राज.) का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 29 माह 09 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 08 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थी ने मृतक स्व. श्री माणक चन्द के नाम प्रा. पत्र में वर्णित लॉकर व अन्य दस्तावेज व चल सम्पत्तियों बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।
मोहर अदालत
आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर-प्रथम

हर बार जब टीम इंडिया यह जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी, मैं हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। इस बार, हमारी महिलाएँ ही हैं जो विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं।

– टाइगर श्राफ

बॉलीवुड अभिनेता, भारतीय महिला टीम का समर्थन करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

शमार जोसेफ

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ चोट की वजह से अगले महीने भारत के ख़िलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अनकैप्ड तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर योहान लेन को टीम में शामिल किया गया है। भारत में 14 अक्टूबर को टेस्ट सीरीज खत्म करने के बाद वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश में तीन वनडे खेलेगी, जो 18 अक्टूबर से शुरू होंगे। इसके बाद 27 अक्टूबर से 1 नवंबर तक तीन टी20 भी होंगे। इसके बाद टीम न्यूजीलैंड जाएगी, जहां पांच टी20, तीन वनडे और तीन टेस्ट की ऑल-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। फ़िलहाल टीम यूएई में है।

क्या आप जानते हैं ?... 1984 में एशिया कप का पहला सीजन खेला गया, तब से लेकर अब तक भारत-पाकिस्तान के बीच कभी एशिया कप का फाइनल नहीं हुआ।

एशिया कप 2025 फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी

दुबई, 26 सितम्बर। बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंच गया है। वहीं अब 28 सितंबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल मैच खेला जाएगा। ये भारत और पाकिस्तान की एशिया कप के इतिहास में 17वीं बार भिड़ंत होगी। एशिया कप के इतिहास में ये पहली बार है जब खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। हालांकि, व्हाइट बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट में कुल पांच फाइनल खेले गए हैं जिसमें पांच से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया हो। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया सिर्फ दो बार जीत हासिल कर सकी है। भारत ने बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप (1985) और पहला टी20 वर्ल्ड कप (2007) जीता है। वहीं पाकिस्तान ने ऑस्ट्रल-एशिया कप (1986,1994) और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी (2017) जीती। 1985 में बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया था। ऑस्ट्रल-एशिया कप 1986 में पाकिस्तान ने एक विकेट से जीत दर्ज की थी। 1994 में एशिया कप में पाकिस्तान ने 39 रन से बाजी मारी। वहीं भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ पांच रन से जीत दर्ज की। 2017 में हुए चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराया था।

नेपाल को 3-0 से हराकर भारत सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के फाइनल में

कोलंबो, 26 सितंबर। भारत की अंडर-17 पुरुष राष्ट्रीय टीम ने नेपाल को 3-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह पक्की कर ली। गुरुवार रात रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए सेमीफाइनल में गत चैंपियन ने आखिरकार अपने दबदबे को गोल में बदल दिया, जिससे अब खिताबी मुकाबले में उसका बांग्लादेश से सामना होगा, जिसने पहले पाकिस्तान को 2-0 से हराया था। वांगखेराकपम गुनलेइबा (61वें मिनट) और स्थानापन्न अजलान शाह खान (80वें मिनट) और डायमंड सिंह थोकचोम (90वें मिनट) ने गोल किए और ब्लू कोल्ट्स ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। हाफ-टाइम तक स्कोरलाइन गोलरहित रही। भारत को पहला असली मौका बॉक्स में मची अफरा-तफरी के बीच मिला जब वांगखेराकपम गुनलेइबा ने गोल की ओर शॉट मारा, लेकिन नेपाल के डिफेंडर के तेज ब्लॉक ने उसे नाकाम कर दिया। इस मौके ने भारतीय खेमे में और भी तेज़ी ला दी। कुछ ही पल बाद, मोहम्मद ऐमान ने बाईं ओर से एक शानदार क्रॉस दिया जो डल्लालमुआॅन गंगटे के पास गया, लेकिन आमतौर पर भरोसेमंद फ़ॉरवर्ड गोल नहीं कर पाए। रक्षात्मक रूप से, भारत पूरी तरह से अडिग था। मिडफ़ील्ड ने अनुशासन के साथ जगह बनाई, जबकि बैकलाइन ने पासिंग चैनल बंद कर दिए, जिससे नेपाल के पास लंबी दूरी के प्रयासों के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। प्रतिस थापा मगर के ऐसे ही एक प्रयास, बॉक्स के किनारे से एक शक्तिशाली ड्राइव, ने गोलकीपर मानशज्योति बरुआ को पूरी ताकत से बचाव करने पर मजबूर कर दिया। मध्यांतर से ठीक पहले, भारत ने लगभग बढ़त बना ली थी। बाईं ओर से आए एक क्रॉस ने नेपाल के गोलकीपर को लाइन से बाहर कर दिया। दूर पोस्ट पर बिल्कुल सही जगह पर तैनात कामगोउहाओ डोंगेल पहली बार शॉट लेने में हिचकिचाए, बल्कि गेंद को नियंत्रित करने का विकल्प चुना, इस गलती ने नेपाल के डिफेंस को फिर से संगठित होने और गोल करने का मौका दे दिया। आखिरकार सफलता 61वें मिनट में मिली। डेनी सिंह वांगखेम ने दाईं ओर से एक नीची गेंद नेपाल के पेनल्टी क्षेत्र में डाली। गंगटे ने चतुराई से पास को चकमा दिया, जिससे पूरी बैकलाइन और गोलकीपर को गलत दिशा में धकेल दिया गया। गेंद गुनलेइबा के पैरों में गिरी, जिन्होंने शांति से उसे गोल में डालकर स्कोरिंग का रास्ता खोला और नेपाल के प्रतिरोध को तोड़ दिया। दूसरा गोल 80वें मिनट में हुआ, जो एक क्लासिक जवाबी हमले का नतीजा था। स्थानापन्न अज़लान शाह को बाईं ओर से पास मिला और वे तेज़ गति से आगे बढ़े। दिशा में अचानक बदलाव के कारण उनके मार्कर लड़खड़ा गए, और फिर उन्होंने एक ज़ोरदार और शानदार शॉट नेट में जड़ दिया। भारत ने मैच को अतिरिक्त समय में ही समाप्त कर दिया। गुनलेइबा का निचला क्रॉस नेपाल की रक्षापंक्ति को भेदता हुआ एक अन्य स्थानापन्न डायमंड सिंह थोकचोम के पास पहुंचा, जिन्होंने नजदीक से गोल करके अपने शानदार प्रदर्शन का अंत किया और भारतीय खेमे में जश्न का माहौल बना दिया।

भारत के खिलाफ फाइनल से पहले ध्यान केंद्रित रखे पाकिस्तान : हेसन

दुबई, 26 सितम्बर। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने अपने खिलाड़ियों से टूर्नामेंट के फाइनल में भारत का सामना करने की तैयारी करते हुए, ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रहने और सिर्फ़ क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने का आठाह किया है। दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें इस प्रतियोगिता में तीसरी बार आमने-सामने होंगी, और अब तक ज्यादातर चर्चा क्रिकेट के बजाय मैदान के बाहर के मुद्दों और मैदान के हाव-भाव पर ही केंद्रित रही है। हेसन ने कहा, ''देखिए, खिलाड़ियों को मेरा संदेश सिर्फ़ क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करने का है और हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। जहां तक हाव-भाव की बात है, उच्च दबाव वाले मैचों में हमेशा जुनून रहा है।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम इस मौके के हकदार हैं। अब इसका पूरा फायदा उठाना हमारी ज़िम्मेदारी है। अब तक के सभी मैच ट्रॉफी जीतने की स्थिति में खुद को लाने के लिए खेले हैं। एकमात्र मैच जो मायने रखता है वह है फाइनल, और हमारा ध्यान इसी पर होगा, जब जरूरत हो तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना।''

भारत ने सुपर ओवर में श्रीलंका को हराया

अर्शदीप ने महज 2 रन दिए, टी-20 एशिया कप में पहला मैच टाई हुआ था

दुबई, 26 सितंबर। भारत ने एशिया कप 2025 में अपना अजेय अभियान जारी रखा है। टीम ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। इसमें भारत को 3 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारतीय बैटर्स ने एक गेंद पर हासिल कर लिया। शुक्रवार रात को भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाए। ऐसे में फैसला सुपर ओवर में हुआ। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 203 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंकाई टीम से पथुम निसांका ने 58 बॉल पर 107 रन की पारी खेली। उन्होंने कुसल परेरा (58 रन) के साथ 127 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच टाई कराया। इससे पहले भारतीय टीम ने मौजूदा एशिया कप में पहली बार 200 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया था। ओपनर अभिषेक शर्मा ने 31 बॉल पर 61 रन बनाए। तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 39 और अक्षर पटेल ने नाबाद 21 रन बनाए। श्रीलंका के 5 गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला। इनमें महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, वानिंदू हसरंगा, दसुन शनाका और चरिथ असलंका शामिल रहे।

सूर्यकुमार यादव पर आईसीसी ने 30% जुर्माना लगाया, पहलगाम अटैक पर किया था कमेंट

दुबई, 26 सितम्बर। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप ग्रुप लीग मैच के बाद की गई टिप्पणी पर आईसीसी ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल, आईसीसी ने इसके लिए सूर्या पर 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। बता दें कि, सूर्या ने मैच के बाद कहा था कि, बस कुछ कहना चाहता था। ये बिल्कुल सही मौका है समय निकालकर। हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। इस जीत को हमारे सभी सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने अदम्य साहस दिखाया। आशा है कि वे हमें प्रेरित करते रहेंगे और जब भी हमें मौका मिले हम उन्हें मैदान पर मुस्कुराने का और भी कारण देंगे। इस टिप्पणी में उन्होंने मई में दोनों देशों के बीच हुई सैन्य झड़प का जिक्र किया था। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सूर्या के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था।

आईसीसी ने मैदान पर आचरण के लिए रऊफ और फरहान को फटकार लगाई

दुबई, 26 सितम्बर। दुबई में 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जांचे गए दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईसीसी मैच रेफरी ने फटकार लगाई है। आईसीसी द्वारा आयोजित सुनवाई में, दोनों को आईसीसी आचार संहिता के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया। क्रिकबज को पता चला है कि तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर मैदान पर दुर्घटनाग्रस्त विमान की नकल करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। उन्हें खेल को बदनाम करने के लिए भी कड़ी फटकार लगाई गई है। जुर्माने की सही राशि का पता नहीं चल पाया है, लेकिन रऊफ की मैच फ़ीस का एक हिस्सा काट लिया गया है। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबज़ादा फरहान को भी लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया और आईसीसी अधिकारी ने उन्हें फटकार लगाई है। फरहान ने अपने अर्धशतक का जश्न मनाने के लिए अपने बल्ले को बंदूक की तरह चलाया। फरहान ने उस सुपर 4 मुकाबले में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की छह विकेट से हार में 45 गेंदों पर 58 रन बनाए थे।

राज्य स्तरीय अंडर-23 ट्रॉफी

जयपुर को हरा उदयपुर ने जीती ट्रॉफी

पुष्पेंद्र सिंह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जयपुर, 26 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेले जा रही राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता के आज सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में उदयपुर ने जयपुर को 155 रनो से हरा जीती ट्रॉफी। फाइनल मैच के प्रेजेंटेशन समारोह में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य आशीष तिवाड़ी ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी व मोमेंटो प्रदान किये। इस अवसर पर डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ सचिव सुशील जैन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडी :–सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, राज शर्मा (जयपुर), सर्वश्रेठ गेंदबाज, ऋतिक औदीच्य (उदयपुर), प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी, रोहन राजभर (जयपुर), फाइनल मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी, पुष्पेंद्र सिंह (उदयपुर)। फाइनल मैच (जयपुर-उदयपुर), उदयपुर पारी 287/6, टीम के लिए यश सांखला 65, मिनाफशेख 56, पुष्पेंद्र सिंह 55 व यशवंत डांगी नाबाद 50 रन। जयपुर के गेंदबाज दिव्यांशुशर्मा 33/2, शुभम खंडेलवाल 55/2 व राहुल, आयुष 1-1 विकेट। जयपुर पारी 132 आल आउट, टीम के लिए जयंत ताम्बी 35 व राज शर्मा 31 रन। उदयपुर के गेंदबाज ऋतिक औदीच्य 19/4, विश्वजीत सिंह 24/2 व केतनशर्मा, पुष्पेंद्र सिंह व आभास श्रीमाली 1-1 विकेट।

हमारा सारा ध्यान क्रिकेट पर है, विवाद पर नहीं : हरमनप्रीत कौर

बेंगलुरु, 26 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पुरुष एशिया कप को लेकर हो रहे शोर-शराबे को दरकिनार करते हुए कहा है कि हम यहां केवल क्रिकेट खेलने आये और हमारा सारा ध्यान क्रिकेट पर ही रहेगा।

इस महीने की शुरुआत में आयोजित हुए एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के मैच में खिलाड़ियों के हाथ ना मिलाने और उसके लेकर हुई राजनीति और बयानबाजी को लेकर पाकिस्तान के साथ मुकाबले को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में हरमनप्रीत ने कहा, ''हम केवल मैदान पर होने वाली घटनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं। अन्य मामले हमारे हाथ से बाहर हैं। ड्रेसिंग रूम में, हम इन बातों पर चर्चा भी नहीं करते। हम यहां केवल क्रिकेट खेलने के लिए हैं, और हमारा ध्यान क्रिकेट पर ही रहेगा।''

हरमनप्रीत ने आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 से पहले कैप्टन्स डे पर संवाददाताओं से कहा, ''फिलहाल, हमारा ध्यान शुरुआती मैच पर है, क्योंकि यही टूर्नामेंट की दिशा तय करता है। सभी मैच समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हम

मैदान के बाहर होने वाली किसी भी चीज पर ध्यान नहीं देंगे।''

यह सिर्फ़ इरादे का बयान नहीं था, बल्कि एक ऐसी खिलाड़ी के निजी सफर का प्रतिबिंब था जो पंजाब के घरेलू सर्किट से 12 साल बाद घरेलू विश्व कप टीम की कप्तानी तक पहुंची है। उन्होंने दुनिया को याद दिलाते हुए कहा कि क्रिकेट अभी भी एक खेल है, दिखावे का मैदान नहीं, ''जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तो मैं बस भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती थी। अब विश्व कप में टीम की कप्तानी करना अविश्वसनीय है।''

उनके आस-पास के अन्य कप्तानों ने भी यही रुख अपनाया। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली , जो लंबे समय से टूर्नामेंट में पसंदीदा के रूप में प्रवेश करने की आदी हैं, ने आत्मसंतुष्टि को नकार दिया। उन्होंने कहा, ''सिर्फ़ इसलिए आसान नहीं हो जाता कि हम पहले भी जीत चुके हैं। हर विश्व कप एक नई चुनौती है। हम हर दिन बेहतर होते रहना चाहते हैं।'' न्यूज़ीलैंड की सोफ़ी डिवाइन ने संतुलन की बात की: युवा ऊर्जा, अनुभवी मार्गदर्शन। उन्होंने सूज़ी बेट्स के साथ खेलने के बारे में सोचा, जो शायद आखिरी बार विश्व कप में खेल रही थीं। उन्होंने कहा, ''इस सफर को साझा करना वाकई ख़ास है। युवा ऊर्जा लेकर आते हैं, और हमारे पास उनका मार्गदर्शन करने का अनुभव है।''

हरमनप्रीत ने भी भारत के फाइनल रिकॉर्ड पर शांत और दृढ़ संकल्प के साथ बात की। ''हम पहले भी फाइनल में पहुंचे हैं, लेकिन असफल रहे हैं। हमने उन गलतियों से सीखा है, और इस बार हम उस सीमा को पार करना चाहते हैं।

अभिषेक ने मोहम्मद रिजवान का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

दुबई, 26 सितंबर। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ अपने बल्ले से तबाही मचा दी। इस दौरान उन्होंने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह एशिया कप के टी20 सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभिषेक शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर4 मुकाबले में बेहतरीन अर्धशतक लगाया। अभिषेक ने जारी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी फिफ्टी लगाई है। स्टार क्रिकेटर एशिया कप 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। एशिया कप 2025 सुपर4 के आखिरी मुकाबले में अभिषेक ने श्रीलंका के खिलाफ 31 गेंदों में 61 रन ठोके। इस दौरान उन्होंने आठ चौके और दो छक्के जड़े।

केएल राहुल के नाबाद 176 रन, भारत-ए ने ऑस्ट्रेलिया-ए को पांच विकेट से हराया

लखनऊ, 26 सितंबर। केएल राहुल (नाबाद 176) और साई सुदर्शन (100) की शतकीय पारियों की बदौलत भारत ए ने शुक्रवार को दूसरे अनाधिकृत टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ए को पांच विकेट से हरा दिया।

आज यहां मैच के चौथे दिन भारत ए ने कल के दो विकेट पर 169 से आगे खेलना शुरु किया। भारत का तीसरा विकेट मानव सुथार (पांच) के रूप में गिरा। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ चौथे विकेट के लिए 78 रन जोड़े। इसके बाद कल रिटायर हर्ट हुए केएल राहुल फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे और अपना शतक पूरा किया।

साई सुदर्शन ने 172 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (100) रन बनाये। उन्हें कोरी रॉकीचॉली ने आउट किया। इसके बाद

बल्लेबाजी करने आये कप्तान ध्रुव जुरेल ने केएल राहुल के साथ पांचवें विकेट के लिए 115 रन जोड़कर अपनी टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। भारत ए ने 93.3 ओवरों में पांच विकेट पर 413 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। केएल राहुल ने 210 गेंदों में 16 चौके और चार छक्के लगाते हुए नाबाद 176 रनों की मैच विजयी पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया ए के लिए टॉड मर्फ़ी ने तीन विकेट लिये। कोरी रॉकीचॉली को दो विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहली पारी में 420 रन का स्कोर बनाया जिसके जवाब में भारत ए टीम पहली पारी में 194 रनों पर सिमट गई थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 185 के स्कोर पर सिमट गई और भारत को जीत के लिए 412 रनों का लक्ष्य दिया था।

दिया कुमारी ने किया मैराथन पोस्टर का अनावरण

जयपुर, 26 सितंबर। वर्ल्ड हार्ट डे 28 सितंबर के अवसर पर आयोजित होने वाली ग्रीन फिट मैराथन 2025 के पोस्टर का अनावरण राजस्थान की डिप्टी चीफ मिनिस्टर, दिया कुमारी द्वारा किया गया। उन्होंने आयोजकों और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि दिया कुमारी मैराथन में बतौर चीफ गेस्ट शामिल होंगी। मैराथन का उद्देश्य हृदय स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश तथा फिटनेस को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम आयोजक, वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि अनावरण के अवसर पर प्रेसिडेंट, जयपुर व्यापार महासंघ, सुभाष गोयल और सुरेश सैनी भी मौजूद रहे।

यॉर्कशायर के लिए मयंक अग्रवाल ने जड़ा बड़ा शतक

हेडिंग्ले, 26 सितम्बर। भारतीय बल्लेबाज मयंक अग्रवाल (175)ने डरहम के ख़िलाफ यॉर्कशायर के लिए हेडिंग्ले में एक बेहतरीन शतक लगाया। इस शतक की मदद से उनकी टीम पहली पारी की बढ़त लेने की कगार पर है, ताकि वे रेलिगेशन से बचने की उम्मीद कर सके। यह यॉर्कशायर का इस काउंटी सीजन आख़िरी मैच है।

धूप भरे लीड्स के मैदान में यह बल्लेबाजों का दिन था, जहां दो खिलाड़ियों ने शतक लगाए। पहले डरहम के ऑलराउंडर बेन रेन ने अपने पहले दिन के स्कोर नाबाद 87 रनों से आगे खेलना शुरू किया और 101 रन बनाए। यॉर्कशायर के लिए नई गेंद के गेंदबाज जैक व्हाइट ने 69 रन देकर 5 विकेट लिए।

अग्रवाल ने अपनी 195 गेंदों की पारी में 20 चौके और 5 छक्के लगाए और सलामी बल्लेबाज एडम लिथ के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 127 रनों की साझेदारी की। लिथ ने अपने 38वें जन्मदिन पर 69 रन की पारी खेली। अच्छे बल्लेबाजी हालात होने के बावजूद, लिथ और अग्रवाल को सतर्क रहकर खेलना पड़ा। वे सजग रहे, लेकिन रन भी बनाए। लिथ ने ऑफ साइड में बेहतरीन शॉट लगाए और अग्रवाल शुरू से लय में थे। इससे पहले यॉर्कशायर के लिए तीन पारियों में दो शून्य रहे थे।

लिथ ने 102 गेंदों में जबकि अग्रवाल ने 84 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अग्रवाल ने अफ़ग़ान गफ़ारी की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर पचासा पूरा किया। इसके थोड़ी देर बाद गफ़ारी ने लिथ को स्लिप में पॉट्स के हाथों कैच कराया। अग्रवाल ने फिर गफ़ारी पर हमला बोला और चाय से पहले उन पर तीन और छक्के जड़े। इसमें दो छक्के एक ही ओवर में सीधी बाउंड्री पर थे, जबकि उन्होंने एक मिडविकेट के ऊपर से मैक्सिमम हिट मारा। उन्होंने 122 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें दूसरा 50 सिर्फ़ 38 गेंदों में आया। एक तरफ अग्रवाल रन बना रहे थे, वहीं दूसरी तरफ यॉर्कशायर के विकेट गिरते जा रहे थे। उनके कप्तान जॉनी बेयरस्टो गोल्डेन डक पर आउठ हुए। वहीं दूसरे छोर पर अग्रवाल की मौजूदगी ने स्थिति संभाले रखी।

भारी बारिश के कारण अंतिम दिन का खेल रद्द

जमाल हुसैन ने जीता गोलकोंडा मास्टर्स का खिताब

हैदराबाद, 26 सितंबर। बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन (एचजीए) में भारी बारिश के कारण अंतिम राउंड रद्द होने के बाद 1 करोड़ रुपये की एनएसएल लक्स प्रेज़ेंट्स तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स 2025 का विजेता घोषित किया गया। टूर्नामेंट का परिणाम 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया क्योंकि खराब मौसम के कारण चौथे राउंड में कोई खेल संभव नहीं था। जमाल हुसैन (61-62-64), जिन्होंने 54 होल के अपने 23-अंडर 187 के स्कोर की बदौलत तीसरे राउंड के बाद चार शॉट से बढ़त बनाई, ने इस तरह अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता। परिणामस्वरूप, ढाका के 40 वर्षीय खिलाड़ी ने 15 लाख रुपये की विजयी राशि प्राप्त की, जिससे वह 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 14वें स्थान से 10वें स्थान पर पहुंच गए।

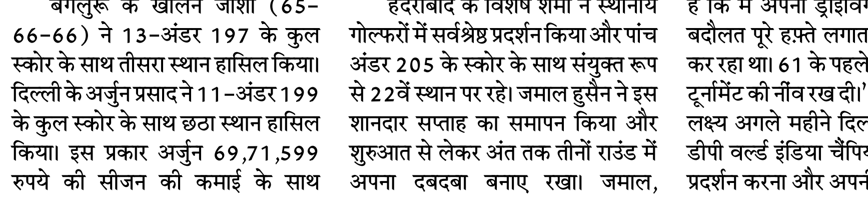

चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (62-64-65) ने तीन राउंड के बाद 19-अंडर 291 का कुल स्कोर बनाकर उपविजेता स्थान प्राप्त किया। अक्षय ने 10 लाख रुपये का चेक प्राप्त किया और पीजीटीआई की मेरिट सूची में 34वें स्थान से 21वें स्थान पर पहुंच गए।

बेंगलुरू के खलिन जोशी (65-66-66) ने 13-अंडर 197 के कुल स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। दिल्ली के अर्जुन प्रसाद ने 11-अंडर 199 के कुल स्कोर के साथ छठा स्थान हासिल किया। इस प्रकार अर्जुन 69,71,599 रुपये की सीजन की कमाई के साथ पीजीटीआई रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बने रहे। चंडीगढ़ के युवराज संधू, जिन्होंने इस प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया था, पीजीटीआई की धन सूची में 88,67,200 रुपये की सीजन कमाई के साथ अपनी बढ़त बनाए हुए हैं।

हैदराबाद के विशेष शर्मा ने स्थानीय गोल्फरों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांच अंडर 205 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 22वें स्थान पर रहे। जमाल हुसैन ने इस शानदार सप्ताह का समापन किया और शुरुआत से लेकर अंत तक तीनों राउंड में अपना दबदबा बनाए रखा। जमाल, जिन्होंने टूर्नामेंट में अपने न्यूनतम स्कोर 61 के कारण पहले राउंड के बाद एक शॉट की बढ़त हासिल की थी, ने दूसरे राउंड में 62 के स्कोर के बाद हाफ-टाइम तक अपनी बढ़त को तीन शॉट तक बढ़ा दिया। इसके बाद हुसैन ने तीसरे राउंड में 64 का स्कोर बनाकर अपनी बढ़त को चार शॉट तक बढ़ा लिया। उन्होंने 54 होल में केवल एक बोगी गंवाई।

जमाल ने कहा, ''इस साल की शुरुआत में कुछ मौकों पर क़रीब पहुंचने के बाद, आखिरकार इस सीजन में जीत हासिल करके मैं बेहद खुश हूँ। मैं फाइनल राउंड खेलना चाहता था, लेकिन मौसम हमारे हाथ में नहीं है। हालांकि, मुझे लगता है कि मैं अपनी ड्राइविंग और पटिंग की बदौलत पूरे हफ़्ते लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। 61 के पहले राउंड ने मेरे लिए टूर्नामेंट की नींव रख दी।'' मेरा अगला बड़ा लक्ष्य अगले महीने दिल्ली में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना और अपनी छाप छोड़ना है।

भारतीय दल ने स्पेशल ओलंपिक एशिया पैसिफिक बैडमिंटन प्रतियोगिता में एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते

कुआलालंपुर (मलेशिया), 26 सितंबर। स्पेशल ओलंपिक एशिया पैसिफिक बैडमिंटन प्रतियोगिता 2025 में भारतीय टीम ने 10 देशों के एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए एक स्वर्ण, तीन रजत पदक जीते।

बुकित कियारा स्थित जुआरा स्टेडियम में 16 से 20 सितंबर तक आयोजित स्पेशल ओलंपिक एशिया पैसिफिक बैडमिंटन प्रतियोगिता में भारतीय दल ने शानदार प्रदर्शन किया। चानवी शर्मा ने महिला एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और महिला युगल में अपनी जोड़ीदार सुजीता सुकुमारन के साथ रजत पदक जीता। अंकित दलाल ने पुरुष एकल में रजत पदक जीता और अमल बिजू के साथ मिलकर पुरुष युगल में एक और रजत पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या दोगुनी कर दी। मलेशिया में भारत के उच्चायुक्त, बी. एन. रेड्डी ने भी समापन समारोह में एथलीटों से मुलाकात कर उन्हें बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस उपलब्धि पर स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, ''मलेशिया में एशिया-प्रशांत बैडमिंटन प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले हमारे एथलीटों पर हमें बेहद गर्व है। उनका साहस, दृढ़ता और टीम भावना सचमुच स्पेशल ओलंपिक के सार को दर्शाती है। मैं पूरे दल को हार्दिक बधाई देती हूं और मलेशिया में भारतीय राजदूत और प्रवासी भारतीयों को उनके अमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूं। मेरी कामना है कि यह उपलब्धि पूरे भारत में और भी लोगों को प्रेरित करे।'' इस प्रतियोगिता में 10 देशों के 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 63 एथलीट और 17 एकीकृत भागीदार शामिल थे।

राज्य सरकार हर वर्ष ''प्रवासी राजस्थान सम्मान'' देगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में प्रवासी राजस्थान मीट में भाग लिया

जयपुर, 26 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट में कहा कि दुनियाभर में रहने वाले प्रवासी

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष से 10 दिसम्बर को जयपुर में प्रवासी राजस्थान दिवस का आयोजन किया जायेगा। प्रवासी राजस्थानियों के सामाजिक और व्यावसायिक प्रभावों को मजबूती देने के लिए एक विशेष विभाग गठित किया जायेगा।**

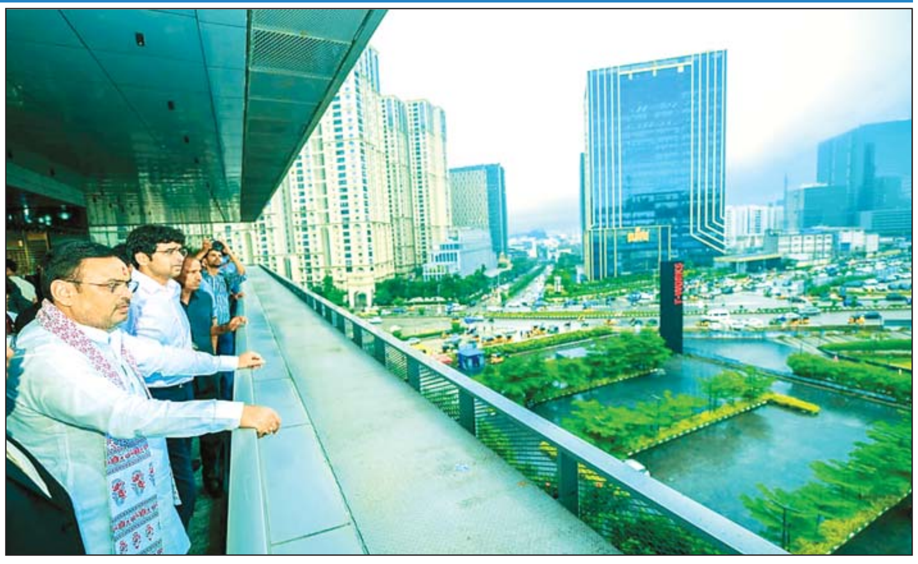

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को हैदराबाद में हाईटेक सिटी और आई टी हब का दौरा किया।

राजस्थानी जहां भी जाते हैं, वहाँ, अपनी संस्कृति और संस्कारों से राजस्थानी मिट्टी की खुशबू फैलाते हैं। उन्होंने प्रदेश में निवेश कर 'विकसित राजस्थान' के निर्माण में सहभागी बनने के लिए प्रवासी राजस्थानी का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम ''प्रवासी राजस्थानी दिवस'' आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन हर वर्ष किया जाएगा और इस अवसर पर हर साल ''प्रवासी राजस्थानी सम्मान'' भी दिया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रवासी राजस्थानियों के सामाजिक और व्यावसायिक प्रयासों को मजबूती देने के लिए, एक विशेष विभाग गठित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही,राजस्थान फाउंडेशन को सशक्त किया गया है। पिछले एक वर्ष में 14 नए चैप्टर खोले गए हैं और कुल 26 चैप्टर अब सक्रिय हैं।

दुनिया के न्यूयॉर्क, लंदन, रियाद जैसे प्रमुख शहरों में फाउंडेशन के चैप्टर सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम निवेश की सीमा 100 करोड़ रुपये से घटाकर 50 करोड़, तथा रिप्स-2024 में 10 करोड़ कर दी गई है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की और कई उद्यिमयों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन की सदस्यता की शुरुआत भी की गई। कार्यक्रम में उद्योग राज्यमंत्री के के बिश्नोई, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त मनीषा अरोड़ा, प्रवासी समुदाय के अनेक प्रतिनिधि व उद्यमी उपस्थित थे।

दशकों से अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी टैरिफ में बदलाव किया गया है। कुछ बड़ी दवा कंपनियाँ अपनी निवेश योजनाओं को यूरोप और ब्रिटेन में स्थित अपने पुराने ठिकानों से हटाकर अमेरिका की ओर ज्यादा केन्द्रित करने की कोशिश कर रही हैं।

हालांकि भारत नए टैरिफ से प्रभावित हो सकता है, लेकिन इससे यूरोपीय और ब्रिटिश दवा कंपनियों के हितों को गहरा धक्का लग सकता है। उदाहरण के लिए, लंबे समय से स्थापित दवा कंपनी ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन बीचम अपने कुछ प्रस्तावित निवेश ब्रिटेन से हटाकर अमेरिका में स्थानांतरित कर रही है, ताकि टैरिफ के असर को कम किया जा सके।

दवाओं के अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के तहत, भारी ट्रकों और कुछ फ़र्नीचर उत्पादों, जैसे किचन कैबिनेट्स और बाथरूम फिटिंग्स पर भी टैरिफ लगाया गया है। फ़र्नीचर बनाने वाली अग्रणी स्वीडिश कंपनी को भी इन नए शुल्कों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने दवाओं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रही है, लेकिन अब यह आशंका है कि भारत से निर्यात होने वाली कॉम्प्लेक्स जेनेरिक और स्पेशलिटी मेडिसिन्स भी इस दायरे में आ सकती हैं। हालांकि भारत की कई बड़ी कंपनियों के अमेरिका में पहले से उत्पादन केन्द्र मौजूद हैं, फिर भी इस नीति से उनका मुनाफा प्रभावित हो सकता है। अमेरिकी बाजार में पहले से ही कम मुनाफे पर काम कर रहीं भारतीय कंपनियों को इन शुल्कों को झेलना मुश्किल लग सकता है और अंततः इसकी लागत उपभोक्ताओं या बीमा कंपनियों पर डाल सकती हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अमेरिकी उपभोक्ता कम कीमत वाली भारतीय जेनेरिक दवाओं पर निर्भर हैं। अगर इन पर भी शुल्क लागू हुआ, तो दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी महंगाई बढ़ेगी और संभवतः दवा की कमी भी हो सकती है ट्रंप पहले ही भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं, जिसमें रूस से तेल खरीद जारी रखने के लिए 25 प्रतिशत पेनल्टी टैक्स भी शामिल है।

इलाहाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज फैसला सुनाया गया। राहुल गांधी ने वाराणसी के स्पेशल जज, एमपी/एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। उन्होने वाराणसी एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा निगरानी याचिका स्वीकार किए जाने को दी थी। उच्च न्यायालय से याचिका खारिज होने के बाद अब वाराणसी की एमपी एमएलए कोर्ट में निगरानी याचिका पर आगे की सुनवाई होगी। पिछली 21 जुलाई को वाराणसी एमपी/एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के ख़िलाफ़ निगरानी याचिका को स्वीकार किया था जिसके खिलाफ राहुल गांधी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शरण ली थी।

जस्टिस एस.पी. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिलहाल जस्टिस एसपी शर्मा राजस्थान हाईकोर्ट में वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। जस्टिस शर्मा 26 सितंबर, 2026 को रिटायर होंगे।

आईटी मंत्री अश्विनी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **''स्वदेशी टैक'' को एक एडवान्टेज जरूर है, उनके समक्ष भारत का विशाल ''डॉमैस्टिक'' मार्केट है और उन्हें विदेशी ग्राहकों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।**
- **पर, यह भी सच है कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दशकों से मार्केट में हैं तथा भारतीय ग्राहकों तक में उनके प्रति ब्राण्ड लॉयल्टी है।**

बड़ी संख्या में इंजीनियर, सॉफ़्टवेयर डेवलपर और बढ़ता हुआ स्टार्टअप इकोसिस्टम पहले से ही प्रतिस्पर्धी घरेलू समाधान बना रहे हैं। ज़ोहो और स्थानीय डिजिटल मैपिंग प्लेटफ़ॉर्म जैसे सॉफ़्टवेयर और सेवाओं के विकल्प यह साबित करते हैं कि देश व्यावहारिक विकल्प पेश करने में सक्षम है। विशाल घरेलू बाज़ार के साथ ये ताकतें तुरंत निर्यात पर निर्भर हुए स्थानीय नवाचार को बड़ा बनाने का अवसर देती हैं। संभावनाओं के बावजूद कई बाधाएँ हैं। कई घरेलू तकनीकी उत्पाद फीचर्स, भरोसेमंदी और उपयोगकर्ता अनुभव के मामले में अंतर्राष्ट्रीय उत्पादों से पीछे हैं, जिससे उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए बदलाव मुश्किल हो जाता है। हार्डवेयर और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में गहरी संरचनात्मक समस्याएँ हैं, क्योंकि भारत अभी भी आयातित पुर्ज़ों और सीमित हाई-एंड विनिर्माण ढाँचे पर निर्भर है। आपूर्ति श्रृंखला की कमी, असंगत इंटरनेट कनेक्टिविटी और ग्रामीण ढाँचे की कमियाँ अपनाने की प्रक्रिया को और जटिल बनाती हैं। अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा भी दबाव बढ़ाती है। भारत को न केवल बराबरी करनी है बल्कि पहले से स्थापित बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला भी करना है, जिसके लिए लगातार रिसर्च और डवलपमैंट में निवेश करना नई प्रतिभा को जोड़ना व आधुनिक सुविधाओं का निर्माण करना होगा। उपभोक्ता व्यवहार- जिसे ब्रांड वफ़ादारी, कीमत की संवेदनशीलता और गुणवत्ता की धारणा प्रभावित करती है-भी एक चुनौती है। अगर मजबूत बौद्धिक संपदा सुरक्षा और वैश्विक मानकों का पालन नहीं किया गया तो घरेलू विकल्पों के लिए भरोसा पाना कठिन होगा। स्वदेशी टैक पहल में बदलाव लाने की ताकत है।

मनमोहन सिंह के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नेता राहुल गांधी तथा अन्य कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा कि देश में उन्होंने जो आर्थिक सुधार शुरु किए उनके कारण राष्ट्र आज तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है।

रॉनल्ड रीगन के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **पर, यह भी सच है कि एक त्योहार का सीजन पर्याप्त नहीं है, देश की इकॉनमी को पार लगाने के लिए। जनता की डिमांड में कुछ स्थायित्व होना जरूरी है। अर्थशास्त्री यह भी आशा कर रहे हैं कि एक सफल सीज़न में जो ''डॉमेस्टिक डिमांड'' जागृत हुई है, उसकी लत लगेगी जनता को और भारत की इकॉनमी का चक्का चल निकलेगा, जैसा रीगन के समय हुआ था।**

आज की वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के समय में भारत के लिए घरेलू मांग को बढ़ावा देना ज़रूरी है। अमेरिका में टैरिफ बाधाओं की वजह से भारत के निर्यात का बड़ा भाग देश के भीतर ही अटका हुआ है, बजाय उन बाज़ारों में पहुँचने के, जहाँ के लिए इन्हें बनाया गया था। इन सामानों की बिक्री तभी होगी, जब घरेलू मांग मज़बूत हो, ताकि सामान मैनुफैक्चर करने वालों पर अतिरिक्त माल का बोझ न पड़े।

इसीलिए प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे त्योहार मनाएँ, खर्च करें, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ी हुई मांग की मजबूत खुराक मिल सके। निश्चित रूप से इस समय जीएसटी दरों में की गई कटौती के कारण कीमतें घटने पर खरीदारों की तरफ से प्रतिक्रिया उत्साहपूर्ण होगी। उदाहरण के तौर पर, मोटर वाहनों की ऑन रोड कीमतों में कटौती हुई है। इसके परिणामस्वरुप, कार और दोपहिया वाहनों की कीमतों में भारी कमी आई है। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि ऑटोमोबाइल निर्माताओं की बिक्री ज्यादा होगी।

कम कीमत वाले सामानों, जैसे बिस्कुट पैकेट से लेकर दवाइयों तक, दरों में कटौती से भी मांग में उछाल आएगा और बिक्री में तेजी होगी। हालाँकि केवल एक त्योहार के मौसम की बिक्री लंबी अवधि में बड़ा असर नहीं डाल सकती। मांग में लगातार और स्थायी बढ़ोतरी के लिए मज़बूत आधार होना चाहिए और यह भी ज़रूरी है कि मांग एक ऊँचे स्तर पर जाकर स्थिर हो।

अर्थशास्त्र केवल त्योहारी सीज़न की बिक्री और खुशगवार माहौल से नहीं चलता। इन प्रोत्साहनों को लंबे समय तक सफल बनाने के लिए मांग में वृद्धि को लंबे समय तक बनाए रखना होगा। यह काम केवल एक बार की दर कटौती से कहीं ज्यादा कठिन काम है।

एक आशाजनक संकेत यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से अपनी आंतरिक खपत पर आधारित है और पूरी तरह से निर्यात पर ज़्यादा निर्भर नहीं है। इसलिए मौजूदा स्थिति में घरेलू खपत में बढ़ोतरी अगर लंबे समय तक जारी रही, तो यह विकास का इंजन बन सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की अपनी आंतरिक गति को देखते हुए यह उम्मीद की जा सकती है कि यह अर्थव्यवस्था को उच्च विकास के रास्ते पर आगे ले जाने के लिए पर्याप्त प्रारंभिक बल देगी। ज़रूरत सिर्फ इस बात की है कि सरकार ऐसे कदम न उठाए, जो अर्थव्यवस्था के इस स्वाभाविक विकास प्रक्रिया में रुकावट डालें।

पाकिस्तान ने फिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को सुविधानुसार पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा पर आने का भी सौहार्दपूर्ण निमंत्रण दिया।''संघर्षविराम के पहले दिन से ही भारत यह कहता आया है कि यह पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने ही अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर शत्रुता समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिये सम्पर्क किया था।

जब यह संदेश आया, तब तक भारत पहले ही पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कई प्रमुख आतंकी ठिकानों को तबाह कर चुका था, जिनमें सैन्य लक्ष्य जैसे हैंगर, रडार, एंटी-एयरक्राफ्ट प्लेटफॉर्म और एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महंगा एडब्ल्यूएसीएस (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) विमान शामिल थे, जो ज़मीन पर मौजूद था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन्हें फोन कर कहा था कि ''पाकिस्तानी बातचीत के लिए तैयार हैं,'' जिसके बाद पाकिस्तान के डायरेक्टर-जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स ने भारत से संपर्क किया।

जयशंकर ने हाल ही में संसद में ''ऑपरेशन सिंदूर'' पर हुई बहस के दौरान कहा था, ''22 अप्रैल (पहलगाम आतंकी हमला) और 17 जून (संघर्षविराम की घोषणा की तिथि) के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच कोई बात नहीं हुई।'' 2016 के उरी सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक या अन्य पूर्व सैन्य अभियानों, जो ''स्केल'' तथा ''स्कोप'' के मामले में सीमित थे, तुलना में, ऑपरेशन सिंदूर तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत, विस्तृत और भारत द्वारा अब तक की गई।

Jaipur: E-101, Road No. 8, Vkia Area, Jaipur, Prem Motors: 8058791634, 8058794187, 8058794102, 8058794177 | **Chitrakoot Marg, Satya Colony, Tagore Nagar, Jaipur,** Auric Motors: 8690988784,8890988912, 8690988758 | **E-197(A), RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur,** KP Automotives: 9549651769, 9116190346 | **B 1 Govind Marg, Rajapark Opp. Pink Square Mall,** KP Automotive: 9549851770, 9116190344 | **A-209, Rajendra Prasad Nagar, 200ft Bypass, Ajmer Road, Jaipur,** Satnam MotoCorp: 7413900007, 7413900009, 7821823626, 8290654400, 7568249500, 9358868371 | **13 Jhotwara Industrial Area, Near Jhotwara Police Station, Jaipur,** KTL: 7412068475, 7412077170. | **Sector-35,Pratap Nager, Tonk Road, Jaipur,** Sanga Autonation Pvt Ltd.: 9057809180| **Padmawati Colony- II, opposite Metro Pillar No 25, Mansarover Metro Station Jaipur,** Vipul Motors Pvt. Ltd.: 9829333522, 9829351470, 9079191348. **Alwar: Near Alwar Public School, Jaipur Road, Alwar,** MG Motors: 7240012934, 7728892248, 7073130666 | **Opposite Matila police station Alwar bypass Road Bhiwadi,** Fortune Cars: 8875001550, 9214094335 | **Manhar Villa, Near Jail Circle, Vijay Nagar Road, Alwar,** Fortune Cars: 7230029310, 7230029304.

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908